THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 238 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **मार्गशीर्ष कृ.4,** 2079 **शनिवार, 12 नवंबर 2022**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

अयोध्या मस्जिद निर्माण में सबसे ज्यादा दान हिंदुओं ने दिया

लखनऊ, 11 नवंबर (एजेंसियां)। 9 नवंबर 2019, सुप्रीम कोर्ट ने राम जन्मभूमि और बाबरी मस्जिद विवाद पर आखिरी फैसला सुनाया। सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को मस्जिद बनाने के लिए 5 एकड़ जमीन दी गई। मस्जिद निर्माण के लिए सिर्फ यूपी ही नहीं बल्कि पूरे देश से चंदा आया। ट्रस्ट ने ये रकम गिनी तो हिंदू-मुस्लिम सौहार्द की एक नई तस्वीर सामने आई। मस्जिद बनाने के लिए अब तक मिले कुल दान का 40 प्रतिशत हिस्सा हिंदुओं ने दिया है। लेकिन, फैसले के 3 साल बाद भी मस्जिद निर्माण का काम कहां अटका हुआ है? अयोध्या मस्जिद के ट्रस्टी अरशद खान और सचिव अतहर हुसैन से बात की। >14

राजीव गांधी के सभी हत्यारे रिहा

सुप्रीम कोर्ट का आदेश : दोषी नलिनी गर्भवती थी, तब सोनिया ने माफ किया था

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। राजीव गांधी हत्याकांड के सभी 6 दोषी शुक्रवार को रिहा हो गए। सुप्रीम कोर्ट ने इसी दिन सुबह नलिनी और आरपी रविचंद्रन समेत सभी दोषियों की रिहाई का आदेश दिया था। कोर्ट का आदेश आने के एक घंटे बाद ही उम्रकैद की सजा काट रहे सभी दोषियों की रिहाई हो गई।

सुप्रीम कोर्ट ने 18 मई को इसी केस में दोषी पेरारिवलन को रिहा करने का आदेश दिया था। बाकी दोषियों ने भी उसी आदेश का हवाला देकर कोर्ट से रिहाई की मांग की थी। नलिनी और रविचंद्रन दोनों 30 साल से ज्यादा का वक्त जेल में गुजार चुके हैं।

कांग्रेस बोली, कोर्ट ने देश की भावनाओं का ध्यान नहीं रखा :

राजीव गांधी हत्याकांड के

दोषियों की रिहाई पर कांग्रेस ने कहा है कि ये मंजूर नहीं है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने लेटर जारी कर कहा, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला देते वक्त देश की भावनाओं को ध्यान में नहीं रखा। फैसला गलतियों भरा हुआ है। जब नलिनी को राजीव गांधी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, तब वह गर्भवती थी। उसकी प्रेग्नेंसी को दो महीने हो गए थे। तब सोनिया गांधी ने नलिनी को माफ कर दिया था। उन्होंने कहा था कि नलिनी की गलती की सजा एक मासूम बच्चे को कैसे मिल सकती है, जो अब तक दुनिया में आया ही नहीं है।

इससे पहले भी दोषियों की रिहाई को कोशिशें हुईं :

राजीव गांधी की हत्या के मामले में ट्रायल कोर्ट ने साजिश में शामिल 26 दोषियों को मृत्युदंड दिया था। मई 1999 में सुप्रीम कोर्ट ने 19 लोगों को बरी कर दिया। बचे हुए सात में से चार आरोपियों (नलिनी, मुरुगन उर्फ श्रीहरन, संथन और पेरारिवलन) को मृत्युदंड सुनाया और बाकी (रविचंद्रन, रॉबर्ट पायस और जयकुमार) को उम्रकैद। चारों की दया याचिका पर तमिलनाडु के राज्यपाल ने नलिनी की मृत्युदंड को उम्रकैद में बदला।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी पक्षों से 3 हफ्ते में मांगा जवाब

ज्ञानवापी में कथित शिवलिंग का संरक्षण जारी रहेगा

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद में कथित शिवलिंग जैसी संरचना के संरक्षण की सीमा बढ़ाने पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने आदेश में कहा कि संरक्षण जारी रहेगा। कोर्ट ने सभी पक्षों से 3 हफ्तों में हलफनामा दाखिल करने के लिए कहा है।

ज्ञानवापी मस्जिद पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के अलावा इलाहाबाद हाईकोर्ट में ज्ञानवापी का एएसआई से सर्वे कराने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई हुई है। इधर, वाराणसी की जिला अदालत में कथित शिवलिंग की पूजा के अधिकार और मस्जिद में सर्वे की कार्यवाही पर भी सुनवाई हुई। कोर्ट अब 5 दिसंबर को मामले की अगली सुनवाई करेगा। दरअसल, ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाने में 16 मई को कोर्ट कमीशन के सर्वे के दौरान एक संरचना मिली थी। हिंदू पक्ष ने इसे शिवलिंग तो मुस्लिम पक्ष ने फव्वारा बताया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस संरचना को संरक्षित करने का आदेश जारी किया था। यह आदेश 12 नवंबर तक के लिए था। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा 7/11 में निचली अदालत ने क्या आदेश दिया। हिंदू पक्ष की ओर से वकील विष्णु जैन ने कहा कि मुस्लिम पक्ष की याचिका निचली अदालत ने खारिज कर दी थी और याचिका को सुनवाई योग्य माना था। 17 मई को, शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि वाराणसी में सिविल जज सीनियर डिवीजन द्वारा उस स्थान की सुरक्षा के लिए पारित आदेश जहां ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान "शिवलिंग" पाए जाने का दावा किया गया था, नमाज अदा करने और धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए मस्जिद तक पहुंच के मुसलमानों के अधिकार को प्रतिबंधित नहीं करेगा।

20 मई को, सुप्रीम कोर्ट ने मामले को वाराणसी जिला न्यायालय में ट्रांसफर कर दिया, यह देखते हुए कि एक वरिष्ठ और अनुभवी न्यायिक अधिकारी को शामिल मुद्दों की संवेदनशीलता को देखते हुए मामले से निपटना चाहिए।

पीएम 6 लेन के कॉरिडोर की रखेंगे आधारशिला

विशाखापट्टनम, 11 नवंबर (एजेंसियां)। आज 12 नवंबर को पीएम नरेंद्र मोदी आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में 10,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और आधारशिला रखेंगे। वह छह लेन के ग्रीनफील्ड रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कोरिडोर के आंध्र प्रदेश सेक्शन की आधारशिला रखेंगे। इसका निर्माण 3,750 करोड़ रुपये की लागत से होगा। तेलंगाना के रामागुंडम में पीएम 9,500 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। वह रामागुंडम में उर्वरक संयंत्र राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

खतियान में नाम वाले सभी मूल निवासी

स्थानीय नीति विधानसभा से पास, ओबीसी रिजर्वेशन 27 प्रतिशत किया, कुल आरक्षण 77 प्रतिशत

रांची, 11 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र में हेमंत सोरेन सरकार ने 1932 आधारित स्थानीय नीति और आरक्षण संशोधन विधेयक पास कर दिया गया। इस विधेयक के अनुसार वे लोग झारखंड के स्थानीय या मूल निवासी कहे जाएंगे जिनका या जिनके पूर्वजों का नाम 1932 या उससे पहले के खतियान में दर्ज होगा। वहीं, ओबीसी आरक्षण की सीमा 14 प्रतिशत बढ़ाकर 27 प्रतिशत कर दिया है। अब झारखंड में कुल 77 प्रतिशत रिजर्वेशन हो गया है। अब

प्रदेश में अनुसूचित जनजाति (एसटी) को 28 प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27 प्रतिशत और अनुसूचित जाति (एससी) के लिए 12 प्रतिशत आरक्षण लागू हो जाएगा। झारखंड स्थानीय व्यक्तियों की परिभाषा और परिणामी सामाजिक, सांस्कृतिक और अन्य लाभों को ऐसे स्थानीय व्यक्तियों तक विस्तारित करने के लिए विधेयक-2022 को सीएम हेमंत सोरेन ने विधानसभा में रखा।

चर्चा के बाद 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति ध्वनि मद से पास कर दिया गया। वैसे लोग जिनका नाम 1932 खतियान में दर्ज नहीं होगा या फिर जिनका खतियान खो गया हो या नष्ट हो गया हो ऐसे लोगों को ग्राम सभा से सत्यापन लेना होगा कि वे झारखंड के मूल निवासी हैं या नहीं।

अब भारत रुक-रुककर नहीं चलेगा दुनिया में हमारी अलग पहचान : मोदी

बेंगलुरू, 11 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनावी दौरे के बाद आज कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू पहुंचे जहां उन्होंने केएसआर रेलवे स्टेशन पर पांचवीं वंदे भारत एक्सप्रेस व भारत गौरव काशी दर्शन ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

इसके बाद पीएम मोदी ने केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 का उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने नादप्रभु केम्पेगौड़ा की 108 फीट की प्रतिमा का अनावरण भी किया। इसके बाद पीएम मोदी ने एक जनसभा को भी संबोधित किया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि भारत अब रुक-रुककर नहीं चलने वाला है। भारत अब तेज दौड़ना चाहता है। दुनिया में हिंदुस्तान की एक अलग पहचान बनी है। आने वाले 8-10 सालों में हम भारतीय रेल के कायाकल्प को बदलने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज शुरू हुई वंदे भारत ट्रेन केवल एक ट्रेन नहीं है बल्कि ये नए भारत की नई पहचान है। 21वीं सदी में भारत की ट्रेन कैसी हो, ये उसकी एक झलक है। वंदे भारत एक्सप्रेस इस बात का प्रतीक है कि भारत अब रुक-रुककर चलने वाले दिनों को पीछे छोड़ चुका है।

आज पूरी दुनिया में, भारत में निवेश के लिए अभूतपुर्व विश्वास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया में, भारत में निवेश के लिए जो अभूतपुर्व विश्वास बना है उसका बहुत बड़ा लाभ कर्नाटक को भी मिल रहा है। पिछले तीन साल जब पूरी दुनिया कोरोना से प्रभावित रही तब कर्नाटक में लगभग 4 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ। पीएम मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया में भारत की पहचान स्टार्ट अप्स के लिए है और भारत की इस पहचान को सशक्त करने में बड़ी भूमिका बेंगलुरू की है। स्टार्ट अप्स सिर्फ एक कंपनी भर नहीं होता है।

पतंजलि की 5 दवाओं पर बैन

देहरादून, 11 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड सरकार ने योग गुरु बाबा रामदेव के पतंजलि ग्रुप की 5 दवाओं के प्रोडक्शन पर बैन लगा दिया है। ये दवाएं दिव्य फार्मेसी बनाती है। उत्तराखंड की आयुर्वेद और यूनानी लाइसेंस अथॉरिटी के मुताबिक इन दवाओं के विज्ञापन भ्रामक है। हालांकि बाबा रामदेव ने कहा है कि उन्हें ऐसे किसी आदेश की कॉपी अब तक नहीं मिली है। उन्होंने दावा किया कि दवाओं पर बैन लगाने के पीछे आयुर्वेद विरोधी ड्रग माफिया की साजिश है।

दरअसल केरल के एक डॉक्टर केवी बाबू ने जुलाई में शिकायत की थी। उन्होंने पतंजलि के दिव्य फार्मेसी की ओर से ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (ऑब्जेक्शनेबल एडवर्टाइजमेंट) एक्ट 1954, ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 और ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक रूल्स 1945 के बार-बार उल्लंघन का आरोप लगाया था। बाबू ने राज्य के लाइसेंसिंग अथॉरिटी (एसएलए) को 11 अक्टूबर को एक बार फिर ईमेल के जरिए शिकायत भेजी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बैन का आदेश उत्तराखंड आयुर्वेदिक और यूनानी सेवा के लाइसेंस अधिकारी डॉ. जीसीएस जंगपांगी ने जारी किया था। उन्होंने पतंजलि पर भ्रामक विज्ञापनों का आरोप लगाया था। बाद में यह खबर कई मीडिया हाउस ने पब्लिश की थी। >14

ममता बनर्जी बोलीं

तृणमूल में सभी नेता चोर नहीं

कोलकाता, 11 नवंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया कि पार्टी नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप बहुत बढ़ा-चढ़ाकर लगाए गए हैं। उन्होंने पार्टी का बचाव करते हुए कहा कि तृणमूल में सभी लोग चोर नहीं हैं। नदिया जिले के कृष्णानगर में तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, अगर कोई एक या दो लोग गलती करते हैं, तो पूरी पार्टी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। अगर किसी

ने कोई गलती की है तो उसे उन गलतियों को सुधारने का एक मौका दिया जाना चाहिए। पूरी पार्टी की छवि खराब करने की कोशिश की जाती है, मानो सब चोर हैं। भाजपा के नेता सबसे बड़े चोर हैं। उन्होंने पार्टी में गुटबाजी के बीच अपने विधायकों को आगाह किया कि आपस में लड़ने वालों को पार्टी से बाहर कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं क्षेत्र के सभी विधायकों से आपस में झगड़ों को बंद करने का आग्रह करती हूं। अगर आप आपसी झगड़ों को खत्म नही करेंगे तो पार्टी में आपके लिए कोई जगह नहीं है। अगर आपका अहम इतना बड़ा है तो घर बैठिए। आपकी जरूरत नहीं है। अगर आप जनता की सेवा करना चाहते हैं तो बाहर निकलिए और जनता के लिए काम कीजिए।

पुणे की शिवरकर बस्ती में लगी भीषण आग

कई घर जलकर हुए खाक, कोई हताहत नहीं

पुणे, 11 नवंबर (एजेंसियां)। पुणे के वनवाड़ी इलाके के शिवरकर बस्ती में गुरुवार (10 नवंबर) देर रात भीषण आग लग गई। इस हादसे में टीन से बने कई घर खाक हो गए। हालांकि, किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। बताया जा रहा है कि मामले की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई थीं और आग पर काबू पाया गया।

चेन्नई में पूरी रात होती रही बारिश, कई इलाकों में भरा पानी

कई जिलों में स्कूल और कॉलेज बंद

चेन्नई, 11 नवंबर (एजेंसियां)। चेन्नई के कुछ इलाकों में शुक्रवार को भारी बारिश की वजह से जलभराव हो गया. वहीं, तमिलनाडु के 14 जिलों और पुडुचेरी में खराब मौसम को देखते हुए स्कूल और कॉलेजों को बंद किया गया है. मौसम विभाग ने राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के आसार जताए हैं. प्रशासन ने चेन्नई में 169 सहित 5,093 राहत शिविर बनाए हैं.

वीडियो में देखा जा सकता है कि उत्तरी चेन्नई के पुलियनथोप इलाके में सड़कों पर पानी भरा है, टखनों तक भरे पानी में वाहन खड़े हैं. वहां रहने वाले एक युवक ने बताया कि हमारे लिए रोजमर्रा की चींजे लाना भी मुश्किल हो गया है. शहर के निचले इलाकों में 879 ड्रेनेज पंप लगाए गए हैं और प्रभावित जिलों में 60 निगरानी अधिकारियों को नियुक्त किया गया है.केंद्र और राज्य दोनों के आपदा प्रतिक्रिया बलों के 2,000 से अधिक राहतकर्मियों

को स्टैंडबाय पर रखा गया है. चेन्नई के अलावा, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, चेंगलपट्टू, रानीपेट, वेल्लोर, सलेम, नमक्कल, तिरुवन्नामलाई, कल्लाकुरिची और रामनाथपुरम जिलों के स्कूलों और कॉलेजों में बारिश की छुट्टी का ऐलान किया गया है. तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और रानीपेट जिलों में अत्यधिक भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है. डेल्टा क्षेत्र के चेन्नई, चेंगलपट्टू, विल्लुपुरम, कल्लाकुरिची और अन्य जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा हो रही है.

फिजिकल एजुकेशन के दौरान 15 छात्राओं का यौन शोषण, बेंगलुरु का दरिंदा शिक्षक गिरफ्तार

बेंगलुरु, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु के एक सरकारी स्कूल के शिक्षक की हैरान करने वाली हरकतें सामने आई हैं। उसने फिजिकल एजुकेशन के दौरान बीते तीन माहों में 15 छात्राओं का यौन शोषण किया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। बेंगलुरु पुलिस ने बताया कि हेब्बल के सरकारी स्कूल का शिक्षक अंजनप्पा फिजिकल एजुकेशन की कक्षाओं के दौरान छात्राओं को अनुचित रूप से छूता था और कई बार उन्हें किस भी करता था।

हेब्बल पुलिस थाने के निरीक्षक दिलीप कुमार के एच ने बताया कि घटना हाल ही में तब सामने आई जब कक्षा आठवीं और नवीं की छात्राओं ने अपने माता-पिता को शिक्षक की करतूत के बारे में बताया। इसके बाद माता-पिता ने स्कूल के हेडमास्टर को यह जानकारी दी। हेडमास्टर ने मामले की आंतरिक जांच कराई। जांच में विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि उक्त शिक्षक भोजनावकाश व पीई की कक्षाओं के दौरान अनुचित ढंग से छूता है और किस भी करता है। शिक्षक के खिलाफ आरोपों की पुष्टि के बाद हेडमास्टर ने मंगलवार को आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने उसके खिलाफ पोक्सो कानून व अन्य धाराओं केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

महाराष्ट्र के रायगढ़ में मिला विस्फोटक जैसा सामान

मुंबई पुलिस ने अलर्ट किया जारी

मुंबई, 11 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में शाम मुंबई-गोवा राजमार्ग पर एक पुल के नीचे एक विस्फोटक जैसा सामान मिला है। एक पुलिस अधिकारी ने इस मामले की जानकारी देते हुए कहा कि भोगवती नदी पर एक पुल के नीचे बिजली के सर्किट और एक घड़ी से जुड़ी छह जिलेटिन की छड़ों के दो गुच्छे मिले हैं। इस दौरान मुंबई पुलिस ने अलर्ट जारी कर दिया है। अधिकारी ने कहा कि उपकरणों को देखकर लग रहा है कि यह विस्फोटक से जुड़ा सामान है, लेकिन अभी इसका पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि रायगढ़ पुलिस, राज्य के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) और नवी मुंबई से बम निरोधक दस्ता के साथ वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। अधिकारी ने कहा कि इलाके में व्यापक तलाशी ली गई और आगे की जांच जारी है।

मगरमच्छ के सरकारी आंसू...

किसानों पर टैक्स, भारत जोड़ो यात्रा में जमकर बरसे राहुल गांधी

नांदेड़, 11 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा है कि उनके नोटबंदी और जल्दबाजी में जीएसटी लागू करने से अर्थव्यवस्था तबाह हो गई और देश में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी पैदा हुई। महाराष्ट्र के नांदेड़ में गुरुवार को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान एक रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने 6 साल पहले 500 और 1,000 रुपये के नोटों को बंद किए जाने के फैसले और पांच टैक्स स्लैब के साथ जीएसटी लागू करने के लिए मोदी की आलोचना की।

पहली बार किसानों पर टैक्स लग रहा

इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि नोटबंदी और जीएसटी ने देश की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी और बेरोजगार के अवसरों को खत्म कर दिया। उन्होंने कहा, भारत के इतिहास में पहली बार किसानों पर टैक्स लगाया जा रहा है, उर्वरकों और दैनिक उपभोग की हर दूसरी चीज पर जीएसटी लगाया जा रहा है, जो जनता के लिए समस्याओं को बढ़ा रहा है।

मोदी ने मगरमच्छ की तरह आंसू बहाए

भाजपा सरकार पर केवल 2-3 बड़े उद्योगपतियों को लगभग सारा पैसा हड़पने में मदद करने का आरोप लगाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि शिक्षा के लिए पैसा नहीं है, किसानों की कर्ज माफी, मनरेगा के तहत कोई नौकरी नहीं है और एमएसएमई क्षेत्र भी बर्बाद हो गया है। नोटबंदी से काले धन को खत्म करने के झूठे दावों के लिए मोदी पर हमला बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा, मोदी ने कहा था कि अगर नोटबंदी से काम नहीं हुआ तो मुझे फांसी पर लटका देना, उन्होंने मगरमच्छ की तरह आंसू बहाए। मुझे बताओ, क्या देश को काले धन से छुटकारा मिल गया है?

बाबा जित्तो के दर पर पहुंचे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा

अब तक 4 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

जम्मू, 11 नवंबर (एजेंसियां)। झिड़ी में लगने वाले ऐतिहासिक मेले में अब तक चार लाख श्रद्धालु बाबा जित्तो और बुआ कौड़ी के दर्शन कर चुके हैं। शुक्रवार को जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मेले में शिरकत की। इस दौरान उनके साथ जम्मू जिला उपायुक्त अवनी लवासा, मेला अधिकारी एवं एसडीएम मढ़ व अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि को देखते हुए प्रशासन ने उनकी सुविधाओं के लिए विभिन्न प्रबंध कर रखे हैं। झिड़ी मेले में प्रशासन द्वारा कई विभागों के स्टॉल भी सजाए गए हैं। बाबा जित्तो के दरबार में हाजिरी लगाने के बाद वह झिड़ी मैदान में जनता को संबोधित करेंगे। इस दौरान प्रशासन द्वारा झिड़ी मैदान में चार हजार जनता एकत्रित करने का लक्ष्य रखा गया है। तमाम पंचायत प्रतिनिधियों सहित विभागों के अधिकारियों को मौजूद रहने के लिए न्यौता भी दिया गया है। इससे पहले गुरुवार को मौसम साफ होने के कारण मेले में लोगों की काफी भीड़ देखने को मिली। भीड़ इस कदर थी कि मेले में पैर रखने की भी जगह नहीं थी। हालांकि इस बार मेला कार्तिक पूर्णिमा से एक दिन पहले 7 नवंबर से शुरू हो गया था। इस मेले में श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए कई तरह के झूले, मौत का कुआं और सर्कस का आयोजन हो रहा है। झिड़ी मेले के चौथे दिन भी श्रद्धालुओं का लगातार मेले में आना जारी है।

चैरिटी होम में महिला के साथ छेड़छाड़ के आरोप में पादरी गिरफ्तार

कोलकाता, 11 नवंबर (एजेंसियां)। कोलकाता पुलिस ने एक चैरिटी होम चलाने वाले पादरी को कथित रूप से महिला कर्मी के साथ छेड़खानी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पादरी के साथ ही पुलिस ने होम की दो महिला कर्मचारियों को भी गिरफ्तार किया है। महिला की शिकायत के बाद हरिदेवपुर थाने की पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक चैरिटी होम की एक 23 वर्षीय महिला कर्मी शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपी पादरी का नाम अरुण जोसेफ राज है। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान लक्ष्मी और रजिया बताया गया है। पीड़ित महिला ने शिकायत में कहा है कि हरिदेवपुर थाने के आनंदपल्ली में स्थित चैरिटी होम में लंबे समय तक उसके साथ दुष्कर्म किया गया। उसने होम के प्रमुख व पादरी एवं उसके दो कर्मचारियों के खिलाफ थाने में दो अलग-अलग शिकायत दर्ज कराई है। इसके आधार पर पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी पिछले 22 साल से चैरिटी होम चला रहा है।

तेलंगाना और बंगाल की आबकारी नीति पर भी कस सकता है शिकंजा

सीबीआई तलाशेगी दिल्ली से कनेक्शन

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति जांच के दायरे में है। हालांकि, अब यह जांच अन्य राज्यों तक भी पहुंचने की आशंका है। जानकारी के मुताबिक, सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) के अधिकारियों को पश्चिम बंगाल व तेलंगाना सरकार की आबकारी नीति में भी गड़बड़ी मिली है। इन सभी राज्यों की नई नीति का फ्रांस की बड़ी कारोबारी कंपनी परनॉड रिकॉर्ड से कनेक्शन भी तलाशा जा रहा है।

अभी तक सामने आई जानकारी के मुताबिक, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल की आबकारी नीति दिल्ली व पंजाब से से मिलती-जुलती है। सीबीआई अधिकारियों को शुरुआती जांच में दोनों राज्यों में कुछ सबूत मिले थे। ऐसे में जल्द ही इन राज्यों में जांच शुरू होने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीबीआई की चार्जशीट में इस बात का जिक्र है कि मनोज राय फ्रांस की कंपनी परनॉड रिकॉर्ड के लिए काम कर रहा था। वह कंपनी के लिए फायदेमंद नीति तैयार करने के लिए सरकार की बैठकों में भी शामिल रहा। कहा जा रहा है कि दिल्ली, पंजाब, तेलंगाना व पश्चिम बंगाल की आबकारी नीति का सबसे बड़ी लाभार्थी रिकॉर्ड कंपनी ही रही है।

प्रियंका का इंतजार, सेल्फी सीतारमण के साथ

ऐसा रहा हिमाचल में प्रचार का आखिरी दिन

शिमला, 11 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए आक्रामक प्रचार अभियान के आखिरी दिन कांग्रेस की महिला कार्यकर्ताओं ने सद्भावना दिखाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बृहस्पतिवार को सेल्फी ली। सीतारमण राज्य की राजधानी में भाजपा के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने आई थीं। भाजपा 12 नवंबर को होने वाले चुनावों में सत्ता बरकरार रखने की कोशिश में जुटी है। कांग्रेस की महिला कार्यकर्ता पार्टी नेता प्रियंका गांधी वाड्रा का इंतजार कर रही थीं, तभी उन्होंने शिमला क्लब के पास मॉल रोड से गुजर रहे केंद्रीय वित्त मंत्री के काफिले को देखा। वाड्रा को दोपहर में माल रोड पर एक जनसंपर्क अभियान में हिस्सा लेना था। सीतारमण के साथ मौजूद भाजपा के मीडिया प्रभारी करण नंदा ने कहा, 'वित्त मंत्री ने जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अपनी ओर हाथ हिलाते देखा, तो उन्होंने अपना काफिला रोक दिया।

ब्रिटेन से लाएंगे शिवाजी महाराज की 'जगदंबा' तलवार

शिंदे सरकार बोली- सुनक ने जगाई उम्मीद

मुंबई, 11 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन में भारतवंशी ऋषि सुनक की प्रधानमंत्री पद के लिए ताजपोशी भारतीय राज्यों की कुछ सरकारों के लिए अच्छी खबर लेकर आई है। महाराष्ट्र सरकार को उम्मीद जगी है कि उनकी वर्षों पुरानी मांग अब पूरी हो सकती है। राज्य के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि राज्य सरकार छत्रपति शिवाजी महाराज की 'जगदंबा' तलवार को साल 2024 से पहले वापस लाने के लिए ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सुनक के साथ विचार-विमर्श करेगी। गुरुवार को महाराष्ट्र सरकार में मंत्री मुनगंटीवार ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, "जब ऋषि

सुनक यूके के पीएम बने वैसे ही हमने केंद्र सरकार के साथ पत्राचार शुरू किया। अंग्रेजों ने अपने लालच के कारण शिवाजी महाराज की तलवार यहां से ले ली थी, क्योंकि वह हीरों से लदी थी। लेकिन हमारे लिए यह अमूल्य और अत्यधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह छत्रपति शिवाजी महाराज की तलवार थी।"उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज की तलवार की वापसी से उनके विभाग द्वारा राजा शिवाजी के राज्याभिषेक के 350 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोहों को और बढ़ावा मिलेगा। तलवार के लन्दन की यात्रा का वर्णन करने वाली पुस्तक लिखने वाले इतिहासकार इंद्रजीत सावंत के अनुसार तलवार को वापस लाने की मांग बहुत पुरानी है और सबसे पहले लोकमान्य तिलक ने इसे उठाया था। इतिहासकार सावंत ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया, "मांग तब भी उठाई गई जब यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने और फिर जब एआर अंतुले सीएम थे। लेकिन, तलवार को भारत लाने में समस्या तब हुई जब तलवार को 'भवानी' तलवार कहा जाने लगा। इस नाम की तलवार सतारा में पहले से मौजूद है और तब अंग्रेजों ने बहाना बनाया कि इस नाम की तलवार तो पहले से भारत में मौजूद है। उसके बाद तलवार की मांग थम गई।" सावंत के अनुसार, प्रिंस ऑफ वेल्स को हथियार इकट्ठा करने का शौक था और उन्होंने इस तलवार सहित कुछ को शॉर्टलिस्ट किया था, जिसे उन्होंने तत्कालीन राजा को उपहार देने के लिए मजबूर किया। सावंत आगे कहते हैं कि इस तलवार को 1875-76 में शिवाजी चतुर्थ ने प्रिंस ऑफ वेल्स को उपहार स्वरूप दिया था। करवीर के छत्रपति के पास यह तलवार थी, जिसका इस्तेमाल शिवाजी महाराज ने किया था। हम ऐसा इसलिए कहते हैं क्योंकि उनके शस्त्रागार की सूची आज भी उपलब्ध है,

अवैध संबंध के शक में पत्नी को मार डाला

नोएडा, 11 नवंबर (एजेंसियां)। सिरफिरे ने अपनी पत्नी की सिर पर भारी वस्तु से वार कर निर्मम हत्या कर दी। बाद में गाजियाबाद एसएसपी कार्यालय पहुंचकर सरेंडर कर दिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसकी निशानदेही पर शव को ट्रॉनिका सिटी से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ट्रॉनिका सिटी थाने की खुशहाल पार्क कॉलोनी निवासी सद्दाम पुत्र सत्तार गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे गाजियाबाद एसएसपी कार्यालय पहुंचा, वहां शिकायत प्रकोष्ठ में सूचना दी कि उसने अपनी 28 वर्षीय पत्नी रुकसाना की बुधवार रात सिर कुचलकर हत्या कर दी है ।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में एनकाउंटर

जैश का एक आतंकवादी ढेर, दूसरे की तलाश जारी

शोपियां, 11 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सुरक्षाबलों की आतंकियों के साथ मुठभेड़ शुरू हो गई है। सुरक्षाबलों ने इलाके में दो आतंकियों को घेर लिया है। सुरक्षाबलों को शोपियां में कुछ आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली थी, जिसके बाद इलाके को घेर लिया गया। जवानों के पहुंचते ही आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इस मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद का एक आतंकवादी भी मारा गया है। दोनों तरफ से रुक रुक कर फायरिंग हो रही है। पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन भी चलाया जा रहा है।

कुलगाम-शोपियां में एक्टिव था आतंकी कामरान

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई एक मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद का एक आतंकवादी ढेर हो गया।

पुलिस ने बताया कि आतंकवादी की पहचान कमरान भाई उर्फ हनीस के तौर पर हुई है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शोपियां जिले के कापरेन इलाके में शुक्रवार तड़के सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस के पास एक और आतंकी के छिपे होने का इनपुट है। पूरे इलाके को खाली करा लिया गया है और सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी है। कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विजय कुमार ने ट्वीट किया, ''मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादी की पहचान जैश के कमरान भाई उर्फ हनीस के तौर पर हुई है, जो कुलगाम और शोपियां इलाके में काफी एक्टिव था। तलाशी अभियान अभी जारी है।''

पुलवामा-अनंतनाग में 4 आतंकवादी ढेर, 3 गिरफ्तार

बता दें कि पिछले हफ्ते ही जम्मू कश्मीर के पुलवामा और अनंतनाग जिलों में दो अलग-अलग मुठभेड़ में 4 आतंकवादी मारे गए थे। पुलिस ने जानकारी दी थी कि पुलवामा के खांडीपोरा में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में जहां तीन आतंकवादी मारे गए, वहीं अनंतनाग के सेमथान में एक आतंकी को ढेर किया गया था। पुलिस ने कहा कि इसके अलावा लश्कर-ए-तैयबा के तीन कथित "हाइब्रिड" आतंकवादियों को श्रीनगर और बडगाम जिलों में आतंकवाद रोधी अभियान के दौरान गिरफ्तार भी किया गया था।

2023 चुनाव के लिए बीजेपी सांसद की पार्टी को सलाह

गुजरात मॉडल अपनाएं, युवाओं को दें मौका

बेंगलुरु, 11 नवंबर (एजेंसियां)। 2023 में होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य के राज्यसभा सांसद लहर सिंह सिरोया ने भाजपा को सलाह देते हुए गुजरात की तरह दिग्गजों के मुकाबले युवाओं को आगे लाने की बात कही है। गुजरात विधानसभा चुनावों के लिए 160 नामों की अपनी पहली सूची का अनावरण करते हुए राज्य भाजपा अध्यक्ष सी आर पाटिल ने इसे "पीढ़ी का बदलाव" कहा था। सांसद लहर सिंह सिरोया ने कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को पार्टी के हित में 2023 के चुनावों में युवाओं के लिए रास्ता बनाना चाहिए। सोशल मीडिया पर लिखते हुए भाजपा सांसद ने कर्नाटक में पार्टी के नेताओं से गुजरात के उदाहरण का पालन करने के लिए कहा जहां पूर्व सीएम विजय रूपाणी और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव नहीं लड़ने का विकल्प चुना है। उन्होने ट्वीट कर कहा कि गुजरात में जो हुआ है वह कर्नाटक में भी एक मॉडल के रूप में काम करना चाहिए। गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी, पूर्व डिप्टी सीएम नितिन भाई पटेल साथ ही पूर्व मंत्रियों ने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। उन्होने आगे लिखा कि यह एक सहज पीढ़ीगत परिवर्तन की अनुमति देकर लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए एक सराहनीय कदम है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव अब से कुछ महीनों में होंगे।

2022 में रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंचा वैश्विक सीO2 उत्सर्जन

2022 में 40.6 जीटीसीO2 कुल उत्सर्जन 2019 में अब तक के उच्चतम वार्षिक कुल 40.9 जीटीसीO2 के करीब है।

खतरनाक दुष्प्रभाव की चपेट में दुनिया

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। मिश्र में चल रहे संयुक्त राष्ट्र जलवायु शिखर सम्मेलन में एक रिपोर्ट का खुलासा हुआ है जो कि दुनिया के लोगों के लिए चिंताजनक है। दरअसल, इस रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2022 में वायुमंडल में 4060 करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड(सीO2) का उत्सर्जन हुआ है जो कि आने वाले समय के लिए खतरनाक संकेत दे रहा है। जिस पैमाने पर सीO2 का उत्सर्जन हो रहा है उससे यह लग रहा है कि तापमान वृद्धि पर काबू पाना मुश्किल होगा। रिपोर्ट में बताया गया है कि

पेरिस समझौते के लक्ष्य को लग सकता है बड़ा झटका

ग्लोबल कार्बन बजट 2022 रिपोर्ट के अनुसार यदि मौजूदा उत्सर्जन स्तर बना रहता है, तो 50 प्रतिशत संभावना है कि 1.5 डिग्री सेल्सियस की वार्मिंग नौ वर्षों में पार हो जाएगी। बता दें कि वर्ष 2015 में पेरिस जलवायु सम्मेलन में देशों ने पूर्व औद्योगिक काल के स्तर की तुलना में वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी वादे किए थे।

खतरनाक दुष्प्रभाव की चपेट में दुनिया

पूर्व-औद्योगिक (1850 1900) स्तरों में औसत की तुलना में पृथ्वी की वैश्विक सतह के तापमान में लगभग 1.1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है

और इस वार्मिंग को दुनिया भर में रिकॉर्ड सूखे, जंगल की आग और बाढ़ का कारण माना जाता है। 2021 में, दुनिया के आधे से अधिक सीO2 उत्सर्जन तीन स्थानों - चीन (31 प्रतिशत), अमेरिका (14 प्रतिशत) और यूरोपीय संघ (8 प्रतिशत) से हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक सीO2 उत्सर्जन में भारत का योगदान 7 प्रतिशत है। चीन (0.9 प्रतिशत) और यूरोपीय संघ (0.8 प्रतिशत) में अनुमानित उत्सर्जन में कमी आई है,

लेकिन अमेरिका (1.5 प्रतिशत), भारत (6 प्रतिशत) और शेष विश्व (1.7 प्रतिशत) में वृद्धि हुई है। भारत में, 2022 में उत्सर्जन में छह प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो मुख्य रूप से कोयले के उत्सर्जन में पांच प्रतिशत की वृद्धि से प्रेरित है।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आंध्र प्रदेश को ₹10,700 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात

श्री नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

के कर–कमलों द्वारा

7 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

शिलान्यास की जाने वाली परियोजनाएं

श्रीकाकुलम–अंगुल प्राकृतिक गैस पाइपलाइन (745 किमी) (₹2658 करोड़)

राष्ट्रीय राजमार्ग–130CD के रायपुर–विशाखापत्तनम आर्थिक गलियारा का ग्रीनफील्ड में 6 लेनीकरण (₹3778 करोड़)

राष्ट्रीय राजमार्ग–516C के कॉन्चेंट जंक्शन से शीला नगर जंक्शन तक का 6 लेनीकरण एवं विशाखापत्तनम बंदरगाह कनेक्टिविटी के लिए अतिरिक्त 4 लेन समर्पित पोर्ट रोड (₹566 करोड़)

विशाखापत्तनम मत्स्य हार्बर का आधुनिकीकरण एवं उन्नयन (₹152 करोड़)

विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास (₹460 करोड़)

राष्ट्र को लोकार्पित की जाने वाली परियोजनाएं

ओएनजीसी–यू–फील्ड अभितट फैसिलिटीज़, कृष्णा गोदावरी डीप वाटर ब्लॉक (₹2917 करोड़)

राष्ट्रीय राजमार्ग–326A के नरसन्नपेटा से पाथापटनम खंड तक का 2 लेन पेव्ड शोल्डर सहित पुनर्वास और उन्नयन (श्रीकाकुलम–गजपति कॉरिडोर) (₹211 करोड़)

परियोजनाओं के लाभ

- पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से आंध्र प्रदेश और ओड़िशा स्वच्छ गैस की आपूर्ति में आत्मनिर्भर बनेगें और हरित ऊर्जा की अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर सकेंगे
- राजमार्गों के विकास से सुगम यातायात सहित क्षेत्र की सामाजिक एवं आर्थिक प्रगति को बढ़ावा
- मत्स्य हार्बर के आधुनिकीकरण एवं उन्नयन से मछली पालकों और व्यवसायियों का आर्थिक समृद्धिकरण
- गहरे जल ब्लॉक में गैस की खोज के मुद्रीकरण से ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा
- मजबूत सड़क नेटवर्क से स्थानीय उत्पादों के और अधिक व्यापार एवं स्थानीय युवाओं के लिए रोज़गार के नये अवसरों का सृजन होगा
- विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास से यात्रियों के लिए विश्व स्तरीय सुविधाएँ

गरिमामयी उपस्थिति

श्री बिस्व भूषण हरिचंदन
राज्यपाल, आंध्र प्रदेश

श्री वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी
मुख्यमंत्री, आंध्र प्रदेश

श्री अश्विनी वैष्णव
केन्द्रीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

श्री एम.वी.वी. सत्यनारायण
सांसद (लोकसभा), विशाखापत्तनम

श्री जी. वी. एल. नरसिम्हा राव
सांसद (राज्य सभा)

श्री सी. एम. रमेश
सांसद (राज्य सभा)

श्री वाकाती नारायण रेड्डी
सदस्य, विधान परिषद

श्री पी. वी. एन. माधव
सदस्य, विधान परिषद

(डीडी न्यूज पर सीधा प्रसारण देखें)

शनिवार, 12 नवंबर, 2022, प्रातः 10:15 बजे
विश्वविद्यालय मैदान, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश

तेलंगाना के लिए आधुनिक बुनियादी ढांचा भारत सरकार की प्रतिबद्धता

"हमारी सरकार बेहतर गतिशीलता, कनेक्टिविटी, उत्पादकता, स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे के निर्माण में कोई कसर नहीं छोड़ रही है"

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

3 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास लगभग 2,300 करोड़ रुपये के निवेश के साथ

'मेदक–सिद्दीपेट–एलकातुर्ती' खंड का चौड़ीकरण

(एनएच-765डीजी । लंबाई : 134 किमी। लागतः 1461 करोड़ रुपये)

'बोधन–बासर–भैंसा' खंड का चौड़ीकरण

(एनएच-161बीबी । लंबाईः 56 किमी । लागतः 644 करोड़ रुपये)

'सिरोंचा से महादेवपुर' खंड का चौड़ीकरण

(एनएच-353 सी । लंबाईः 17 किमी । लागतः 163 करोड़ रुपये)

* 2014 के बाद से, तेलंगाना में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई दोगुनी हो गई है
* तेलंगाना के लिए वर्तमान पहल 21वीं सदी के बुनियादी ढांचे के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाती है
* तेलंगाना के विकास के लिए 6500 करोड़ रुपये की लागत से इक्नोमिक कॉरिडोर का निर्माण
* हैदराबाद के लिए कनेक्टिविटी के लिए 350 किमी लंबा सर्कल रीजनल रिंग रोड
* 3821 करोड़ रुपये की लागत से हैदराबाद शहर में फ्लाईओवर और एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण।
* भारत सरकार के प्रयासों से तेलंगाना के लिए आधुनिक सड़क संपर्क की दिशा में 207 किमी लंबी एनएच परियोजनाएं
* तेलंगाना के कृषि, कपड़ा और दूध उत्पादक क्षेत्रों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 3 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं
* हैदराबाद-वारंगल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और काकतीया मेगा टेक्सटाइल पार्क को जोड़ने के लिए परियोजनाएं, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होगा
* तेलंगाना और महाराष्ट्र के बीच अंतरराज्यीय संपर्क को मजबूत करने का अवसर
* कोयला खदानों और थर्मल पावर प्लांट क्षेत्रों तक पहुंच होगी आसान
* प्रसिद्ध जनजातीय क्षेत्र तीर्थयात्रा सम्माक्का-सारक्का मेडारम में मजबूत सड़क संपर्क पाने के लिए : बसरा में सरस्वती मंदिर तक पहुंचने के लिए सुविधाजनक

द्वारा

श्री नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

विशेष उपस्थिति में

डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन
राज्यपाल, तेलंगाना

श्री के. चंद्रशेखर राव
मुख्यमंत्री, तेलंगाना

श्री जी. किशन रेड्डी
केंद्रीय मंत्री, संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र विभाग

श्री वेंकटेश नेथा बोरलाकुंटा
सांसद

श्री संजय कुमार बंडी
सांसद

श्री कोरुकंटी चंदर
विधायक

12 नवंबर, 2022 (शनिवार) को 14.30 बजे
एनटीपीसी, रामागुंडम, तेलंगाना

डीडी न्यूज पर लाइव में शामिल हों

आज़ादी का अमृत महोत्सव

PM GatiShakti
National Master Plan for Multi-Modal Connectivity

तेलंगाना में रेल विकास की नई सुबह का स्वागत

भद्राचलम रोड़ - सत्तुपल्ली के बीच नई रेल लाइन

राष्ट्र को समर्पण

श्री नरेन्द्र मोदी

प्रधान मंत्री
द्वारा

रामगुंडम पर शनिवार, 12 नवंबर 2022 को 14.30 बजे

परियोजना के लाभ

- ऐसे नए क्षेत्र जो रेलवे से नहीं जुड़े हैं, को पहली बार रेलवे मानचित्र पर लाया गया
- भद्राद्री कोत्तगूडेम और खम्मम जिलों के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा
- कोयले की सुरक्षित, तेज और किफायती परिवहन की सुविधा होगी
- इससे सड़क माध्यम से कोयले के परिवहन से होने वाली प्रदूषण की समस्या और असुरक्षित स्थितियों को कम करने में मदद मिलेगी
- इससे इस क्षेत्र में पर्यावरण हितैषी परिवहन के साधन को बढ़ावा मिलेगा
- इससे कोयले की खदानों से तेलंगाना और पूरे देश के थर्मल पॉवर प्लांटों को कोयले की आपूर्ति तेजी से की जा सकेगी

भारत सरकार तेलंगाना राज्य के विकास की दिशा में निरंतर प्रयासरत है

पूरे किए गए कार्य

- रेल बजट मे वर्ष 2014 के दौरान ₹258 करोड़ आबंटित किए गए थे इसमें लगभग 12 गुने वृद्धि करते हुए ₹3,048 करोड़ किया गया
- 2006-14 के दौरान रेल ट्रैक को लगबग 4 गुना से अधिक बढाकर 2014-22 में 519 किलोमीटर और जोडा गया
- 2006-14 के दौरान 366 किमी के रेल विद्युतीकरण 3 गुने से अधिक बढाते हुए 2014-22 में 1,232 किमी और जोडा गया
- 514 किमी से अधिक मार्ग पर अधिकतम गति को बढ़ा कर 130 किमी प्रति घंटा किया गया
- 617 किमी ट्रैक और 63 स्टेशनों को कवच प्रणाली से सुरक्षित किया गया
- सभी चौकीदार रहित फाटकों को हटाया गया और 255 ऊपरी सड़क पुल / निचले सडक पुल बनाए गए
- मेदक की बहु आकांक्षित रेल कनेक्टिविटी पूरी की गई

आगामी कार्य

- ₹ 7,000 करोड़ की कुल लागत वाली 6 प्रमुख अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं का कार्य कार्यान्वियन के चरणों में है
- 15 प्रमुख परियोजनाओं का अंतिम सर्वेक्षण आगामी चरण पर है
- तेलंगाना के रेल नेटवर्क का 100% विद्युतीकरण
- शहरी क्षेत्र में सिकंदराबाद और चर्लपल्ली स्टेशनों का विकास
- आदिलाबाद, चर्लपल्ली और काजीपेट में अतिरिक्त कोच अनुरक्षण सुविधाएं
- 400 रूट कि.मी. मार्ग पर स्वाचालित सिगनल व्यवस्था
- मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी के लिए 15 गतिशक्ति टर्मिनलों का विकास

गरिमामयी उपस्थिति

डॉ. तमिलिसै सौंदरराजन
राज्यपाल, तेलंगाना

श्री के. चंद्रशेखर राव
मुख्यमंत्री, तेलंगाना

श्री जी. किशन रेड्डी
केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री

श्री वेंकटेश नेता बोर्लाकुंटा
संसद सदस्य

श्री संजय कुमार बंडी
संसद सदस्य

डॉ. कोरुकंटी चंदर
विधान सभा सदस्य

A1329 PUB0995

DD न्युस पर लाइव प्रोग्राम देखें DD NEWS

भारतीय रेल
www.indianrailways.gov.in
Follow us on /Railminindia

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 12 नवंबर, 2022

अधिकार के लिए टकराव

दक्षिण के जिन तीन प्रदेशों में विपक्ष की सरकारें हैं वहां इन दिनों राज्यपाल और सरकार के बीच टकराव की स्थिति आए दिन बनी रहती है। इस जंग में जहां राज्यपाल अपने अधिकार का उपयोग करना चाहते हैं, तो वहीं राज्य सरकारें अपने निर्वाचित होने की दुहाई दे रही हैं। इसी टकराव के चलते जब केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कुछ दिनों पहले दस विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से इस्तीफा मांग लिया तो गुरुवार को केरल विधानसभा ने अध्यादेश पारित कर उन्हें कुलाधिपति के पद से ही हटा दिया। इसे लेकर राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच ठन गई है।हालांकि इस अध्यादेश पर भी राज्यपाल की मंजूरी आवश्यक है, लेकिन अधिकारों की जंग को लेकर दोनों तरफ से तलवारें खिंच गई हैं। इसके अलावा कुछ दिनों पहले राज्यपाल ने केरल सरकार के एक मंत्री को हटाने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा, जो राज्य सरकार को नागवार गुजरा और उसे लेकर भी दोनों के अधिकार क्षेत्र पर बहस शुरू हो गई। इसी तरह तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रपति को पत्र लिख कर वहां के राज्यपाल को हटाने की मांग की है। उसका आरोप है कि राज्यपाल उसके कामकाज में अनावश्यक दखल दे रहे हैं। इसी तरह तेलंगाना की राज्यपाल का आरोप है कि राज्य सरकार उनका फोन 'टैप' करा रही है। देखा जाए तो राज्यपाल या उपराज्यपाल और चुनी हुई सरकारों के बीच तनातनी के ये मामले नए नहीं हैं। पश्चिम बंगाल में भी कुछ दिनों पहले तक राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच इसी तरह लगातार टकराव बना रहा। राज्यपाल सरकार के कामकाज और फैसलों पर अंगुली उठाते रहे, तो सरकार उन्हें चुनौती देते हुए भिडती रही। दिल्ली में उपराज्यपाल और केजरवाल सरकार के बीच तनातनी का दौर लंबे समय से चल ही रहा है। यहां आप सरकार का लगभग सभी उपराज्यपालों से तकरार बनी रही। यहां तक कि दोनों के बीच अधिकारों की लड़ाई उच्च न्यायालय तक भी पहुंची थी। झारखंड और राजस्थान में भी अलग-अलग मौकों पर कुछ मसलों पर इस तरह के टकराव देखे जाते रहे हैं। इससे विपक्षी दलों को आरोप लगाने का मौका मिलता है कि विपक्षी सरकारों के काम में राज्यपाल जबरन अडंगेबाजी करते रहते हैं। जबकि भाजपा सरकारों वाले प्रदेशों में दोनों के बीच अच्छा तालमेल रहता है। ऐसे में विपक्षी राज्यपाल पद की गरिमा और मर्यादा को लेकर भी सवाल उठते रहते हैं। माना कि राज्य सरकारें निर्वाचित होती हैं, उन्हें जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए काम करने का अधिक अधिकार होता है और राज्यपाल को उनके कामकाज को सुगम बनाने के लिए बेहतर स्थितियां बनाने का दायित्व निभाना होता है। लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं है कि सरकारें राज्यपाल को केंद्र का 'आदमी' मान कर उनके कामकाज की अवहेलना करें। इसके साथ ही राज्यपाल से भी अपेक्षा की जाती है कि वे अपने को केंद्र के सत्तारूढ़ दल का प्रतिनिधि मान कर उसकी विचारधारा के अनुरूप राज्य सरकार से काम करवाने का प्रयास करने के बजाय अपनी गरिमा के अनुरूप काम करें। देखा जाए तो केंद्र सरकार द्वारा राज्यपालों को अपने नुमाइंदे के तौर पर नियुक्त करने की पुरानी परंपरा रही है, लेकिन राज्य सरकारों के साथ इन टकरावों को देखते हुए एक बार फिर से राज्यपाल की नियुक्ति पर नए सिरे से विचार की जरूरत है। सवाल उठता है कि किसी पार्टी में सक्रिय राजनीति कर चुके लोगों को इस गरिमामयी पद पर नवाजा ही क्यों जाए, जिससे आए दिन अप्रिय स्थिति उत्पन्न होती हो।

स्त्री जाति का सम्मान

संजीव ठाकुर

भारत में ही नहीं पूरे विश्व में स्त्रियां उनके नैसर्गिक सम्मान की हकदार हैं। स्त्रियों का यथोचित सम्मान ही किसी भी समाज और राष्ट्र के विकास की धुरी हैं । पुरानी मान्यताओं को देखते हुए परिवार समाज तथा देश में स्त्रियों को अग्रणी स्थान देना तय किया जाना चाहिए । भारत देश में नारी पूज्यंते हैं, नारी को नौ देवियों का स्वरूप माना जाता है । शास्त्रों में देवी के नौ स्वरूप शैलपुत्री,ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, महागौरी,कालरात्रि, सिद्धिदात्री, देवियों के नौ रूप जो आततायियों, राक्षसों से नारियों तथा देवताओं की रक्षा करती हैं। पर भारत में ही नहीं पूरे विश्व में मुख्यतः व्याप्त पुरुष प्रधान समाज ने एक ऐसी सामाजिक संरचना का निर्माण किया है, जिसमें प्रत्येक निर्णय लेने संबंधित अधिकार पुरुषों के पास ही सीमित रहे हैं। आदिम समाज से लेकर आधुनिक समाज तक विश्व की आधी दुनिया के प्रति भेदभाव पूर्ण दृष्टिकोण रखा गया है। जिसने कभी भी स्त्री को व्यक्ति के रूप में स्वीकार नहीं किया है। भारतीय समाज में भी प्राचीन नीतिकारों ने स्त्रियों को पिता, भाई, पति या पुत्र के संरक्षण में ही सामाजिक जीवन जीने की शास्वत वकालत की है. हमारे धर्म धर्मशास्त्रों में भी "प्राप्ते तू दशम वर्षे,यस्तु कन्या न यछ्सी",अर्थात कन्या को 10 वर्ष तक पहुंचते-पहुंचते उसका विवाह कर दिया जाना चाहिए।इस तरह की कुंठित भावनाओं से ग्रसित पुरुष समाज की मानसिकता वाली शिक्षा हर तरफ देखने मिलती है। यह सच है कि पुरुष प्रधान मानसिकता ने स्त्रियों को स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में स्वीकार ही नहीं किया था। बल्कि तथाकथित लोकतांत्रिक एवं आधुनिक मूल्यों वाले पश्चिमी समाज ने महिलाओं को 1920 तक व्यक्ति के रूप में स्वीकार नहीं किया था। पश्चिम के देशों में व्यक्ति मतलब उनका तात्पर्य पुरुष और पुरुष समाज से ही था। इंग्लैंड में व्यक्ति को वोट देने का अधिकार था। लेकिन महिलाएं 1918 तक वोट देने के अधिकार से वंचित थी। अमेरिका में 1920 तक महिलाएं वोट देने का अधिकार के बिना ही जीवन यापन कर रही थी। विश्व में पहली बार भारत में व्यक्ति के अंतर्गत महिला को शामिल किया गया था इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कोरनेलिया सोराबजी नामक महिला के वकालत करने संबंधी आवेदन को एक व्यक्ति के रूप में स्वीकार किया। इस तरह 1920 में महिला व्यक्ति के रूप में भारत में उच्च न्यायालय द्वारा आदेश देकर स्वीकारोक्ति प्रदान की गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 1929 के आसपास ही महिला को व्यक्ति के रूप में स्वीकार किया गया। भारत में सदैव नारी को अबला का दर्जा दिया जा कर एक अवैतनिक श्रमिक अथवा भोग की वस्तु के रूप में देखा है। जहां समाज की आधी आबादी को व्यक्ति का दर्जा ही प्राप्त नहीं हो, वहां उसके साथ समानता के व्यवहार की अपेक्षा कैसे की जा सकती है।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन ने नारी को पुरुष से ज्यादा सामर्थ्यवान मानते हुए उसे नर् की सहचरी कहा है। प्रसिद्ध लेखिका तस्लीमा नसरीन ने अपने एक लेख में कहा है वास्तव में स्त्रियां जन्म से अबला नहीं होती हैं। उन्हें पुरुष समाज अबला बनाकर रखता है। जन्म से शिशु बालिका की जीवन शक्ति शिशु बालक की तुलना में बहुत प्रबल होती है। लेकिन समाज अपनी संस्कृति, रीति रिवाज,प्रतिमान तथा जीवन के मूल्यों के लिए तथा जीवन शैली के चलते नारी को अबला बना कर रख देता है।

पाकिस्तान : इमरान खान को समझना मुश्किल

यही उस अकेली गोली की नियति थी। वह एक गोली पाकिस्तान की नियति बदल सकती थी। लेकिन किस्मत से बड़ा क्या है? यह पूर्व प्रधानमंत्री और तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के प्रमुख की किस्मत थी, कि वह गोली चूक गई, और उनके दाहिने पैर के निचले हिस्से में लगी। यदि वह गोली उनके सिर या फेफड़े में लगी होती, तो आज बदला हुआ पाकिस्तान हमारे सामने होता। उर्दू में एक कहावत है, अगर अल्लाह किसी को बचाना चाहता है, तो उसे मारने की हिम्मत कौन करेगा? सत्तर साल के इमरान खान अपने समर्थकों की मदद से एक पैर पर चल कर कंटेनर से एक कार तक पहुंचे और फिर उन्हें उनके ही बनवाए शौकत खानम कैंसर अस्पताल ले जाया गया, जो हमले की जगह से कुछ घंटे की दूरी पर था और उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया।

सत्तर साल के इमरान खान जबर्दस्त तरीके से तंदुरुस्त हैं, रोज जिम जाते हैं, टहलते हैं, जॉगिंग करते हैं और स्वस्थ भोजन करते हैं। अच्छे स्वास्थ्य के कारण ही वह तेजी से ठीक हो रहे हैं। कुछ दिनों बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई और अब वह लाहौर के जमना पार्क स्थित अपने घर में हैं। पूरे दिन आराम करने के बजाय वह अपने नए पुनर्निर्मित पारिवारिक घर में आने वाले आगंतुकों के साथ बैठक करते हैं। वह लगातार अस्पताल वाली नीले रंग की कमीज पहने रहते हैं, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर हो रही है। लोग मजाक में कह रहे हैं कि वह अस्पताल का बिल चुकाए बिना भाग आए और यहां तक कि अस्पताल की वर्दी भी ले आए! लेकिन इसके विपरीत, इमरान खान के एक बार यह कहने के बाद कि प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और आईएसआई के एक जनरल की नामजदगी वाली उनकी प्राथमिकी दर्ज नहीं की जा रही है, पूरे मुल्क में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया और इस्लामाबाद जाने वाली सभी सड़कें बंद हो गईं। इस्लामाबाद पंजाब और खैबर पख्तुनख्वा, दोनों प्रांतों से जुड़ा है, जहां तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी का शासन है। लेकिन इमरान खान बेनजीर भुट्टो नहीं हैं, जिनकी हत्या के बाद पूरा पाकिस्तान जलने लगा था। बड़े शहरों में छोटे-छोटे विरोध प्रदर्शन हुए और अब भी हो रहे हैं, लेकिन कुछ जगहों पर मात्र पंद्रह प्रदर्शनकारी हैं।

इसने इमरान खान को बहुत नाराज कर दिया है और उन्होंने घोषणा की है कि दस दिनों में वह पाकिस्तान के सैन्य मुख्यालय वाले शहर रावलपिंडी पहुंचेंगे, जहां शीर्ष सैन्य अधिकारी रहते हैं और इस्लामाबाद तक अपने मार्च का नेतृत्व करेंगे। लेकिन इमरान खान के इस लंबे मार्च और आंदोलन की असली वजह क्या है? इसका जवाब बिल्कुल स्पष्ट है। वर्तमान सेना प्रमुख जनरल बाजवा ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि उनका पहला सेवा विस्तार खत्म होने वाला है और वह 28 नवंबर को चले जाएंगे तथा पद पर बने रहने में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है।

इस बीच ऐसी खबरें भी आई थीं कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मौजूदा सरकार जनरल बाजवा को एक और सेवा विस्तार देना चाहती है। लेकिन मुझे लगता है कि यह संभव नहीं होगा, क्योंकि इमरान खान द्वारा उन्हें विवादास्पद बनाए जाने के बाद सैन्य मुख्यालय और शीर्ष सैन्य अधिकारी जनरल बाजवा के पद पर बने रहने का समर्थन करने के मूड में नहीं हैं। इमरान खान ऐसे दुर्लभ राजनेता हैं, जो हर रोज अपना बयान बदलते रहते हैं, इसलिए उन्हें समझना मुश्किल है। उन्होंने इतिहास से कुछ भी नहीं सीखा है और वह सोचते हैं कि अगर नए सैन्य प्रमुख की नियुक्ति में उनका दखल रहता है, तो इससे उन्हें फायदा होगा।

इतना स्पष्ट है कि वह सबसे वरिष्ठ जनरल के खिलाफ हैं, जिन्हें परंपरा के अनुसार नया प्रमुख होना चाहिए और जो कि जनरल असीम मुनीर हैं। इसके पीछे मुख्य कारण यह है कि जब इमरान खान प्रधानमंत्री बने थे, उस समय जनरल असीम मुनीर आईएसआई के महानिदेशक थे। उन दोनों के बीच कहा-सुनी हो गई थी, जिसके बाद इमरान खान ने उन्हें हटाकर जनरल फैज हमीद को अपना डीजी आईएसआई बना लिया। अफवाहों के मुताबिक, जनरल असीम मुनीर ने इमरान खान के सामने भ्रष्टाचार के कुछ सबूत पेश किए थे, जो प्रधानमंत्री की नाक के नीचे चल रहे थे।

इमरान खान और जनरल बाजवा के बीच पहला बड़ा मतभेद तब पैदा हुआ, जब कुछ वर्षों बाद सैन्य मुख्यालय ने जनरल फैज हमीद को एक कोर मुख्यालय की कमान सौंपना चाहा, जो सेनाध्यक्ष के रूप में प्रोन्नत होने के लिए एक आवश्यक आवश्यकता है। इमरान खान ने इस पोस्टिंग का विरोध किया था।

पाकिस्तानी राजनेताओं ने इतिहास से यह सबक नहीं सीखा कि भले ही आपके पास सेना प्रमुख नियुक्त करने की शक्ति हो, लेकिन वरिष्ठतम जनरल हमेशा अपने और अपनी संस्था के प्रति ईमानदार रहेगा, न कि प्रधानमंत्री और सरकार के प्रति। केवल ताजा इतिहास ही दर्शाता है कि मैं कितनी सही हूं।

जुल्फीकार अली भुट्टो ने कई वरिष्ठ जनरलों को दरकिनार करके जनरल जिया उल हक को सैन्य प्रमुख बनाया था। लेकिन जब समय आया, तो जनरल जिया ने भुट्टो जैसे लोकप्रिय नेता को भी बर्दाश्त नहीं किया और धोखाधड़ी करके लोकप्रिय एवं लोकतांत्रिक ढंग से चुने गए प्रधानमंत्री को फांसी पर लटका दिया। उसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने जनरल परवेज मुशर्रफ और जनरल बाजवा को चुना, जो नए सैन्य प्रमुख बनने की कतार में खड़े कई जनरलों से जूनियर थे। परवेज मुशर्रफ ने तख्तापलट करके नवाज शरीफ को जेल में डाल दिया, जबकि जनरल बाजवा ने नवाज शरीफ को फिर से बर्खास्त करने के लिए अदालतों का इस्तेमाल किया और उन्हें लंदन निर्वासन में जाना पड़ा। अब इमरान खान ने अचानक अपना विचार बदल लिया है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपने भाई और पाकिस्तान मुस्लिम लीग के प्रमुख नवाज शरीफ को देखने के लिए लंदन गए थे। इमरान खान अचानक कहते हैं कि उन्हें कोई दिक्कत नहीं है, अगर शहबाज शरीफ नया सेना प्रमुख चुनते हैं। सवाल है कि क्या नए सेना प्रमुख के नाम में कोई बदलाव हुआ है। क्या प्रधानमंत्री ने फैसला कर लिया है कि जनरल असीम मुनीर नए सेना प्रमुख नहीं होंगे? इसका जवाब मिलने में बस कुछ ही दिन बचे हैं, फिर हमें पता चल जाएगा कि पाकिस्तान का नया सेना प्रमुख कौन बनेगा।

भारत के पास ग्लोबल अजेंडा तय करने का मौका

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को इसी साल दिसंबर से शुरू हो रही जी20 की भारत की अध्यक्षता के लोगो, थीम और वेबसाइट का अनावरण किया। लोगो में कमल फूल को जगह दी गई है, जिसके बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह 'मौजूदा दौर में उम्मीद की नुमाइंदगी करता है। परिस्थितियां चाहे कितनी भी प्रतिकूल हों, कमल जरूर खिलेगा।' सचमुच भारत ऐसे समय में जी20 की अध्यक्षता संभाल रहा है, जब विश्व व्यवस्था का वर्णन करने के लिए 'प्रतिकूल' शब्द एकदम सटीक जान पड़ता है। प्रधानमंत्री ने भी कहा, 'भारत को जी20 की अध्यक्षता ऐसे समय मिल रही है, जब दुनिया में संकट और अव्यवस्था के हालात हैं।'

जी20 अध्यक्षता के अपने कार्यकाल- 1 दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2023 तक- के दौरान भारत करीब 200 बैठकें करने वाला है जो पिछले 75 वर्षों की देश की विकास यात्रा को रेखांकित करने वाले 32 अलग-अलग स्थानों पर होंगी। भारत इसके जरिये एक 'लीडिंग पावर' की भूमिका निभाने को तैयार है। भारत की क्षमताओं को रेखांकित करने के लिहाज से देखा जाए तो इस अध्यक्षता का इससे बेहतर समय कोई और नहीं हो सकता था।

आज दुनिया के सामने चुनौतियों का अंबार लगा हुआ है। कोविड-19 महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, अमेरिका-चीन विवाद और बहुपक्षीय व्यवस्था का कमजोर पड़ना, ये ऐसी चुनौतियां हैं, जो दुनिया को अभूतपूर्व ढंग से नुकसान पहुंचा रही हैं। पिछले तीन दशकों से मार्गदर्शन करती आ रहीं कई सारी मान्यताएं आज मुंह के बल गिरी पड़ी हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि शीत युद्ध के बाद की दुनिया को सचमुच समाप्त माना जा सकता है। बदलते शक्ति संतुलन, टेक्नॉलजी के बढ़ते दखल और बहुपक्षीय संस्थाओं के कमजोर पड़ने से दुनिया बदल रही है। इन बदलावों को कोविड-19 महामारी और यूक्रेन युद्ध ने काफी तेज कर दिया है, जिससे वैश्विक महंगाई, खाद्य, ऊर्जा संकट और व्यापक आर्थिक सुस्ती जैसे ट्रेंड दिख रहे हैं। मुश्किल आर्थिक हालात में कई देश नागरिकों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में खजाना खाली कर रहे हैं और सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स हमारी पहुंच से और दूर होते जा रहे हैं। इधर, क्लाइमेट चेंज की वजह से पृथ्वी का अस्तित्व ही खतरे में दिख रहा है। इन हालात में जी20 शायद एकमात्र ऐसा मंच है जिसकी कुछ विश्वसनीयता बची हुई है। इसके सदस्य राष्ट्रों में दुनिया की 67 फीसदी आबादी रहती है। ये देश ग्लोबल जीडीपी में कम से कम 85 फीसदी और ग्लोबल ट्रेड में 75 फीसदी योगदान देते हैं।जाहिर है, यह मंच प्रभावी बहुपक्षीयता में हमारा विश्वास बहाल कर सकता है। इस बड़ी जिम्मेदारी को निभाने के लिए जिस तरह के नेतृत्व की

जरूरत है, वह आज की तारीख में सिर्फ भारत ही मुहैया करा सकता है। जी20 इस मायने में अनूठा है कि यह ग्लोबल गवर्नेंस से जुड़ी चुनौतियों का हल तलाशने के लिए विकसित और विकासशील देशों को एक साथ लाता है। भारत अहम ग्लोबल मसलों पर दोनों के बीच की खाई को पाटकर सर्वसम्मति तैयार कर सकता है। भारत ऐसे समय में विकासशील और गरीब देशों की आकांक्षाओं को स्वर दे रहा है, जब विकसित देश घरेलू मसलों में फंसे होने के कारण इस तरफ ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। दुनिया में आज जो उथलपुथल चल रही है, उससे सबसे अधिक प्रभावित विकासशील और गरीब देश हो रहे हैं। कम ही देश उनकी चुनौतियों पर गंभीरता से गौर करने को तैयार हैं।

भारत ने हाल के वर्षों में संयुक्त राष्ट्र, सुरक्षा परिषद, विश्व व्यापार संगठन और विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसे तमाम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इन देशों की आवाज सशक्त ढंग से उठाई है। जी20 की अध्यक्षता के दौरान भारत जिन प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने वाला है, वे हैं- महिला सशक्तीकरण, डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन, सर्कुलर इकॉनमी, क्लाइमेट फाइनेंसिंग, वैश्विक खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, ग्रीन हाइड्रोजन, आर्थिक अपराध और पहुपक्षीय सुधार। यूं तो जी20 का गठन वैश्विक वित्तीय और आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए हुआ था, लेकिन धीरे-धीरे इसका दायरा बढ़ता गया और मौजूदा दौर में जियो-पॉलिटिक्स और जियो इकॉनमिक्स के मिलेजुले स्वरूप के मद्देनजर ग्लोबल गवर्नेंस पर इसका फोकस बढ़ने की संभावना है। भारत का लंबे समय से कहना रहा है कि ग्लोबलाइजेशन के विमर्श को फिर से परिभाषित करते हुए इसमें आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, महामारी और टिकाऊ विकास के मार्ग में आने वाली वित्तीय, आर्थिक बाधाओं को शामिल करने की जरूरत है।

भारत की जी20 अध्यक्षता का उद्देश्य दुनिया को ध्रुवीकरण से एकजुटता के भाव की ओर ले जाना होगा। खुद एक बहुसांस्कृतिक लोकतंत्र होने के नाते वह बिलकुल अलग-अलग तरह के स्टेकहोल्डर्स को वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए एक-दूसरे का हाथ थामने को प्रेरित भी कर सकता है। जी20 इंडिया 2023 का थीम है वसुधैव कुटुंबकम, यानी एक दुनिया, एक परिवार, एक भविष्य। भारत ने यह साबित किया है कि उसके लिए ये सिर्फ बोलने की बात नहीं है।

कागजी शेर, मैदान में हुए ढेर

डॉ. सुरेश कुमार

इंग्लैंड के हाथों करारी हार झेलने के बाद एक भारतीय प्रशंसक अत्यंत क्रोधित हो गया। उससे रहा नहीं गया। उसने भारतीय टीम से कहा – "मिल गई तसल्ली तुम्हें मैच हार के। पुराने मैचों में तुम्हारे तीसमार खाँ कारनामों के विश्लेषण करते हुए मीडिया तुम्हारी वाहवाही करेगा। कहेगा चलो कोई बात नहीं बाकी मैच तो अच्छा खेले। खाक अच्छा खेले? बंग्लादेश को हराने में नानी याद आ गयी थी। पाकिस्तान से बड़ी मुश्किल से जीते। दो-तीन लोगों के भरोसे चले थे विश्व कप जीतने! विश्व कप जीतने को दाल-भात का कौर समझे हो कि लप से उठाया और मुँह में डाल लिया। यह विश्व कप है, विश्व कप! गुजरात लॉयन या मुंबई इंडियंस में शेर दिखने वाले विश्व कप में आते-आते टांय-टांय फिस हो जाते हैं। तुम्हारा क्या है मोटी फीस मिलेगी, विज्ञापनों पर विज्ञापन करोगे और यह सब भूल जाओगे। जो होगा सो हमारा होगा। सारे काम धंधे छोड़कर, छुट्टी लगाकर, तुम्हारे बताए ड्रीम एलेवन में सट्टा खेलकर खुद को बर्बाद किया है। देखो किस तरह से हमारा कलेजा बाहर आ गया है। तुम लोगों को लगता होगा कि यह तो इन लोगों का रोज का राजकाज है, इसलिए हमें अनदेखा कर फिर से विज्ञापन चाटने चले जाओगे। हमारे बारे में थोड़ा बहुत सोचोगे । खाना खाओगे। सो जाओगे।"

प्रशंसक दो मिनट के लिए चुप बैठता है और फिर कहता है - "तुम्हारी ये सेमी-फाइनल, फाइनल में हारने की आदत न जाने कितने कमजोर दिलवालों की जान लेकर ही छोड़ेगी। एक दिन इस देश में क्रिकेट के प्रशंसकों की मौत का तमाशा तुम इसी तरह हारते हुए देखोगे। कुछ नहीं कहना मुझे तुम्हे। कुछ नहीं । तुम्हारी खेल में कोई फर्क पड़ने वाला नहीं। आईपीएल खेलने और विज्ञापन करने की आदत पड़ी है तुमको । खेल से ज्यादा स्वयं के स्वार्थ साधने की आदत पड़ी है । पहले एशिया कप हारे। फिर न्यूजीलैंड के साथ टेस्ट चैंपियनशिप। और अब विश्वकप की करारी हार। तुम्हारे बदन में खून नहीं विज्ञापन दौड़ता है। विज्ञापन में उड़-उड़कर कैच लपकते हो और असली वाले में लड्डू जैसे कैच भी टपका देते हो। ये आईपीएल के फ्रेंचाइजी पैसे के नाम पर ये तुम्हे ललचाते हैं । तुम आईपीएल को ही देश समझ बैठे हो । समझो । समझो। दूसरे देश भी देखते होंगे तो तुम्हें देखकर उनकी हँसी छूट जाती होगी। आईपीएल में छक्कों की बरसाते करते हैं और विश्व कप में छोटी टीमों के आगे भी चारों खाने चित्त होते हैं। मैदान पर उतरो तो सट्टेबाज दिखते हो सट्टेबाज। । खेलो हमारी चाहत और शिद्दत का सट्टा। । हमें बेवकूफ और पागल बनाने का कांट्रेक्ट जो लिया है। मजाक बनाओ । बनाओ । खेले और हारे । खेल खत्म । क्यों खेले मालूम नहीं ? क्यों हारे मालूम नहीं ?" प्रशंसक जोर-जोर से हँसता है और बोलता है – "वह फलानी विदेशी मीडिया ठीक कहती थी कि ये लोग सिर्फ अपनी जमीन पर या आईपीएल में ही तीसमार खान बनेंगे।

आईपीएल के जोर पर विश्व चैंपियन बनना चाहते थे। कौन समझा उनकी बात को? सब अपने विज्ञापनों पर लगे हैं। पैसे खाने वाले मौकापरस्त हैं। जिन्दा रहने के नाम पर सिर्फ सांसे लेते हैं । किसे जगाती वो ? हम जाग गए । सब कुछ सच-सच बोल रहा हैं । सुकून है । लेकिन ध्यान रखना तुम्हारी ये कागजी खेल कल तुम्हारे बच्चो के लिए रोना बन जाएगी । तब तुम सिर्फ हाथ मलकर रह जाओगे।

चुनाव : गुजरात से पता चलेगी विपक्ष की दिशा

एक बार फिर से भारत के राज्यों में राजनीतिक माहौल गर्म है। जहां भाजपा का प्रदर्शन बेहतर रहा है, वहीं प्रतिपक्ष की राजनीति अब भी लड़खड़ाई हुई सी है। जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव होने हैं। दोनों राज्यों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के अपने-अपने कोण हैं, लेकिन हाल ही में छह राज्यों में हुए उपचुनाव के जो नतीजे सामने आए हैं, उससे राजनीतिक हवा का पता चलता है। इसलिए सबसे पहले इन उप चुनावों का ही जिक्र करते हैं।

बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश-इन छह राज्यों की सात सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने चार सीटों पर अपनी जीत दर्ज कराके यह प्रदर्शित कर दिया है कि जिन राज्यों में वह सत्ता में नहीं है, वहां भी उसने उपचुनाव में अपना दमखम बनाए रखा है। बिहार, हरियाणा, ओडिशा तथा उत्तर प्रदेश-इन सभी राज्यों में उपचुनाव में भाजपा ने एक-एक सीट जीती है।

बिहार में एक सीट राजद को, तो एक सीट भाजपा को मिली है। वहीं हरियाणा में कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल के पोते भव्य विश्नोई आदमपुर में भाजपा के प्रत्याशी के रूप में निर्वाचित घोषित किए गए। यानी कांग्रेस को एक और झटका लगा है। महाराष्ट्र में अंधेरी ईस्ट सीट पर उद्धव ठाकरे से जुड़ी शिवसेना प्रत्याशी ऋतुजा लटके चुनाव जीत गई हैं।

ओडिशा के धामनगर में भाजपा की जीत अप्रत्याशित मानी जाती है, क्योंकि वहां क्षेत्रीय पार्टी बीजद अब भी प्रभावशाली है। उत्तर प्रदेश के गोला गोकर्णनाथ में भाजपा चौंतीस हजार से ज्यादा मतों के अंतर से चुनाव जीत गई। ऐसे में कहा जा सकता है कि भाजपा का प्रदर्शन बेहतर रहा है, लेकिन उसे अब भी सबसे कड़ी चुनौती क्षेत्रीय दलों से मिल रही है, न कि कांग्रेस से।

अब जो महत्वपूर्ण चुनाव है, वह है गुजरात का विधानसभा चुनाव, जो भाजपा एवं विपक्ष, दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। एक तरफ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव की कमान है और भाजपा का दूसरे दशक में शासन का फिर से दावा है, तो दूसरी ओर विपक्ष में कमजोर कांग्रेस पार्टी है। यह स्पष्ट नहीं दिखता कि राज्य के चुनावी समर का नेतृत्व शक्तिसिंह गोहिल के हाथ में है या परेश धनानी के।

राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा पर तो हैं, पर गुजरात में 'भाजपा तोड़ो' की मुहिम किसके हाथ में है, यह स्पष्ट नहीं है। पिछली बार तो विरोध के बहुत से मुद्दे थे। सूरत में जीएसटी पर रोष था। जिग्नेश, हार्दिक पटेल और अल्पेश ठाकोर की तिकड़ी थी और यह माना जाता था कि ग्रामीण इलाकों एवं पाटीदारों में भाजपा के खिलाफ खासा रोष था। इस बार ग्रामीण इलाकों में भाजपा के खिलाफ कोई बड़ी नाराजगी की सूचना नहीं है और हार्दिक पटेल एवं अल्पेश ठाकोर, दोनों ही भाजपा का हिस्सा बन चुके हैं।

लेकिन वहां आम आदमी पार्टी के रूप में प्रतिरोध की एक नई आवाज उभरी है। आम आदमी पार्टी एक नए राज्य में अपनी शक्ति की आजमाइश कर रही है। अरविंद केजरीवाल ने कई सभाएं की हैं और मोदी एवं भाजपा को सीधे तौर पर ललकारा है। दिल्ली और पंजाब की तर्ज पर उन्होंने मुफ्त बिजली, पानी देने का वादा किया है, युवाओं को रोजगार देने की बात कही है और गुजरात को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की बात भी वह कर रहे हैं। साथ ही 'आप' ने नोटों पर महात्मा गांधी के बदले लक्ष्मी-गणेश के चित्रों को छापने की बातें कर डाली हैं।

यानी भाजपा के पारंपरिक वोटर के बीच भी आम आदमी पार्टी हिंदुत्व का अपना सिक्का जमाने में लगी है और उसी की भाषा में चुनौती पेश कर रही है। कहा जाता है कि गुजरात में ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में मतों का रुझान अलग प्रतीत होता है। कांग्रेस ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करती है, लेकिन भाजपा को हरा नहीं पाती। वहीं शहरी क्षेत्रों में भाजपा बहुत अच्छा प्रदर्शन करती है। आप ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस के वोट में सेंध लगा सकती है, लेकिन क्या वह भाजपा के शहरी मतों में से छोटा-सा हिस्सा भी ले पाएगी?

हाल ही में मोरबी में पुल गिरने से बहुत लोगों की मौतें हुईं, फिर भी भाजपा की स्थिति मजबूत है। प्रश्न सिर्फ इतना है कि आप का प्रदर्शन कैसे रहेगा और क्या वह राज्य स्तर की पार्टी से राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बन पाएगी।

अगर गुजरात में कांग्रेस आम आदमी पार्टी की मौजूदगी के बावजूद अपना प्रदर्शन बेहतर कर पाती है और भाजपा के लिए चुनौती बन पाती है, तो इससे विपक्ष की भावी दिशा का पता चलेगा।

प्रधानमंत्री के गृह राज्य में अगर भाजपा को नुकसान होता है, तो यह विपक्ष के लिए मनोबल बढ़ाने वाला होगा।

अगहन मास में ही हुआ था राम-जानकी और शिव-पार्वती का विवाह

अगहन महीना 9 नवंबर से 8 दिसंबर तक रहेगा। पुराणों में इसे पवित्र मास कहा गया है। इसी महीने में शिव-पार्वती और राम-सीता का विवाह हुआ था। इस पवित्र महीने में ही श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था। वहीं, जानकारों का कहना है कि कश्यप ऋषि में अगहन मास में ही कश्मीर बसाया था और वृंदावन के बांके बिहारी भी इस महीने में प्रकट हुए थे।

वैदिक काल से ही मार्गशीर्ष को बहुत खास माना गया है। इसके नाम से ही पता चलता है कि ये सभी महीनों में शीर्ष पर होने के कारण अग्रणी और सबसे ज्यादा खास है। वेदों में मार्गशीर्ष को सह मास कहा है। यानी ये महीना समानता का है। इस महीने किए गए सभी व्रत और पूजा का पूरा फल जल्दी ही मिलता है। किए गए हर तरह के शुभ काम भगवान को अर्पित होते हैं।

अगहन में शिव विवाह

शिव पुराण के 35वें अध्याय में रुद्रसंहिता के पार्वती खण्ड में बताया है कि महर्षि वसिष्ठ ने राजा हिमालय को भगवान शिव-पार्वती विवाह के लिए समझाते हुए विवाह का मुहूर्त मार्गशीर्ष महीने में होना तय किया था। जिसके बारे में इस संहिता के 58 से 61 वें श्लोक तक बताया गया है। पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र का कहना है कि शिव पुराण में बताए गए तिथि और महीने के मुताबिक ये दिन इस साल 10 नवंबर को पड़ रहा है।

अर्जुन को दिया गीता ज्ञान

श्रीमद्भागवत के मुताबिक महाभारत के युद्ध में अगहन महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी पर भगवान कृष्ण ने अुर्जन को गीता का ज्ञान दिया था। इसलिए इस तिथि को मोक्षदा एकादशी कहा जाता है। इस दिन गीता जयंती भी मनाई जाती है। इस बार ये दिन 3 दिसंबर, शनिवार को रहेगा।

श्रीराम-सीता विवाह

धर्म ग्रंथों के जानकरों के मुताबिक अगहन महीने में ही श्रीराम-सीता का विवाह हुआ था। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि त्रेतायुग में मार्गशीर्ष महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में श्रीराम-सीता का विवाह हुआ था। इस शुभ पर्व पर तीर्थ स्नान-दान और व्रत-उपवास के साथ भगवान राम-सीता की विशेष पूजा की जाती है। इसलिए इस दिन को विवाह पंचमी भी कहा जाता है।

प्रकट हुए बांके बिहारी, कश्यप ऋषि ने बनाया कश्मीर

डॉ. गणेश मिश्र बताते हैं कि श्रीमद्भागवद्गीता में भगवान कृष्ण ने कहा है कि सभी महीनों में मार्गशीर्ष महीना उनका ही स्वरूप है। इसी पवित्र महीने में कश्यप ऋषि ने कश्मीर प्रदेश की रचना शुरू की थी। इस महीने के शुक्लपक्ष की पंचमी तिथि पर वृंदावन के निधिवन में भगवान बांके बिहारी प्रकट हुए थे। इसलिए इस दिन भगवान कृष्ण की बांके बिहारी रूप में महापूजा की जाती है और पूरे ब्रज में महोत्सव मनाया जाता है।

मार्गशीर्ष महीने में ये काम करने से याद आ जाता है पिछला जन्म

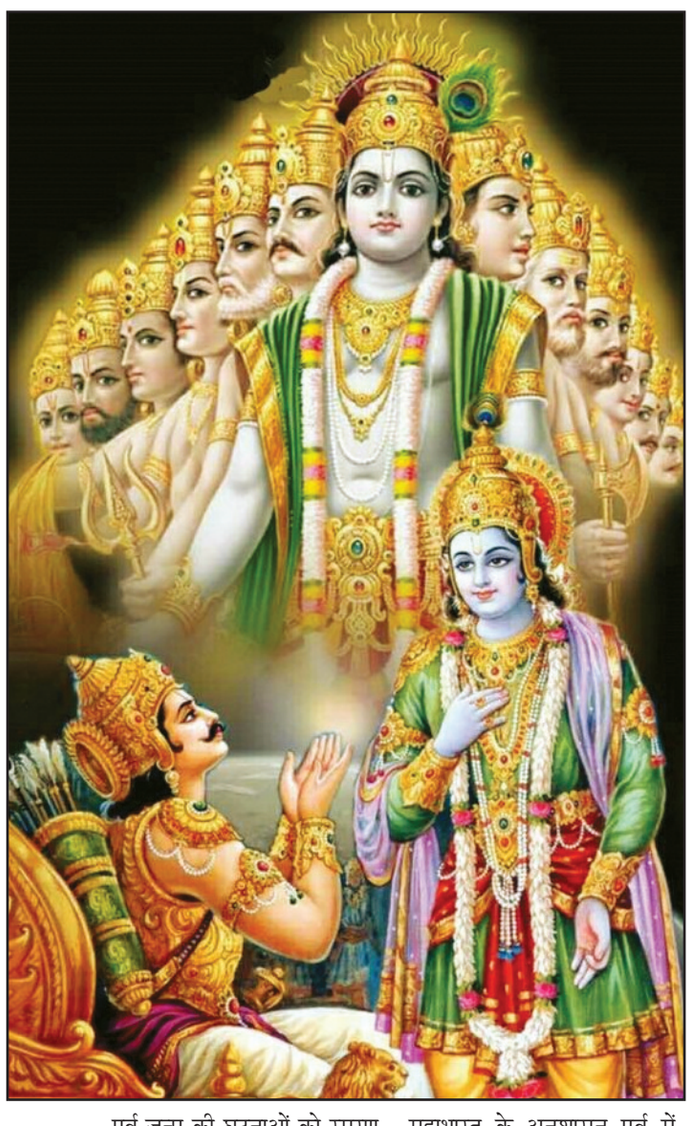

हिन्दू केलैंडर के अनुसार कार्तिक माह के बाद मार्गशीर्ष का महीना शुरू हो जाता है। वहीं अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार यह माह 9 नवंबर से प्रारंभ होकर 8 दिसंबर 2022 तक चलेगा। जी हाँ और इस महीने में भगवान श्री हरी विष्णु और उनके आठवें रूप श्रीकृष्ण की पूजा का खास महत्व रहता है। अब हम आपको बताते हैं इस माह के महत्व को।

अगला जन्म सुखमय : कहा जाता है इस माह में विधिवत व्रत उपवास रखने और पूजा करने मनुष्य दूसरे जन्म में रोग और शोक रहित रहता है। जी हाँ और उसका अगला जन्म इस जन्म की अपेक्षा अधिक सुखमय रहता है और उसकी सभी मनोकामना पूर्ण होती है।

पिछले जन्म का स्मरण : कहते हैं मार्गशीर्ष शुक्ल 12 को उपवास प्रारंभ कर प्रति मास की द्वादशी को उपवास करते हुए कार्तिक की द्वादशी को पूरा करना चाहिए। जी हाँ और प्रति द्वादशी को भगवान विष्णु के केशव से दामोदर तक 12 नामों में से एक-एक मास तक उनका पूजन करना चाहिए। ऐसा मना जाता है कि ऐसा करने से इससे पूजक 'जातिस्मरण' यानी पूर्व जन्म की घटनाओं को स्मरण रखने वाला हो जाता है तथा उस लोक को पहुंच जाता है, जहां फिर से संसार में लौटने की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

पापों को नष्ट करने वाला माह : महाभारत के अनुशासन पर्व में कहा गया है कि जो मार्गशीर्ष माह में एक समय भोजन करके अपना दिन बिताता है और अपनी शक्ति के साथ दान पुण्य करता है वह समस्त पापों को नष्ट कर देता है।

क्यों किसी सोए व्यक्ति को नहीं लांघना चाहिए?

आप सभी ने हिंदू धर्म में कई तरह की मान्यताओं के बारे में सुना होगा। जी दरअसल ऐसे कई कार्य हैं जिन्हें शुभ-अशुभ संकेत से जोड़कर देखा जाता है। जी हाँ और इसके अलावा अनेक नियम भी बताए गए हैं, ये नियम बचपन से हमें सिखाए जाते हैं। इसी में एक नियम शामिल है कि अगर कोई व्यक्ति सोया या लेटा हो तो उसे लांघना नहीं चाहिए। जी दरअसल ऐसा कहा जाता है कि सो रहे व्यक्ति को लांघना शुभ नहीं होता है। अब आज हम आपको बताते हैं इसके पीछे की वजह।

जी दरअसल इसके पीछे महाभारत का एक प्रसंग माना जाता है। इस प्रसंग के अनुसार, एक बार भीम युद्ध के लिए जा रहे थे, तो हनुमान जी ने भीम का रस्ता रोकने के लिए एक वृद्ध वानर के रूप में मार्ग पर लेट गए। उनकी पूंछ ने पूरे मार्ग को बाधित किया हुआ था। वहीं जब भीम उस मार्ग से गुजरे तो उन्होंने पूंछ को लांघा नहीं, बल्कि हनुमानजी से पूंछ हटाने के लिए कहा। लेकिन भगवान हनुमान ने दुर्बलतावश पूंछ हटाने से इंकार कर दिया और पूंछ लांघकर चले जाने को कहा। लेकिन भीम ने ऐसा नहीं किया। भीम ने कहा कि इस संसार के सभी प्राणियों में ईश्वर का अंश विद्यमान है, ऐसे में किसी प्राणी को लांघना परमात्मा का अनादर करने जैसा है। इस वजह से भीम ने हनुमानजी की पूंछ को लांघा नहीं बल्कि स्वयं ही पूंछ हटाने लगे।

जब अपनी पूर शक्ति लगाने के बाद भी भीम हनुमानजी की पूंछ को हिला भी नहीं पाए तो उन्हें समझ आ गया कि ये कोई साधारण वानर नहीं है। इसके बाद हनुमानजी ने भीम को अपना परिचय दिया और विशाल रूप भी दिखाया। साथ ही हनुमानजी ने युद्ध में विजय पाने का आर्शीवाद भी भीम को दिया। कहते हैं इसी वजह से किसी सोते या लेटे हुए व्यक्ति को लांघना नहीं चाहिए।

घर पर लगाएं मोहिनी का पौधा

वास्तु शास्त्र में कई चीजों के साथ ही पेड़-पौधों के महत्व के बारे में भी बताया गया है। साथ ही इससे जुड़े नियम और लाभों के बारे में भी चर्चा की गई है। वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसे कई पौधे हैं, जिन्हें घर के लिए बेहद शुभ माना जाता है।

इन पौधों को घर पर लगाने से न सिर्फ सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है, बल्कि आर्थिक लाभ भी होते हैं। इन्हीं में एक है मोहिनी का पौधा। यह दक्षिण अफ्रीका का पौधा है। इसे क्रासुला भी कहा जाता है। यदि वास्तु के नियम से मोहिनी का पौधा घर पर लगाया जाए तो यह बहुत लाभदायक सिद्ध होता है। दिल्ली के आचार्य गुरमीत सिंह जी से जानते हैं मोहिनी पौधे से जुड़े लाभ और इसकी सही दिशा के बारे में।

कैसा होता है मोहिनी का पौधा

मोहिनी या क्रासुला का पौधा दिखने में बेहद खूबसूरत लगता है। घर पर इसे रखने से घर की शोभा भी बढ़ती है। यही कारण है कि लोग सजावट के तौर पर इसे घर पर लगाते हैं। इसकी पत्तियां चौड़ी और थोड़ी गोलाकार होती हैं। जब आप इसे हाथ से छूएंगे तो मखमली एहसास होगा। इसका रंग ना पूरी तरह से हरा होता है और ना पूरी तरह से पीला। इसकी पत्तियां हरे और पीले रंग से मिश्रित होती हैं।

मोहिनी पौधे के लिए वास्तु नियम

वास्तु नियम के अनुसार, यदि घर पर क्रासुला या मोहिनी का पौधा लगाया जाए तो इसका खूब लाभ होता है। वास्तु के अनुसार इसे घर के पूर्व या फिर उत्तर दिशा में लगाना चाहिए। यदि इन दिशाओं में पौधा लगाने के लिए जगह न हो तो ऐसी स्थिति में आप घर के मुख्यद्वार पर भी लगा सकते हैं। इसके अलावा लिविंग रूम और बेडरूम में भी इस पौधे को लगाना अच्छा होता है। लेकिन क्रासुला को कभी भी दक्षिण दिशा में नहीं लगाना चाहिए। साथ ही इसे टॉयलेट में भी न लगाएं।

किस देवता को भूलकर भी नहीं चढ़ाना चाहिए कौन सा फूल

हिन्दू धर्म में पूजा-पाठ में देवी-देवताओं को बहुत सी चीजें चढ़ाई जाती हैं, जिनमें फूल भी शामिल हैं। धर्म शास्त्रों में फूलों को पूजा के लिए सबसे उत्तम बताया गया है। किसी भी प्रकार की पूजा बिना फूलों के पूर्ण नहीं मानी जाती। फूलों की खुशबू से वातावरण पवित्र होता है और इनसे घर में सकारात्मकता आती है। अलग-अलग देवी-देवताओं पर अलग-अलग फूल अर्पित किए जाते हैं। मान्यता के अनुसार कुछ फूलों को पूजा में इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

भगवान राम की पूजा: हरी विष्णु के रूप भगवान राम की पूजा करते हुए कभी भी कनेर के फूलों का उपयोग नहीं करना चाहिए।

भोलेनाथ की पूजा: भगवान शिव की पूजा में कभी किसी व्यक्ति को केतकी या केवड़े के फूल नहीं चढ़ाने चाहिए। इन फूलों के उपयोग से शिव क्रोधित होते हैं।

माता पार्वती की पूजा: आदिशक्ति मां पार्वती की पूजा कभी भी मदार के फूलों से नहीं करनी चाहिए। इससे माता रुष्ट होती हैं।

भगवान विष्णु की पूजा: ग्रंथों के अनुसार भगवान नारायण की पूजा में कभी भी अगस्त्य के फूलों का उपयोग नहीं करना चाहिए। इसके अलावा माधवी और लोध के फूलों का उपयोग भी भगवान नारायण की पूजा में निषेध है।

धार्मिक मान्यताओं के आधार पर सूर्य देव को कभी भी पूजा-पाठ में बेलपत्र या बिल्व पत्र अर्पित नहीं करना चाहिए। इससे सूर्य देव नाराज होते हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के मुख्य द्वार पर करें पानी के ये उपाय

वास्तु शास्त्र के अनुसार पानी का छिड़काव अच्छा माना जाता है। घर के सामने पानी का छिड़काव करना कई मायनों में फायदेमंद होता है। आइए जानते हैं से होने वाले फायदे के बारे में।

तांबे के कलश में जल भरकर करें छिड़काव

वास्तु शास्त्र के अनुसार सुबह जल्दी उठकर स्नानादि से निवृत्त हो जाएं और नियमित रूप से घर के मुख्य द्वार पर तांबे के कलश में जल भर के छिड़काव करें। ये उपाय करने से घर में धन-धान्य और सुख समृद्धि बनी रहती है। इसके अलावा घर के हर व्यक्ति का स्वास्थ्य उत्तम रहता है। साथ ही घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होकर सकारात्मक ऊर्जा बढ़ जाती है।

हल्दी मिले पानी का छिड़काव

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर की दहलीज पर हल्दी मिले पानी का छिड़काव करना अत्यंत शुभ माना जाता है। सुबह उठकर स्नान आदि से निवृत्त हो जाएं। अब तांबे के कलश में जल भरें और 1 चुटकी हल्दी मिला लें। इस पानी से छिड़काव मुख्य द्वार के दोनों तरफ करें। इस उपाय से आसपास का माहौल स्वस्थ बना रहेगा साथ ही घर में धन और ऐश्वर्य की कमी नहीं होगी।

नमक के पानी का करें छिड़काव

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के मुख्य द्वार पर नमक के पानी का हफ्ते में एक बार छिड़काव जरूर करना चाहिए। नमक में नकारात्मकता दूर करने की क्षमता होती है। इसके अलावा रोग, दोष, शोक आदि सबको नमक के पानी के छिड़काव से दूर रखा जा सकता है।

एकता ने फिल्म केटीना से दिशा पाटनी को किया बाहर

एकता कपूर की अपकमिंग फिल्म केटीना से दिशा पटानी का पत्ता साफ हो गया है। ऐसी खबरें हैं कि एकता ने दिशा को उनके अनप्रोफेशनल विहेवियर की वजह से अपनी फिल्म से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। एकता कपूर की ये फिल्म खुद उन्हीं के लाइफ के ऊपर बेस्ड है। अब दिशा को बाहर करने के बाद एकता अपनी इस फिल्म के लिए नए चेहरे की तलाश कर रही हैं। सोर्सेस की मानें तो तारा सुतारिया और श्रद्धा कपूर को दिशा के रिप्लेसमेंट के तौर पर देखा जा रहा है।

बालाजी मोशन पिक्चर्स और दिशा के बीच हुआ विवाद

एकता कपूर अपनी लाइफ के ऊपर बेस्ड फिल्म केटीना का डायरेक्शन करने जा रही हैं। उन्होंने इस फिल्म के लिए दिशा पाटनी को कास्ट किया था। दिशा ने फिल्म के कुछ सीन्स भी शूट कर लिए थे लेकिन हालिया रिपोर्ट्स की मानें तो अब दिशा की फिल्म के बीच से ही छुट्टी कर दी गई है। जो खबरें आ रही हैं उसके मुताबिक, एकता की प्रोडक्शन कंपनी बालाजी मोशन पिक्चर्स के कुछ मेंबर्स और दिशा पाटनी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया और इसका कोई हल भी नहीं निकल सका जिसको देखते हुए एकता के पास दिशा को अपनी फिल्म से निकालने के अलावा और कोई रास्ता नहीं बचा।

दिशा हाल ही में एक विलेन रिटर्न में आईं थी नजर

दिशा के रिसेंट प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वो अभी जल्द ही मोहित सूरी की फिल्म एक विलेन रिटर्न में नजर आईं थी। फिल्म में वो जॉन अब्राहम और अर्जुन कपूर के साथ दिखीं थी। उन्होंने एम एस धोनी फिल्म से बॉलीवुड में करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में उनका रोल काफी छोटा था लेकिन छोटे से स्क्रीन टाइम में भी उन्होंने अपने एक्टिंग से ऑडियंस को काफी ज्यादा प्रभावित किया था।

टीवी के 'राम-सीता' गुरमीत और देबिना के घर आई नन्ही परी, साल में दूसरी बार मां बनीं एक्ट्रेस

टेलीविजन की मशहूर 'राम-सीता' की जोड़ी गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी के घर नन्ही परी का आगमन हुआ है. देबिना ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ इस गुडन्यूज को शेयर किया है. गुरमीत और देबिना दूसरी बार पैरेंट्स बने हैं।

इसी साल अप्रैल में उन्होंने अपनी पहली बेटी का स्वागत किया था, जिसका नाम कपल ने लिएना रखा. सोशल मीडिया पर गुरमीत और देबिना को उनकी दूसरी बेटी के लिए ढेरों बधाई संदेश मिल रहे हैं. इंडस्ट्री के स्टार्स भी देबिना के पोस्ट पर कमेंट कर अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं।

गुरमीत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक ब्लैक एंड व्हाइट फोटो शेयर किया, जिस पर लिखा है "इट्स ए गर्ल". सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट को शेयर करते हुए गुरमीत ने कैप्शन में लिखा, "हमारी बच्ची का दुनिया में स्वागत है। हम फिर से माता-पिता बने और मैं बेहद एक्साइटेड हूं. हमारा बच्चा नियत समय से पहले दुनिया में आ गया है.' बता दें कि देबिना की डिलीवरी 7 महीने में ही हुई है. हालांकि अभी देबिना या उनकी बेटी की हेल्थ अपडेट सामने नहीं आई है।

देबिना ने हाल ही में अपने बेबी बंप के साथ फोटो शेयर करते हुए बताया था कि बच्चे का आकार काफी बढ़ गया है और पानी बहुत ज्यादा है. डॉक्टरों को संदेह है कि अगर हम 9 महीने वेट करते हैं तो स्थिति बिगड़ सकती है. पेट में बच्चे का सिर एक तरफ है और पैर दूसरी तरफ हैं. सामान्य स्थिति में सिर नीचे है. जब बच्चा अधिक बढ़ता है और पेट में कोई जगह नहीं होती है, तो बच्चा घूम नहीं पाता।

थिएटर में खूब रोईं शहनाज गिल, फैंस ने कहा- अब तो हम भी देखेंगे ये फिल्म

'बिग बॉस' फेम एक्ट्रेस शहनाज गिल किसी न किसी वजह से सुर्खियों में रहती हैं. सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहीं शहनाज गिल हाल ही में एक फिल्म देख फूट-फूटकर रो पड़ीं. अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर, बोमन ईरानी और डैनी डेंजोंगप्पा स्टारर फिल्म 'ऊंचाई' का ग्रैंड प्रीमियर मुंबई में किया गया, जिसे देखने के लिए शहनाज गिल भी पहुंची थीं. आज (शुक्रवार) देश भर के सिनेमाघरों में 'ऊंचाई' को रिलीज किया गया, फिल्म को लेकर लोगों में भी काफी उत्साह देखने को मिल रहा है.

'ऊंचाई' के ग्रैंड प्रीमियर में सलमान खान, अभिषेक बच्चन, अक्षय कुमार, फरदीन खान, शहनाज गिल, जया बच्चन और कंगना रनौत जैसे कई बड़े स्टार्स पहुंचे थे. फिल्म देखने के बाद शहनाज गिल ने अपना रिएक्शन भी शेयर किया. जब उनके पूछा गया कि फिल्म देखकर क्या उन्हें रोना आया, तो शहनाज ने कहा, 'हां बहुत ज्यादा.' फिल्म के हिट और फ्लॉप होने के सवाल पर उन्होंने कहा, फिल्म जरूर हिट होगी, मैं बोल रही हूं मैं बहुत ज्यादा रोई हूं. बहुत अच्छी पिक्चर है, सबको देखनी चाहिए. इसमें एक मैसेज है जहां तक मुझे समझ आया है. इंपॉसिबल चीजों को भी पॉसिबल बनाया जा सकता है.'

सोशल मीडिया पर शहनाज के रिएक्शन का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसे देख अब यूजर्स भी कमेंट कर अपना विचार शेयर

कर रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, 'ठीक है, देखूंगा क्योंकि इसे आपने सजेस्ट किया है.' एक अन्य फैन ने कमेंट में लिखा, 'अब इस फिल्म को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता, शहनाज ने इसकी तारीफ भी की है, वह बहुत प्यारी है.' वहीं दूसरे फैन ने लिखा, 'दिलों की मल्लिका.' बता दें कि ऊंचाई में अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर, बोमन ईरानी और डैनी डेंजोंगप्पा के साथ परिणीति चोपड़ा भी मुख्य किरदार में हैं.

लोगों के तानों से तंग आकर 'सलमान खान की बहन' ने छोड दी इंडस्ट्री?

टेलीविजन के फेमस शो 'मीरा' से 9 साल की उम्र में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस आशिका भाटिया, अब बेहद बोल्ड हो गई हैं.

सोशल मीडिया पर उनके 50 लाख से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं और ये संख्या लगातार बढ़ती जा रही हैं. चाइल्ड एक्ट्रेस के तौर पर आशिका को घर-घर पहचान मिली, लेकिन अब उनके एक्टिंग करियर को लेकर कई तरह की खबरें सामने आ रही हैं. 'मीरा' के बाद आशिका 'कुछ रंग प्यार के ऐसे भी', 'परवरिश.. कुछ खट्टी कुछ मीठी' और 'स्वाभिमान' जैसे कई फेमस सीरियल्स में नजर आई हैं.

सलमान खान के साथ किया काम

एक्ट्रेस और सोशल मीडिया सेंसेशन आशिका भाटिया ने टीवी जगत में नाम कमाने के बाद बॉलीवुड में भी कदम रखा. उन्होंने सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ स्क्रीन शेयर किया है. आशिका ने सलमान खान और सोनम कपूर स्टारर फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. उन्होंने सलमान खान की बहन का रोल प्ले किया था। टीवी और बॉलीवुड में अपना करियर चमकाने के बाद आशिका ने सोशल मीडिया पर भी काफी फैंस कमाए, लॉकडाउन के दौरान टिकटॉक पर आशिका के शॉर्ट वीडियो खूब वायरल हुए थे। हालांकि टिकटॉक के बैन होने के बाद उन्होंने इंस्टाग्राम रील्स से अपना जलवा बरकरार रखा।

मोटी कहकर चिढ़ाते थे लोग

इंटरनेट पर आपको हर तरह के लोग देखने को मिलते हैं, आशिका के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ. शॉर्ट वीडियोज को लेकर उन्हें काफी ट्रोल किया जाने लगा, और भद्दे-बद्दे कमेंट आने लगे. लोग उन्हें मोटी और ना जाने क्या-क्या कहकर ट्रोल करने लगे. लोगों के कमेंट पर ध्यान न देते हुए आशिका ने अपनी बॉडी पर काम किया और अपने टोंड फिगर से सभी को हैरान कर दिया.

सोशल मीडिया पर आशिका की पॉपुलैरिटी लगातार बढ़ रही है, लेकिन टीवी और बॉलीवुड से उनकी दूरी बढ़ती जा रही है. हालांकि इसका कारण अभी तक सामने नहीं आया है. क्या उन्हें मनपसंद रोल नहीं मिल रहे हैं? या आशिका अब टीवी सीरियल्स में काम नहीं करना चाहतीं? वजह जो भी हो फैंस को अपनी एक्ट्रेस को एक बार फिर स्क्रीन पर देखने का बेसब्री से इंतजार है।

बाहुबली बनीं रश्मिका मंदाना

एली अवराम को गोद में उठा कर मस्ती करती दिखीं, फैन्स बोले- आप बाहुबली से कम नहीं हैं

साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने हाल ही में फिल्म गुड बाय से बॉलीवुड डेब्यू किया है। इसी बीच फिल्म गुडबाय की शूटिंग के दौरान रश्मिका ने सेट पर काफी मस्ती की जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में रश्मिका अपनी ऑनस्क्रीन भाभी एली अवराम को गोद में उठाकर खुशी से झूमती हुई दिखाई दे रही हैं।

इस वीडियो को देखकर फैंस रश्मिका की फिटनेस की तारीफ करते हुए कह रहें,'आपमें बहुत ताकत है जो एली को उठा लिया'। एक यूजर ने लिखा,'रश्मिका आप बाहुबली से कम नहीं है।' वहीं दूसरे ने लिखा, 'ताकत के मामले में आप बाकी एक्ट्रेसेस से आगे हैं।' गुडबाय से किया था बॉलीवुड डेब्यू

रश्मिका मंदाना और एली अवराम ने फिल्म 'गुडबाय' में साथ काम किया था। और इस फिल्म में इनके अलावा मेगास्टार अमिताभ बच्चन, नीना गुप्ता, पावेल गुलाटी, एली अवराम, सुनील ग्रोवर नजर आए थे। फिल्म 7 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि फिल्म

बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। बता दें, रश्मिका अब जल्द ही अल्लू अर्जुन के साथ फिल्म 'पुष्पा 2' में नजर आएंगी।

वर्कआउट करते हुए टीवी एक्टर का निधन

46 साल के सिद्धांत सूर्यवंशी को जिम में आया हार्ट अटैक, कसौटी जिंदगी से फेमस हुए थे

पॉपुलर टीवी एक्टर सिद्धांत वीर सूर्यवंशी का निधन हो गया है। बताया जा रहा है कि 46 साल के सिद्धांत को जिम में वर्कआउट करते हुए हार्टअटैक आया था। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर्स की टीम ने करीब 45 मिनट तक इलाज किया, लेकिन उन्हें बचा नहीं पाए।

सिद्धांत टीवी शोज कुसुम, कसौटी जिंदगी की, कृष्णा-अर्जुन, जमीन से आसमान तक, क्या दिल में है, गृहस्थी जैसे कई टीवी शोज का हिस्सा रहे हैं। आखिरी बार इन्हें जिद्दी दिल माने ना शो में देखा गया था। सिद्धांत फिटनेस फ्रीक थे, जो सोशल मीडिया पर अक्सर अपने वर्कआउट वीडियो शेयर कर फैंस को मोटिवेट करते थे।

सिद्धांत ने 2017 में मॉडल और फैशन कोरियोग्राफर अलीसिया राउत से शादी की थी, उनके दो बच्चे भी हैं। ये उनकी दूसरी शादी थी। इससे पहले उन्होंने ईरा सूर्यवंशी से 2000 में शादी की थी, लेकिन 2015 में उन्होंने तलाक ले लिया था।

जिम में वर्कआउट करते हुए हाल ही में कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव का भी निधन हुआ था। इससे पहले भाभीजी घर पर हैं शो के एक्टर दिपेश भान की मौत भी वर्कआउट करते हुए हुई थी।

कौन थे सिद्धांत वीर सूर्यवंशी?

सिद्धांत वीर सूर्यवंशी का जन्म 15 दिसंबर 1975 को मुबंई में हुआ था। उन्होंने बतौर मॉडल अपने करियर की शुरुआत की थी। सिद्धांत ने सीरियल 'कुसुम' से इन्होंने अपना टीवी डेब्यू किया था। इसके अलावा उन्होंने 'कसौटी जिंदगी की', 'कृष्णा अर्जुन', 'क्या दिल में है' जैसे कई पॉपुलर टीवी शोज में काम किया है। सिद्धांत को आनंद सूर्यवंशी के नाम से भी जाना जाता था।

उर्फी जावेद ने पार की सारी सीमाएं, फैंस ने कहा 'भारत के बाहर भेजो'

उर्फी जावेद जिनका नाम सुनते ही लोगों का सामने उनके चेहरे से पहले एक्ट्रेस का अजीबो-गरबी फैशन सामने आ जाता है. टीवी एक्ट्रेस उर्फी जावेद इन दिनों एक्टिंग में कम फैशन की दुनिया में ज्यादा सक्रिय नजर आ रही हैं. उर्फी लगातार अपने अतरंगी कपड़ों की वजह से सुर्खियों में बनी हुई हैं. हालांकि एक्ट्रेस का एक जो वीडियो वायरल हो रहा है उसमें वो बिना कपड़ों के नजर आ रही हैं और इसने सोशल मीडिया को हिलाकर रख दिया है.

दरअसल उर्फी जावेद ने एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वो पूरी तरह से न्यूड नजर आ रही हैं. उर्फी टॉपलेस और ब्रालेस हैं और अपनी इज्जत को ढकने के लिए उर्फी ने किसी और के हाथों को यूज किया है. इस वीडियो के शयर करते हुए उर्फी ने लिखा है 'मदद करने वाले हाथ'. इसके साथ ही उन्होंने अपने कैमरामैन और साथ ही मेकअप के आर्टिस्ट को शुक्रिया कहा है.

वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि नीले ग्लव्स पहनकर किसी और ने अपने हाथों से उर्फी को कवर किया हुआ है. ऐसे में ये वीडियो आते ही सोशल मीडिया पर आग लग गई है और लोग जमकर इस पर कमेंट कर रहे हैं. जहां एक तरफ लोग उन्हें इस तरह के वीडियो के लिए ट्रोल कर रहे हैं. वहीं दूसरी तरफ लोग उन्हें भारत छोड़कर जानें को कह रहें हैं. एक यूजर ने कमेंट में लिखा है 'पागलपंती की भी हद है इसको को ई इंडिया से बाहर भगा दो यार. वहीं एक ने लिखा है 'अरे बहन पूरी तरह से नंगह गो जाना इस तरह के वी डि यो बनाने से तो अच्छा ही है।'

जैकलीन फर्नांडिस की 15 नवंबर तक बढ़ी अंतरिम जमानत

महाठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शुक्रवार को एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस को दिल्ली की स्पेशल कोर्ट से राहत मिल गई। कोर्ट ने एक्ट्रेस की अंतरिम जमानत को 15 नवंबर तक के लिए बढ़ा दिया है। मामले में अगली सुनवाई भी उसी दिन होगी। पिछले दिनों कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक्ट्रेस ने रेग्युलर बेल की मांग की थी, जिसपर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विरोध किया था। मामले की सुनवाई गुरुवार को ही पूरी हो गई थी, जिसके बाद कोर्ट ने शुक्रवार तक के लिए अपना ऑर्डर सुरक्षित रख लिया। आज आए ऑर्डर में कोर्ट ने एक्ट्रेस को राहत प्रदान करते हुए अंतरिम जमानत को बढ़ा दिया। गुरुवार को सुनवाई के दौरान जैकलीन ने यह शिकायत की थी कि वह समय पर ईडी के पास जांच के लिए आती थीं, लेकिन फिर भी ईडी के अधिकारी उन्हें परेशान करते हैं।

वहीं ईडी का कहना था एक्ट्रेस को बेल नहीं मिलनी चाहिए क्योंकि उन्होंने कभी भी जांच के दौरान सहयोग नहीं किया। वह तब भी कुछ बोलतीं जब उन्हें सबूतों के साथ पूछा जाता। उन्होंने कहा कि जैकलीन को सुकेश के क्रिमिनल बैकग्राउंड के बारे में सुकेश से मिलने के 10 दिन बाद ही पता चल गया था। वह कोई आम इंसान नहीं हैं बल्कि एक बॉलीवुड एक्ट्रेस हैं जिनका काफी बड़ा आर्थिक रिसोर्स है।

क्या है मामला

दरअसल, सुकेश चंद्रशेखर पर 200 करोड़ का मनी लॉन्ड्रिंग केस चल रहा था। जांच के दौरान पता चला कि सुकेश का जैकलीन से कनेक्शन है। उसने एक्ट्रेस को करीब 7 करोड़ के महंगे गिफ्ट्स दिए हैं। सिर्फ एक्ट्रेस ही नहीं बल्कि उन्होंने जैकलीन के परिवार वालों को भी लग्जरी गिफ्ट्स दिए थे और आर्थिक रूप से भी उनकी मदद की थी। वैसे इस केस में सिर्फ जैकलीन ही नहीं बल्कि नोरा फतेही का नाम भी सामने आया था। पहले तो दोनों एक्ट्रेसेस इस केस में गवाह थीं। लेकिन फिर ईडी ने जांच के बाद जैकलीन को इस केस में आरोपी बताया। उनका कहना था कि जैकलीन जानती थीं कि सुकेश एक क्रिमिनल है, लेकिन फिर भी वह उनके साथ कॉन्टैक्ट में थीं और उनसे लग्जरी गिफ्ट्स लेती थीं। उन्होंने उनसे फिर भी दूरी नहीं बनाई थी। वह सुकेश के सभी कामों के बारे में जानती थीं।

एक्ट्रेस के वकील क्या बोले

हाल ही में एक्ट्रेस के वकील का कहना था कि वह एक्ट्रेस के लिए लड़ते रहेंगे क्योंकि वह निर्दोष हैं। यहां तक की इस केस का जो मेन आरोपी है चंद्रशेखर उसने तक खत लिखकर यह दावा किया है कि एक्ट्रेस का इस केस में कोई लेना-देना नहीं है। चंद्रशेखर का साफ कहना है कि दोनों रिलेशनशिप में थे इसलिए वह उन्हें गिफ्ट्स देते थे इसमें उनकी और उनके परिवार की कोई गलती नहीं है। वह बस चंद्रशेखर को प्यार करती थीं और इससे ज्यादा उनका उसके काम से कोई लेना-देना नहीं था।

कृति सेनन ने नियॉन शॉर्ट बॉडीकॉन ड्रेस में दिए किलर पोज़, थाम लें दिल

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस कृति सेनन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है और वो आए दिन अपने फैन्स के लिए कुछ ना कुछ शेयर करती रहती हैं। हाल ही में, कृति सेनन ने अपने ग्लैमरस लुक से इंटरनेट पर खलबली मचा दी है, तो आइए आपको दिखाते हैं उनकी ये तस्वीरें। इन तस्वीरों में कृति सेनन नियॉन कलर की फ्रंट कटआउट शॉर्ट बॉडीकॉन ड्रेस में अपनी टोंड लेग्स और कर्वी फिगर को जमकर फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रहीं हैं। स्मोकी मेकअप के साथ बालों को चेहरे पर गिराते हुए कृति सेनन की अदाएं देख हर कोई उनकी तारीफ करता नजर आ रहा है। सोशल मीडिया पर कृति सेनन के चाहने वाले उनकी तस्वीरों पर दिल खोलकरल लाइक और कमेंट्स करते दिखाई दे रहे हैं। पूरा पढ़ेंकृति सेनन को उनकी लुक्स, स्टाइल, ड्रेसिंग सेंस और बोल्डनेस के लिए जाना जाता है। इससे पहले कृति सेनन इस ब्लैक गाउन में हुस्न का जादू बिखेरती नजर आईं थीं। ब्लैक शॉर्ट ड्रेस के साथ हाई हील्स, खुले बाल और ग्लासी मेकअप के कॉम्बिनेशन के साथ कृति सेनन ने कैमरे के लिए एक से बढ़कर एक पोज दिए।

भारत ने बनाया सबसे ताकतवर रॉकेट का इंजन

अमेरिका की धमकी पर टेक्नीक देने से मुकर गया था रूस

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बात 1993 की है। जब अमेरिका के धमकाने पर रूस समेत कुछ ताकतवर देश भारत को क्रायोजेनिक इंजन की टेक्नीक देने से पीछे हट गए, लेकिन इन ताकतवर देशों के मंसूबों पर पानी फेरते हुए भारत ने कुछ सालों की मेहनत के बाद खुद का क्रायोजेनिक इंजन विकसित कर लिया। अब 9 नवंबर को इंडियन स्पेस एंड रिसर्च आर्गेनाइजेशन, यानी इसरो ने अपने सबसे ताकतवर सीई20 क्रायोजेनिक इंजन का सफल टेस्ट करते हुए इस टेक्नीक में एक नई ऊंचाई हासिल करने में कामयाबी पाई है।

इसरो ने जो इंजन तैयार किया है, उसकी खासियत क्या है?

इसरो ने 9 नवंबर को सीई20 क्रायोजेनिक इंजन का सफलतापूर्वक हॉट टेस्ट किया है। सीई20 क्रायोजेनिक इंजन को देश में ही बनाया गया है। क्रायोजेनिक इंजन को भारत के सबसे ताकतवर रॉकेट एलवीएम3 के लिए बनाया गया है। इसरो का कहना है कि इस टेस्ट के दौरान इंजन ने पहले 40 सेकेंड में 20 टन के थ्रस्ट लेवल यानी धक्के के साथ काम किया। इसके बाद थ्रस्ट कंट्रोल वॉल्व को मूव करके थ्रस्ट लेवल को 21.8 टन तक बढ़ाया गया। सभी मामलों में इंजन कामयाब रहा। 21.8 टन थ्रस्ट का मतलब है कि ये इंजन रॉकेट के वजन समेत 21.8 टन, यानी करीब 22 हजार किलो वजन को लिफ्ट कर सकता है।

क्रायोजेनिक इंजन होता क्या है?

आमतौर पर सैटेलाइट लॉन्च करने तक रॉकेट इंजन तीन प्रमुख स्टेज से गुजरते हैं। पहले स्टेज में इंजन में सॉलिड रॉकेट बूस्टर्स का इस्तेमाल होता है। इसमें इंजन में सॉलिड फ्यूल होता है। इस स्टेज के बाद जब सॉलिड फ्यूल जलकर रॉकेट को आगे बढ़ाता है तो ये हिस्सा रॉकेट से अलग होकर गिर जाता है। दूसरे स्टेज में लिक्विड फ्यूल इंजन का इस्तेमाल होता है। लिक्विड फ्यूल के जलने, यानी दूसरी स्टेज पूरी होते ही ये हिस्सा भी रॉकेट से अलग हो जाता है। तीसरे और आखिरी स्टेज में क्रायोजेनिक इंजन का इस्तेमाल होता है, जो स्पेस में काम करता है। इसे क्रायोजेनिक स्टेज भी कहते हैं। क्रायो शब्द का मतलब होता है बेहद कम तापमान। यानी ऐसा इंजन, जोकि बेहद कम तापमान पर काम करे उसे क्रायोजेनिक इंजन कहते हैं। क्रायोजेनिक इंजन में फ्यूल के रूप में लिक्विड ऑक्सीजन और लिक्विड हाइड्रोजन का इस्तेमाल होता है। इसे क्रमशः -183 डिग्री और -253 डिग्री सेंटीग्रेड पर स्टोर किया जाता है। इन गैसों को लिक्विड में बदलकर उन्हें जीरो से भी कम तापमान पर स्टोर किया जाता है।

क्रायोजेनिक इंजन बनाने में भारत किन चुनौतियों का सामना किया

शुरू में क्रायोजेनिक इंजन की टेक्नीक अमेरिका, रूस, जापान जैसे कुछ चुनिंदा देशों के पास ही थी। भारत ने क्रायोजेनिक इंजन बनाने की कोशिशें 1980 के दशक में शुरू की थीं। इसके लिए भारत ने रूस के साथ समझौता किया था। 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिका के दबाव की वजह से 1993 में रूस ने भारत को क्रायोजेनिक इंजन की टेक्नीक देने से इनकार कर दिया। अमेरिका का कहना था कि भारत क्रायोजेनिक इंजन का इस्तेमाल मिसाइल बनाने में करेगा।

थाने पर विक्षिप्त महिला का हंगामा

पत्थर उठाकर पुलिस को दी जान से मारने की धमकी, वीडियो वायरल

शाजापुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। शाजापुर जिले के सोमवारिया बाजार में स्थित महिला थाने के पुलिसकर्मी इन दिनों एक विक्षिप्त महिला के हंगामे से परेशान है। विक्षिप्त महिला आये दिन थाने पहुंच रही है और पत्थर उठाकर पुलिसकर्मियों को जान से मारने की धमकी दे रही है। महिला का थान में हंगामा करते हुए वीडियो भी वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि महिला ने चार अक्टूबर को एक आवेदन दिया था, जिसमें उसने पति द्वारा इलाज न कराने और घर से निकाल देने की शिकायत पुलिस से की थी, लेकिन महिला थाने की तरफ से विक्षिप्त महिला के आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिससे महिला नाराज है और थाने में पहुंचकर हंगामा कर रही है। महिला थाना प्रभारी पार्वती गौड़ ने बताया महिला पूजा पति बलराम विक्षिप्त है और दो तीन दिन से थाने पर आकर हंगामा कर रही है, पत्थर मार रही है। महिला ने पति के द्वारा इलाज न कराने का आवेदन दिया था, आवेदन पर पति को बुलाकर इलाज कराने की समझाइश दी थी। महिला का इलाज भी चल रहा है। विक्षिप्त महिला के कारण थाने में दहशत का माहौल है। बीते दो-तीन दिन से महिला इस तरह की हरकतें कर रही है। महिला थाना प्रभारी पार्वती कोर्ट ने बताया कि महिला को काफी समझाइश दी किंतु मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण वह इस तरह की हरकतें कर रही है।

दस लाख रुपये अनुग्रह राशि वाले एचसी के आदेश पर एससी का स्टे

2015 से पहले के शहीद आश्रितों को फिलहाल अनुग्रह राशि नहीं

देहरादून, 11 नवंबर (एजेंसियां)। वर्ष 2015 से पहले शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों को फिलहाल 10 लाख रुपये अनुग्रह राशि देने के हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लग गई। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए यथास्थिति रखने के आदेश दिए हैं। सैनिक कल्याण निदेशालय ने इस बाबत सरकार को विस्तृत रिपोर्ट भेजी है। अपर सचिव-सैनिक कल्याण सीएस धर्मशक्तू को भेजे पत्र में बताया है कि चार नवंबर को अनुग्रह राशि से जुड़े सभी आठ प्रकरणों में सुप्रीम कोर्ट ने स्टे कर दिया है।

2014 में लागू हुई थी नई व्यवस्था

यह है मामला मुल्क की सरहदों की सुरक्षा करते हुए शहीद होने वाले सैनिकों के परिजनों की सहायता के लिए सरकार ने पांच मार्च 2014 को नई व्यवस्था लागू की थी। इसके तहत शहीद के परिवार को तत्काल 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाने लगी, लेकिन इस जीओ के जारी से होने से पहले शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों ने भी अनुग्रह राशि के लिए दावा किया है। इसके लिए वह हाईकोर्ट चले गए।

हाईकोर्ट ने अनुग्रह राशि देने का दिया था आदेश

हाईकोर्ट ने वर्ष 2015 से पहले शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों को भी दस लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का आदेश दिया था। इसे अब सुप्रीम कोर्ट ने स्टे कर दिया है। वित्तीय बोझ से सरकारउलझन में सरकार का मानना है कि यदि हाईकोर्ट का आदेश माना गया तो राज्य पर वित्तीय बोझ काफी ज्यादा बढ़ जाएगा।

21 सालों में शहीद हुए 267 जवान

दरअसल वर्ष 2001 से अब तक राज्य के 267 जांबाज सैनिक भारतमता की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे चुके हैं। इससे पहले के शहीदों को भी देखा जाए तो कुल शहीद सैनिकों के परिवारों यह संख्या 1700 से भी ज्यादा है। एक मामले में अनुग्रह राशि देने पर यह नजीर बन सकता है। इससे भारी वित्तीय बोझ पड़ेगा। दूसरा, यह व्यवस्था मार्च 2015 से लागू हुई थी। इसलिए इस अवधि से पहले मान्य नहीं किया जा सकता।

अनुग्रह राशि में किया जाएगा इजाफा

शहीदों के परिजनों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि में इजाफा भी प्रस्तावित है। सरकार ने सैनिक कल्याण निदेशालय से ने राज्यो से तुलना करते हुए वृद्धि का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए हैं। सूत्रों के अनुसार कुछ समय पहले निदेशालय अनुग्रह राशि को 10 लाख रुपए से बढ़ाने की सिफारिश कर चुका है। अब दूसरे राज्यों से तुलना करते हुए राशि तय की जा रही है।

फरीदाबाद में दोस्त की दरिंदगी

गर्लफ्रेंड के हाथ-पैर तोड़कर सड़क पर फेंका, इलाज के दौरान मौत

फरीदाबाद, 11 नवंबर (एजेंसियां)। फरीदाबाद में डबुआ चौक निवासी 19 वर्षीय युवती की उसके दोस्त ने संजय कॉलोनी में बुधवार देर रात गली में घसीटते हुए तेजधार हथियार से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। युवती रातभर गली में तड़पती रही। युवती को भाई ने गुरुवार सुबह अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई। मुजेसर थाना पुलिस ने युवती के भाई की शिकायत पर उसके दोस्त के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। यह वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। हत्या की वजह का अभी कुछ पता नहीं चल सका है। बताया गया कि जिस वक्त रोशनी नामक युवती पर युवक हमला कर रहा था, उस वक्त वहां फैक्ट्री के दो कर्मचारियों ने उसे रोका था। युवक ने दोनों को जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया। इसके बाद हमलावर युवक युवती के हाथ-पैर तोड़कर फरार हो गया। युवती गुरुवार सुबह करीब 530 बजे तक गली में घायलावस्था में पड़ी रही। जब वहां से कुछ राहगीर गुजरे तो युवती ने उनसे मदद की गुहार लगाई। इस पर उन्होंने युवती की उसके भाई से फोन पर बात करवाई। इस भाई और बाकी परिजन मौके पर पहुंच गए। उन्होंने युवती को बीके अस्पताल में भर्ती करवाया। करीब 930 युवती ने दम तोड़ दिया। एसीपी (मुजेसर) दलवीर सिंह ने कहा कि युवती पर चाकू से वार किया गया था। हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है।

चोरी पर तालिबानी सजा

बोरिंग मशीन से बांध उल्टा लटका कर पिटाई

उज्जैन, 11 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले की तहसील इंगोरिया थाना क्षेत्र का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है वीडियो में एक व्यक्ति ने उसके साथियों के साथ मिलकर बोरिंग लिफ्टर मशीन पर युवक को चोरी के आरोप में उल्टा लटका कर युवक के हाथ पैर बांध कर उसकी लाठी से बेरहमी से पिटाई की। पिटाई भी ऐसी की जैसे मानो कोई तालिबानी सजा दी जा रही हो। वीडियो में फरियादी कहता हुआ दिख रहा है कि में तेरा मामा हु मत मार में मर जाऊंगा लेकिन व्यक्ति उसकी लगातार पिटाई करता जा रहा है।युवक की बेहरमी से पिटाई का 23 सेकंड का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने पर पुलिस के संज्ञान में आने के बाद पुलिस ने कार्यवाही की बात की है। बताया जा रहा है। करीब एक हफ्ते पुराने वीडियो अर्जुन मोंगिया ने खेत में पड़ी तलवार चोरी का आरोप लगाकर एक युवक को बोरिंग मशीन से बांधकर लटका दिया और डंडे से बेरहमी से पीटा। वीडियो में दिखाई दे रहा है की कुछ लोग उक्त युवक को बचाने भी आते है। चोरी की घटना में अर्जुन ने पुलिस में शिकायत नहीं की बल्कि खुद ही तालिबानी सजा देने का फ़ैसला कर लिया और युवक को जमकर पीटा।

दुष्कर्म के दोषी पिता को 20 साल का कठोर कारावास

शिमला, 11 नवंबर (एजेंसियां)। दुष्कर्म के आरोपी पिता को 20 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश मंडी पंकज शर्मा ने करसोग निवासी को इस घिनौने कार्य का दोषी पाया है। अदालत ने कठोर कारावास के साथ एक लाख रुपये जुर्माना भी लगाया है। 19 जुलाई 2021 को पीड़ित की मां ने पुलिस को शिकायत की कि उसके पति ने बेटी के साथ दो बार दुष्कर्म किया। आरोप लगाया था कि आरोपी ने शराब के नशे में बच्ची के साथ दुष्कर्म किया है। मां की शिकायत पर पुलिस ने दोषी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 और पोक्सो अधिनियम की धारा 4 के तहत मामला दर्ज किया।

शेरा की एंट्री पर नरोत्तम बोले हे

नाथ यदुवंशियों से इतनी दूरी क्यों! कांग्रेस का पलटवार

भोपाल, 11 नवंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 20 नवंबर को मध्य प्रदेश पहुचेंगी। कमलनाथ ने निर्दलीय विधायक सुरेंद्र सिंह शेरा को अरुण यादव की जिम्मेदारी सौंपी है। इस पर सियासत भी तेज हो गई है। इसको लेकर शुक्रवार को गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने तंज करते कहा कि हे नाथ यदुवंशियों से इतनी दूरी क्यों! कांग्रेस की तरफ से निर्दलीय विधायक सुरेंद्र सिंह शेरा को भारत जोड़ो यात्रा का बुरहानुपर और खंडवा जिले में यात्रा की सभी व्यवस्था का प्रभारी नियुक्ति किया है। इसको लेकर संगठन प्रभारी और उपाध्यक्ष चंद्रप्रभाष शेखर ने शेरा को पत्र लिखा है। इस पर ही गृहमंत्री ने कांग्रेस और कमलनाथ पर तंज किया। इससे पहले कमलनाथ ने यात्रा के बुरहानुपर और खंडवा में प्रवेश की जिम्मेदारी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव को सौंपी थी। अब निर्दलीय विधायक सुरेंद्र सिंह शेरा को उनकी जिम्मेदारी दे दी गई है। ऐसे में यादव के पास सिर्फ मॉनीटरिंग की जिम्मेदारी बची है। गृहमंत्री के बयान पर कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने पलटवार कर कहा नरोत्तम मिश्रा को प्रदेश की कानून व्यवस्था की चिंता करनी चाहिए। प्रदेश गुड्डे बदमाश का अभ्यारण्य बना हुआ है। उनको इस पर ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस का कुटुंब संभालने के लिए हमारें प्रधान कमलनाथ जी सक्षम है। उनको चिंता करने की जरूरत नहीं है। राहुल गांधी की यात्रा की प्रशासनिक व्यवस्था और मंजूरियों की जिम्मेदारी डॉ. गोविंद सिंह, यात्रा की योजना का काम सुरेश पचौरी, उप यात्राओं के समन्वय का काम अजय सिंह को सौंपा गया है। यात्रा में 9 दिन का समय बचा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ खुद तैयारियों की मॉनीटरिंग और प्रतिदिन चर्चा कर रहे हैं। राहुल गांधी की यात्रा प्रदेश में 13 दिन में 382 किमी चलेंगी। यात्रा बुरहानुपर से प्रवेश करेंगी और आगर मालवा से राजस्थान में निकल जाएगी।

फिरोजपुर जेल में गैंगस्टर्स को ड्रोन से पहुंचाए मोबाइल फोन, जेल का डिप्टी सुपरिंटेंडेंट गिरफ्तार

फिरोजपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। फिरोजपुर जेल में गैंगस्टर, तस्करों और कैदियों को मोबाइल फोन और नशीले पदार्थ बेचने के आरोप में थाना सिटी पुलिस ने जेल के डीएसपी डिप्टी सुपरिंटेंडेंट के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि इसने ड्रोन के जरिए जेल की हाई सिक्योरिटी जोन में मोबाइल भेजे हैं। गैंगस्टरों से इसके बदले भारी धनराशि वसूली गई है। जेल मंत्री हरजोत बैंस ने कहा कि केंद्रीय जेल फिरोजपुर के उपाधीक्षक गुरचरण धालीवाल को एनडीपीएस अधिनियम, आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है।

पंजाब में डेरा प्रेमी को मारी गई थीं 60 गोलियां

हरियाणा के 3 शूटर अरेस्ट, गोल्डी बराड़ ने ली जिम्मेदारी...साजिश में आईएसआई भी

चंडीगढ़, 11 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के फरीदकोट में डेरा प्रेमी प्रदीप सिंह की हत्या मामले में दिल्ली पुलिस ने 3 शूटर को गिरफ्तार किया है। इन शूटर्स के साथ पुलिस की मुठभेड़ भी हुई। इन्हें पटियाला के बख्शीवाला गांव से पकड़ा गया है। इनमें 2 शूटर रोहतक और एक भिवानी का रहने वाला है। सूत्रों के मुताबिक पकड़े गए शूटर में 2 नाबालिग

हैं, जबकि एक शूटर की पहचान जतिंदर जीतू के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक शूटरों ने डेरा प्रेमी प्रदीप पर 60 गोलियां चलाई थीं। हत्या की जिम्मेदारी गोल्डी बराड़ ने ली है। सूत्रों के मुताबिक इस हत्याकांड के पीछे पाकिस्तान खुफिया एजेंसी आईएसआई का दिमाग है, जिसने आतंकी रिंदा के जरिए डेरा प्रेमी की हत्या करवाई है। कुछ दिन पहले ही रिंदा और गोल्डी बराड़ ने समझौते के तहत हाथ मिलाया था। सोशल मीडिया पोस्ट में गोल्डी बराड़ के नाम से दावा किया गया कि उन्हें बेअदबी केस में इंसाफ नहीं मिला, इसलिए ऐसा करना पड़ा। इस पोस्ट में गनमैन के घायल होने पर अफसोस जताया। बेअदबी के आरोपियों की सुरक्षा देने पर सवाल उठाए गए। हालांकि, यह पोस्ट बराड़ ने की या किसी और ने, पंजाब पुलिस की साइबर सेल इसकी जांच कर रही है।

आतंकियों ने बदली कश्मीर में हथियार पहुंचाने की रणनीति

ऐसे देते हैं नापाक मंसूबों को अंजाम

जम्मू, 11 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान में बैठे आतंकी हैंडलरों ने कश्मीर में आतंकियों तक हथियार पहुंचाने की रणनीति बदल दी है। इसकी सबसे बड़ी वजह आतंकी चेन को सुरक्षित रखना और एजेंसियों को भनक न लगने देना है। एक वजह यह भी है कि यदि हथियारों को ले जाते पकड़े भी जाएं तो सुरक्षा एजेंसियों को यह पता न लगे कि इनको हथियार दिए किसने और आगे लेने वाला कौन है। जम्मू में पिछले एक साल से कुछ ऐसा ही हो रहा है। पाकिस्तान में बैठे आतंकी हैंडलर ड्रोन के जरिए हथियार भेजते हैं। इसके बाद इन हथियारों को आतंकी मददगार कहीं छुपाकर रख देते हैं। इसकी पूरी लोकेशन और रूट का वीडियो बनाया जाता है। यहीं वीडियो एक व्हाट्सएप पर गूगल मैप की लोकेशन के साथ अन्य आतंकी मददगार तक पहुंचाया जाता है। वह इसे देखकर हथियार लेता है और इन्हें लेकर चला जाता है।

केस 1-29 अप्रैल 2022 को सिद्दड़ा हाइवे के पास दो मैग्नेटिक आईईडी बरामद की गईं। इन आईईडी को बैग में छुपाकर रखा गया था। इसके पहले कि इन्हें ले जाया जाता। पहले ही पुलिस को पता चल गया।

केस 2-27 जून 2021 को बठिंडी में 5 किलो की आईईडी बरामद की गई। इस आईईडी को रामबन के बनिहाल के रहने वाले नदीम उल हक ने रिसीव किया था। यह आईईडी ड्रोन से भेजी गई थी। इसके बाद इसे बठिंडी में छुपाकर रखा गया। इसकी लोकेशन नदीम को उसके व्हाट्सएप पर भेजी थी।

केस 3-14 फरवरी 2021 को जम्मू के बस स्टैंड पर पुलवामा के रहने वाले सुहेल बशीर से 7 किलो आईईडी बरामद की गई। इस आईईडी को बशीर ने सिद्दड़ा के पास रेस्तरां के बाहर से उठाया था। इसकी लोकेशन उसे पाकिस्तानी हैंडलरों ने व्हाट्सएप पर भेजी थी।

केस 4-26 जुलाई 2022 को नरवाल जम्मू में पंजाब के 3 तस्करों को 12 किलो हेरोइन और 14 लाख रुपये की नकदी के साथ पकड़ा। यह सब ड्रोन से आतंकियों ने भेजा था। इसकी लोकेशन भी व्हाटसएप पर भेजी गई।

केस 5-8 और 9 नवंबर की रात नरवाल के पास तीन आतंकी गिरफ्तार किए गए। इनके पास से 3 राइफल, ग्रेनेड और पिस्टल बरामद की गई। इसे भी ड्रोन के जरिए भेजा गया। इसकी लोकेशन व्हाट्सएप पर भेजी गई। जानकारी के अनुसार इस समय आतंकियों तक हथियार और विस्फोटक पहुंचाने के लिए हाइवे और इसके पास के लगते इलाकों को चुना गया है। बरामद किए गए विस्फोटक और हथियार कुंजवानी से नगरोटा हाइवे या फिर इसके पास से बरामद किए गए हैं। दरअसल, हाइवे से इनको लेने और आगे ले जाने में आसानी हो जाती है। इसलिए आतंकी हैंडलर इनको हाइवे के आसपास ही रख रहे हैं। जानकारी के अनुसार आतंकी अब सीधे तौर पर सीमा पार से भेजे जाने वाले हथियारों के साथ अपने मददगारों को कश्मीर नहीं भेज रहे। अब आतंकी हैंडलर पहले ड्रोन से हथियार और विस्फोटक भेजते हैं।

इसका एक वीडियो बनाकर मददगार तक पहुंचाया जाता है। यह मददगार खेप को लेकर हाइवे तक पहुंचाता है। जिसका फिर से एक वीडियो बनता है जो अगले मददगार तक पहुंचता है। यह मददगार खेप ले जाता है। इसका एक और वीडियो भेजा जाता है, जिसके जरिए यह खेप वीडियो में शामिल लोकेशन पर छोड़ देता है।

भोपाल में अग्निवीर भर्ती के दौरान 2 भाइयों की मौत

कारण अज्ञात, दौड़ते समय हुए ये दोनों बेहोश

भोपाल, 11 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के रहने वाले 2 भाइयों की मौत सेना भर्ती के लिए दौड़ लगाने के बाद एक ही तरीके से हो गई। एक हफ्ते के अंदर दोनों भाइयों की मौत हुई है। दोनों ही भाइयों को बचपन से ही आर्मी में भर्ती होने का बहुत जुनून था। इसके लिए वह काफी दिनों से तैयारियां भी कर रहे थे। दोनों भाइयों के नाम रूपेंद्र और अंकित बताया जा रहा है। दरअसल भोपाल में अग्निवीरों की भर्ती में हिस्सा लेने रूपेंद्र 29 अक्टूबर को भोपाल पहुंचा। यहां वो दौड़ प्रतियोगिता में शामिल भी हुआ, लेकिन दौड़ के बाद वो बेहोश हो गया। जिसके बाद तुरंत ही उसे अस्पताल ले जाया गया और परिजनों को सूचना दी गई। लेकिन उसके परिजन उसे लेकर बैतूल लेकर आ गए और यहां के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान रूपेंद्र ने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि जिस दौरान रूपेंद्र अस्पताल में भर्ती था तभी अंकित भी सेना में भर्ती रैली में शामिल होने भोपाल पहुंचा था। यहां भर्ती के दौरान दौड़ प्रतियोगिता में शामिल होने के बाद उसकी भी वैसी ही तबीयत बिगड़ी जैसी बड़े भाई रूपेंद्र की बिगड़ी थी। परिजन उसे भी लेकर बैतूल पहुंचे और निजी अस्पताल में भर्ती किया। लेकिन अंकित ने भी दम तोड़ दिया। वहीं दोनों भाइयों की एक जैसी परिस्थितियों में हुई मौत से घरवाले हैरान हैं। बैतूल में हुई रूपेंद्र की मौत के बाद डॉक्टर भी समझ नहीं पा रहे हैं कि आखिर उसकी मौत की वजह क्या है। रूपेंद्र का इलाज करने वाले डॉक्टर ने बताया कि उसकी दोनों किडनी खराब हो चुकी थीं।

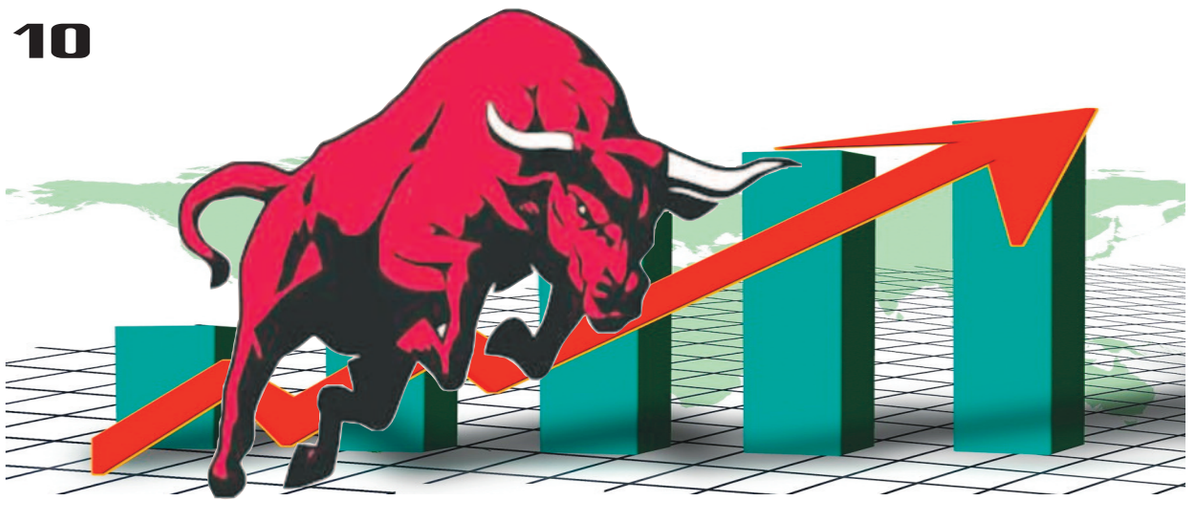

एलन मस्क की परेशानियां बढ़ीं

ट्विटर के दिवालिया होने की संभावना जताई

सीनियर ऑफिसर्स के लगातार इस्तीफों से डर बढ़ा

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। ट्विटर के नए मालिक एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के दिवालिया होने की संभावना जताई है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया के सबसे अमीर आदमी एलन मस्क ने ट्विटर के कर्मचारियों से कहा है कि कंपनी के दिवालिया होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। मस्क ने 2 हफ्ते पहले माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर को 44 अरब डॉलर में खरीदा था। इस डील के बाद क्रेडिट एक्सपर्ट्स ने तभी कह दिया था कि इस महंगे सौदे का ट्विटर की फाइनेंशियल कंडीशन पर सीधा असर होने वाला है।

ट्विटर के 2 बड़े एग्जीक्यूटिव्स ने अपने पद से इस्तीफा दिया

मामले से जुड़े एक व्यक्ति ने रॉयटर्स को बताया कि ट्विटर के 2 बड़े एग्जीक्यूटिव्स योएल रोथ और रॉबिन व्हीलर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बुधवार को मस्क के साथ ट्विटर स्पेस चैट को मॉडरेट किया, जहां विज्ञापनदाताओं के दूर होने की चिंताओं को शांत करने की कोशिश की गई थी। बताया जा रहा है कि रोथ और व्हीलर ने इसे लेकर पूछे गए सवालों पर फिलहाल अब तक कोई कमेंट नहीं किया है।

चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर समेत 3 अधिकारियों का रिजाइन

इससे पहले गुरुवार को ट्विटर की चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर ली किसनेर ने ट्वीट करके बताया था कि वे अपने पद से इस्तीफा दे रही हैं। इतना ही नहीं चीफ प्राइवेसी ऑफिसर डैमिन किरान और चीफ कंप्लायंस ऑफिसर मैरिएन फोगार्टी भी रिजाइन कर चुके हैं। इन सभी इस्तीफों ने भी ट्विटर की खराब फाइनेंशियल कंडीशन की ओर इशारा किया है।

कंपनी को अगले साल अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है: मस्क

अमेरिकी फेडरल ट्रेड कमीशन का कहना है कि प्राइवेसी और कंप्लायंस ऑफिसर के इस्तीफे के बाद वह ट्विटर पर नजर रखे हुए हैं।

भारत में ट्विटर ब्लू के लिए 719 रुपए

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में कुछ ट्विटर यूजर्स को गुरुवार रात ब्लू सब्सक्रिप्शन के लिए एपल ऐप स्टोर पर पॉप-अप मिला। इसमें ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन की मासिक कीमत 719 रुपए बताई गई। हालांकि कीमत अभी भी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई है। ट्विटर यूजर्स ने इस बात पर हैरानी जताई की ये कीमत अमेरिका में लिए जाने वाले चार्ज से भी ज्यादा है।

अमेरिका में ब्लू सब्सक्रिप्शन की कीमत 660 रुपए

एलन मस्क ने अमेरिका में ट्विटर ब्लू की कीमत 8 डॉलर (करीब 660 रुपए) रखी है। जब उन्होंने इसकी घोषणा की थी को कहा था कि इसकी कीमत अलग-अलग देशों में उसकी पर्चेजिंग पावर के अनुसार होगी। ऐसे में माना जा रहा था कि भारत में ये सर्विस 150-200 रुपए में लॉन्च हो सकती है। लेकिन अगर एपल ऐप स्टोर पर 719 रुपए की इस कीमत पर विश्वास किया जाए, तो भारतीय यूजर्स की पर्चेजिंग पावर से काफी ज्यादा है।

एनपीएस में जमा पैसे पर वित्त मंत्री का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि राष्ट्रीय पेंशन योजना में जमा पैसा इसमें योगदान करने वाले व्यक्तियों का है और कानून के तहत राज्य सरकारें इसे नहीं ले सकतीं. वित्त मंत्री ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने से जुड़े सवालों के जवाब में कहा कि जो राज्य पुरानी पेंशन प्रणाली में वापस आ गए हैं, वे राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली से संचित कोष को वापस नहीं ले सकते क्योंकि ये धन कानून के अनुसार कर्मचारियों के हैं।

सीतारमण ने कहा कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ सरकारें केंद्र से पैसा लौटाने के लिये कह रही हैं, कानून के तहत ऐसा नहीं हो सकता. हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में ओल्ड पेंशन स्कीम की बहाली का मुद्दा गरमाया हुआ है. गुरुवार को राजधानी शिमला पहुंची जहां उन्होंने कहा कि एनपीएस कर्मियों की तनख्वाह से काटे जा रहे पैसे पर राज्य सरकार का नहीं बल्कि कर्मचारियों का सीधा अधिकार है. केंद्र सरकार राज्य सरकारों को यह पैसा नहीं दे सकती। बता दें कि छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने हाल ही में कहा था कि केंद्र ने एनपीएस के तहत नामांकित राज्य सरकार के कर्मचारियों के 17,000 करोड़ रुपये के एनपीएस कॉर्पस को वापस करने से इनकार कर दिया है. एनपीएस कॉर्पस की देखरेख पेंशन नियामक करता है और इसका प्रबंधन विभिन्न फंड मैनेजर करते हैं. साथ ही, राज्य सरकार के कर्मचारियों द्वारा एनपीएस से निकासी पूरी तरह से संभव नहीं होगी।

पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के नियमों के अनुसार, एक ग्राहक नामांकन के पांच साल बाद एनपीएस कोष का 20% वापस ले सकता है. शेष 80% को एक वार्षिकी योजना में निवेश किया जाना है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला	में	कन्या..	02-27 बजे
चंद्र-	मिथुन	में	तुला-	04-33 बजे
मंगल	मिथुन	में	वृश्चिक	06-43 बजे
बुध-	तुला	में	धनु---	08-56 बजे
गुरु-	मीन	में	मकर-	11-02 बजे
शुक्र-	तुला	में	कुंभ-	12-53 बजे
शनि-	मकर	में	मीन...	14-31 बजे
राहु-	मेष	में	मेष--	16-07 बजे
केतु-	तुला	में	वृष--	17-52 बजे
			मिथुन..	19-53 बजे
			कर्क...	22-04 बजे
			सिंह...	00-17 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- पूर्व-अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी **- 22-25** तक उपरान्त, पंचमी
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष **,** शनिवार **Nov 12**
नक्षत्र - मृगशिरा **- 07 - 32 -** तक उपरान्त आर्द्रा
योग - सिद्ध **-22 - 01 -** तक उप- साध्य
करण- बव **- 09 - 18 -** तक,उप- बालव
विशेष:- चतुर्थी व्रत
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
09:10 से
10:35 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया	
काल	06:23 - 07:45	अशुभ	लाभ.	17:40 - 19:15 शुभ
शुभ	07:45 - 09:10	शुभ	उत्पात	19:15 - 20:50 अशुभ
रोग	09:10 - 10:35	अशुभ	शुभ	20:50 - 22:25 शुभ
उत्पात	10:35 - 12:00	अशुभ	अमृत	22:25 - 00:00 शुभ
चंचल	12:00 - 13:25	शुभ	चंचल	00:00 - 01:36 शुभ
लाभ	13:25 - 14:50	शुभ	रोग	01:36 - 03:11 अशुभ
अमृत	14:50 - 16:15	शुभ	काल	03:11 - 04:46 अशुभ
काल	16:15 - 17:37	अशुभ	लाभ	04:46 - 06:23 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनीं तय है। दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे। अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें।सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा।

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आज का दिन बहुत व्यस्त रहेगा।बहुत सारे काम कतार में हैं। हालाँकि आप अपनी तरफ से उन सब कामों को निपटाने की पूरी कोशिश करेंगे फिर भी सम्भावना यही है कि सब काम पूरे नही हो पायेंगे और आपको इस कारण तनाव होगा।काम पूरे करने में और किसी की सहायता लेने से ना हिचकें।

मिथुन का की कू घ ङ छ के को ङा

आज दुविधा और उलझन की स्थिति बनी रहेगी।लेकिन यह बस उपरी आवरण है जैसे ही स्थिति साफ़ होगी,आप वास्तविकता को देख पाएंगे। शुरुआत में सब कुछ उलझा हुआ सा लगेगा ,लेकिन समय के साथ साथ सब ठीक होगा,अपना समय लें और चलते रहें।आपको सफलता मिलेगी।

कर्क डी डू डे डो डा डी डू डे डो

पिछले कुछ समय से आप आवेग के प्रभाव में आकर फैसले ले रहें हैं,लेकिन आज आपको योजना बनाकर सही ढंग से काम करने की महता का पता चलेगा।इसी से आपकी प्रवृति बदल जायेगी और आपके काम का ढंग नियोजित होता जाएगा।योजना बनाने के लिए कभी देर नही होती,जब जागो तभी सवेरा।

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आप आज होने वाली घटनाओं के कारण और कई तरह की उलटी -सीधी सूचनाओं के कारण खुद को उलझन में फंसा हुआ अनुभव करेंगे।इस समय आपका सही मार्गदर्शन आपके मन की आवाज ही कर सकती है।जैसा आपका मन कहता है ,वैसा ही करें।इससे आपको काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

विचार ना करें कि अप्रत्याशित घटनाएँ क्यों हो रही हैं या बहुत देर क्यों हो रही है ये आपके भले के लिए भी हो सकता है जिसके फायदे अभी आपको दिखाई नही दे रहे हैं।अपनी बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया प्रयोग करें। इससे आपको भी अपने रोजमर्रा के नियमित कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी।

तुला र री रु रे रो ता ती तू ते

किसी भी काम को तुरंत तैयार होकर शुरू करने से पहले गंभीरता से तर्क की कसौटी पर परख लेना ही ठीक होगा।आपके लिए कल्पनात्मक सा समय है।इसीलिए रोमांस का आनंद लें।रोमांस में कल्पना लाने से आपके लिए अच्छा होगा लेकिन अगर आप ऑफिस में भी यही करने की कोशिश करेंगे तो परिणाम अच्छे नही होंगे।

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

अपनी बढ़ी हुई जिम्मेदारियों से परेशान हैं,लेकिन अभी आपको कोई राहत मिलती दिखाई नही दे रही।सबसे अच्छा यही है की आप शिकायत करना छोड़कर अपने कामों को पूरा करें।जितनी जल्दी पूरा करेंगे उतनी ही जल्दी बोझ कम होता जाएगा। लेकिन इसका अर्थ यह भी नही है कि आपको इसे लापरवाही से पूरा करना है।

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें। आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं। आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा। अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं।यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें इससे आप सही फैसले ले पायेंगे।आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है।उनके साथ अच्छा समय बिताएं।यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है।

कुंभ गू गे गो सा शी सू से सो दा

आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है।इससे एक खूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है।थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगे।

मीन दी दू थ झ ञ के झे चा ची

ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है की आपको सुधार करने एवं स्वस्थ होने का विशेष अवसर मिलने वाला है।आप भूतकाल में की हुई अपनी किसी गलती को स्वीकार कर लेंगे और सामने वाले को संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे।ऐसा करके आप अपने दिल से काफी बड़ा बोझ उतार पायेंगे।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

अभी और रुलाएगा खाने वाला तेल, दामों में हुई 15 से 30 रुपये तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। त्योहारी सीजन के बीतने के बाद भी खाने के तेल में तेजी बरकरार है। जबकि आमतौर पर त्योहारों के खत्म होने के बाद खाद्य तेलों के दाम घट जाते हैं। हालांकि इस बार तेलों में तेजी की वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में इजाफा होना है। इसकी वजह रूस-यूक्रेन के बीच बढ़ते तनाव को बताया जा रहा है। कारोबारियों के मुताबिक आगे भी खाद्य तेलों के दाम वैश्विक हालात पर निर्भर करेंगे। हालांकि अभी त्योहार का सीजन गुजरा है, जिसमें डिमांड बढ़ी थी। वहीं आगे भी ऐसी ही डिमांड बनी रहेगी क्योंकि शादी का सीजन शुरू हो गया है। ऐसे में तेल के दाम बढ़ना लाजमी हैं। लेकिन बाजार में तेल प्रचुर मात्रा में तेल उपलब्ध है।

बीते एक महीने के दौरान देश में खाद्य तेलों के दाम 15 से 30 रुपये किलो बढ़ चुके हैं। महीने भर में रिफाइंड सोयाबीन तेल के थोक भाव 120-125 रुपये से बढ़कर 140-145 रुपये, सरसों तेल के भाव 130-135 रुपये से बढ़कर 145-150 रुपये, सूरजमुखी तेल के भाव 130-135 रुपये से बढ़कर 160-165 रुपये प्रति लीटर हो चुके हैं। इस दौरान आयातित पामोलीन तेल के भाव 90-95 रुपये से बढ़कर 105-110 रुपये प्रति किलो तक पहुंच चुके हैं। सेंट्रल ऑर्गेनाइजेशन फॉर ऑयल इंडस्ट्री एंड ट्रेड से जुड़े कारोबारियों का कहना है कि रूस-यूक्रेन के बीच तनाव से अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद्य तेलों की कीमतों में तेजी आई है। भारत में खाद्य तेलों के दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार पर काफी निर्भर करते हैं। लिहाजा अंतरराष्ट्रीय तेजी के कारण देश में भी खाद्य तेलों के दाम बढ़े हैं। खाद्य तेलों में महीने भर में 15 से 30 रुपये प्रति लीटर की तेजी आ चुकी है। अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ से जुड़े लोगों का कहना है कि त्योहारी मांग कमजोर पड़ने से दिवाली बाद खाद्य तेल सस्ते होने की उम्मीद थी। लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में दाम बढ़ने से घरेलू बाजार में भी खाद्य तेल महंगे हुए हैं।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। तेल कंपनियों ने आज के लिए पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। आज कंपनियों ने दिल्ली और चेन्नई में तेल के दामों में बदलाव किया है। सरकार ने कुछ महीने पहले पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाने की घोषणा की थी। देश में तेल के दाम लगभग पिछले 3 महीने से ज्यादा समय से स्थिर हैं। आज दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 111.35 रुपये व डीजल की कीमत 97.28 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

मूडीज ने 2022-23 के लिए भारत की जीडीपी का अनुमान घटाया

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी मूडीज ने चालू वर्ष और अगले वर्ष के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को घटा दिया है। मूडीज का कहना है कि लगातार बढ़ती महंगाई, ऊंची ब्याज दरें और वैश्विक विकास के धीमा पड़ने से अर्थव्यवस्था की चाल पूर्व में दिए गए अनुमानों की तुलना में धीमी पड़ सकती है। मूडीज ने कहा है कि उसके ताजे अनुमान के अनुसार वर्ष 2022 में भारत की जीडीपी पूर्व के अनुमान 7.7% प्रतिशत से घटकर 7% रह सकती है। इतना ही नहीं वर्ष 2023 में यह घटकर 4.8 प्रतिशत पर पहुंचने की आशंका है। मूडीज के अनुसार वर्ष 2024 में यह रिकवर करते हुए 6.4 प्रतिशत पर पहुंच सकता है। बता दें कि भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में सात फीसदी विकास दर रहने का अनुमान जताया था।

शुक्रवार को बाजार में बहार, सेंसेक्स ऑल टाइम हाई 61795 पर, निफ्टी 18350 के पास

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को शानदार तेजी दिखी। इस दौरान सेंसेक्स में 1181 अंकों की मजबूती के साथ अब तक के सबसे ऊंचे लेवल 61795 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 321 अंकों की तेजी के साथ 18350 के अब तक के सबसे उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी आईटी इंडेक्स में 3.81 फीसदी की तेजी दिखी। शुक्रवार के कारोबार के दौरान निफ्टी 18362 अंकों के लेवल पर पहुंचा जो एक नया रिकॉर्ड है।

फिर आमने-सामने आए अडाणी-अंबानी

दोनों कर्ज में डूबे फ्यूचर रिटेल को खरीदने की रेस में, 13 अन्य कंपनियां भी दावेदार

मुंबई, 11 नवंबर (एजेंसियां)। एशिया के सबसे अमीर आदमी, गौतम अडाणी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी कर्ज में डूबे फ्यूचर रिटेल लिमिटेड का अधिग्रहण करने की रेस में है। रॉयटर्स ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है।

रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स और फ्लेमिंगो ग्रुप का जॉइंट वेंचर मून रिटेल प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस रिटेल वेंचर्स और 13 अन्य फर्मों ने फ्यूचर रिटेल के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट सबमिट किए हैं। ईओआई जमा करने वाली अन्य फर्म्स में शालीमार कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नलवा स्टील एंड पावर, यूनाइटेड बायोटेक, डब्ल्यूएचस्मिथ ट्रैवल, कैपरी ग्लोबल होल्डिंग्स शामिल हैं। चल रही दिवाला प्रक्रिया के तहत अगस्त में कुल 33 लेंडर्स ने 21 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के लोन क्लेम प्रस्तुत किए थे। लीड लेंडर्स में बैंक ऑफ इंडिया और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शामिल हैं। फ्यूचर ग्रुप की फ्लैगशिप रिटेल यूनिट फ्यूचर रिटेल के लिए ईओआई जमा करने की समय सीमा इस महीने की शुरुआत में खत्म हो चुकी है। ये कभी देश की दूसरी सबसे बड़ी रिटेलर थी। लोन नहीं चुका पाने के बाद इसे बैंकों ने दिवालियापन की कार्यवाही में घसीटा है। फ्यूचर रिटेल 3.4 बिलियन डॉलर में अपने एसेट को रिलायंस इंडस्ट्रीज को बेचना चाहता था, लेकिन अमेजन इंक की कानूनी चुनौती के बीच वो ऐसा नहीं कर सका और कर्ज में डूब गया। भारत का रिटेल मार्केट करीब 900 अरब डॉलर (लगभग 69 लाख करोड़ रुपए) का है। साल 2024 तक इसके 1.3 ट्रिलियन डॉलर (करीब 100 लाख करोड़ रुपए) होने की उम्मीद है। यही वजह है कि बड़ी कंपनियां भारत के रिटेल ऑनलाइन मार्केट के साथ ऑफलाइन मार्केट को भी ज्यादा से ज्यादा कैप्चर करना चाहती हैं।

जनवरी तक बिक जाएगी अडानी की कंपनी

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। अडानी पावर लिमिटेड (एपीएल) ने गुरुवार 10 नवंबर को कहा कि कंपनी अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी कंपनी सपोर्ट प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड में अपनी पूरी हिस्सेदारी अडानीकोनेक्स प्राइवेट लिमिटेड को 1,556.5 करोड़ रुपये पर बेच रही है। अडानी पावर के शेयर 1% तक गिरकर 368 रुपये पर आ गए। कंपनी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि बताया कि अडानी पावर लिमिटेड ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक सपोर्ट प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड में अपनी 100% इक्विटी हिस्सेदारी अडानीकोनेक्स प्राइवेट लिमिटेड को बेचने बेचेगी। यह सौदा जनवरी 2023 के अंत तक पूरा होना है।

मातृत्व अवकाश पर थी महिला कर्मचारी

मेटा ने मेल कर नौकरी से निकाले जाने का सुना दिया फरमान

लंदन, 11 नवंबर (एजेंसियां)। मेटा की एक महिला कर्मचारी एनेका पटेल हाल ही में मां बनीं थीं। वह इस वक्त मातृत्व अवकाश पर थीं और अपनी तीन माह की बेटी इमीलिया की देखभाल कर रही थीं। इसी बीच एक दिन देर रात करीब तीन बजे अपनी बेटी को देखने लिए उठीं। इस दौरान उन्होंने अपना आधिकारिक ईमेल चेक किया। उन्हें कंपनी में छंटनी से जुड़ा मार्क जकरबर्ग के मेल आने की उम्मीद थी और ऐसा हुआ भी। एनेका मेटा में कम्यूनिकेशन मैनेजर के पद पर थी। उनकी मैटरनिटी लीव (मातृत्व अवकाश) अगले साल फरवरी में पूरी हो रही थी, पर छंटनी ने उनका कंपनी के साथ सफर यही खतम कर दिया।

एनेका पटेल उन 11,000 कर्मचारियों में से एक हैं, जिन्हें बुधवार को फेसबुक की मूल कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स ने नौकरी से निकाल दिया था। लिंक्डइन पर एनेका पटेल ने लिखा कि आज सुबह मुझे पता चला कि मैं मेटा लेऑफ से प्रभावित 11,000 कर्मचारियों में से एक हूं। इससे मुझे बहुत तकलीफ हुई, क्योंकि मैं इस समय मैटरनिटी लीव पर थी। एनेका ने लिखा कि सुबह तीन बजे जब मैंने मेल देखा, तो छंटनी का एलान हो चुका था, लेकिन इस

बारे में कोई विवरण नहीं था कि कौन सी टीम या कौन सा विभाग प्रभावित हुआ था। एमिलिया सुबह 4 बजे उठी, इसलिए मैंने उसका रोज की तरह ही ख्याल रखा। सुबह 4:30 बजे मुझे अपने मैनेजर से एक संदेश (टेक्स्ट) मिला कि उसे नौकरी से निकाल दिया गया है। मैंने सुबह 4:45 बजे एमिलिया को वापस सुला दिया और वहीं बैठ गई। मैं सोच रही था कि आगे क्या करना है। मैं बिस्तर पर लेट गई। अपने ईमेल बार बार चेक कर रही थी। अन्य सहकर्मियों से बात कर रही थी। हम सभी अपनी सीटों के किनारे पर थे। कोई भी निकाला जा सकता था या फिर जिसे पहले ही बताया जा चुका था, उसे समझाने में लगे थे। मेरे एक सहकर्मी ने कहा कि स्वचालित ईमेल सुबह 7 बजे तक भेजे जा रहे थे, इसलिए मैं शंका में थी कि सो जाऊं या इंतजार करूं। फिर सुबह 5:35 बजे मुझे ईमेल मिला कि मेरा नाम छंटनी किए गए कर्मचारियों में शामिल किया गया है। मेरा दिल टूट गया।

एनेका ने लिखा, जो लोग मुझे जानते हैं, उन्हें पता है कि फेसबुक (अब मेटा) में काम करना मेरा सपना रहा है। जब से मैं नौ साल पहले लंदन से बे एरिया में आई थी। फेसबुक ग्रुप्स के लिए काम करते हुए अविश्वसनीय 2.5 साल हो गए हैं, जो मुझे वास्तव में फेसबुक का सबसे अच्छा हिस्सा लगता है। लोग पूछते थे कि क्या वहां काम करना कठिन था, लेकिन मैं उन्हें बताऊंगी कि मैं भाग्यशाली थी क्योंकि मुझे वहां कभी कोई दिक्कत नहीं हुई।

मेटा के बारे में अच्छी कहानियां ही मेरे पास हैं। मैं उन सभी लोगों का बहुत आभारी हूं, जिनके साथ मैंने वहां अपना समय इतना खास बनाने के लिए काम किया।

एनेका ने लिखा कि अब आगे क्या? इसका उत्तर देना कठिन है। मेरा मातृत्व अवकाश फरवरी में समाप्त होने वाला था। मातृत्व के ये पहले कुछ महीने मेरे जीवन के कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण रहे हैं।

यूएस मिड टर्म इलेक्शन में भारतीय-अमेरिकियों का दबदबा

23 साल की नबीला सैयद संसद में सबसे कम उम्र की मेंबर बनीं, प्रमिला जयपाल भी जीतीं

प्रमिला जयपाल

1966 में चेन्नई में जन्मी डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमिला जयपाल ने चौथी बार वॉशिंगटन के सातवें डिस्ट्रिक्ट से चुनाव जीता है।
उनका अधिकतर समय इंडोनेशिया और सिंगापुर में भी बीता है। 1982 में वो जब 16 वर्ष की थीं तब अमेरिका आ गई थीं।
उनकी कॉलेज की पढ़ाई अमेरिका की जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी से हुई है। इसके बाद उन्होंने नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी से एमबीए की डिग्री हासिल की।
उन्होंने कुछ समय तक फाइनेंशियल एनालिस्ट के तौर पर अपनी सेवाएं दी। इसके अलावा वो शिकागो और थाइलैंड के डेवलेपमेंट प्रोजेक्ट से भी जुड़ीं।
1991 में पब्लिक सेक्टर से जुड़ने से पहले उन्होंने मार्केटिंग, मेडिकल और सेल्स फील्ड में अपनी सेवाएं दी हैं।

हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव्स में ये भी चुने गए

संसद के हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव (लोअर हाउस) में भारतीय-अमेरिकियों का दबदबा है। अमी बेरा, राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना और प्रमिला जयपाल को फिर से चुना गया है।

रो खन्ना

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद रो खन्ना कैलिफोर्निया से चौथी बार जीते हैं।
उनका जन्म 13 सितंबर, 1976 में फिलाडेल्फिया में एक भारतीय पंजाबी हिंदू परिवार में हुआ था। उनके माता-पिता पंजाब से यू.एस. में आकर बस गए।
उनके दादा ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया था। लाला लाजपत राय के सहयोगी रहे थे। वे चर्चित वकील और 'हाउस आर्म्ड सर्विस एक्ट' के सदस्य भी हैं। वह 2017 से वह कैलिफोर्निया से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद हैं।

राजा कृष्णामूर्ति

राजा कृष्णामूर्ति का जन्म 19 जुलाई 1973 को नई दिल्ली में हुआ था। वे महज तीन महीने के थे जब उनके माता-पिता अमेरिका आकर बस गए।
राजा कृष्णामूर्ति 2004 और 2008 के चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के सलाहकार थे।
कृष्णमूर्ति पेशे से वकील और इंजीनियर हैं। उन्होंने प्रिंसटन यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग की डिग्री ली।

अमी बेरा

अमरीश बाबूलाल या एमी बेरा एक अमेरिकी डॉक्टर और राजनीतिज्ञ और वर्तमान अमेरिका संसद में सीनेटर हैं।
उनके पिता बाबूभाई 1958 में गुजरात से अमेरिका आ गए थे। एमी बेरा का जन्म लॉस एंजिल्स में हुआ उन्होंने कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से बायोलॉजिकल साइंस में ग्रैजुएशन किया।
1997 से 1999 तक वह सैक्रामेंटो में मर्सी हेल्थकेयर में हेल्थ मैनेजेंट के डायरेक्टर थे।
अमी बेरा संसद के सबसे वरिष्ठ भारतवंशी हैं। छठी बार कैलिफोर्निया से डेमोक्रेटिक टिकट पर जीते।

वंदना स्लेटर

वंदना का जन्म ब्रिटिश कोलंबिया में हुआ था। उनके पिता डॉक्टर हैं। उन्होंने ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय से फार्मेसी में बैचलर ऑफ सांइस की डिग्री हासिल की है।
वह कॉलेज में तलवारबाजी टीम की कप्तान और बीसी जूनियर वुमन फोइल चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल विजेता हैं।
बैचलर डिग्री हासिल करने के बाद स्लेटर और उनके पति मिशिगन शिफ्ट हो गए थे। साल 2001 में स्लेटर को अमेरिकी नागरिकता मिली।
मास्टर्स की पढ़ाई के दौरान स्लेटर ने अमेरिकी सीनेटर मारिया कैंटवेल के कार्यालय में काम किया।

श्री थानेदार

डेमोक्रेट श्री थानेदार मिशीगन से जीत हासिल करने वाले पहले भारतवंशी बने। 1979 में अमेरिका आए थे। यहां एमबीए और पीएचडी की।

डॉ. वैंकट

डॉ. वैंकट पेसिल्वेनिया से हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव में चुने गए पहले भारतवंशी हैं।
डेमोक्रेट डॉ. वैंकट ने रिपब्लिकन प्रतिद्वंदी नर्स सिंडी को हराया।

डॉ. मेगन श्रीनिवास

डेमोक्रेट डॉ. मेगन श्रीनिवास आयोवा से जीत हासिल करने वाली दूसरी भारतवंशी बनीं। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से पोस्ट ग्रेजुएट हैं।

अरुणा मिलर

58 साल की अरुणा डेमोक्रेटिक पार्टी से हैं। वो मैरीलैंड में लेफ्टिनेंट गवर्नर का पद संभालने वाली पहली अप्रवासी होंगी।
उनका जन्म भारत के हैदराबाद में हुआ था। 7 साल की उम्र में वे अमेरिका आ गई थीं।
उन्होंने 1989 में मिसौरी यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी से सिविल इंजीनियरिंग की। इसके बाद मॉन्टगोमरी काउंटी के लोकल ट्रांसपोर्टेशन डिपार्टमेंट में 25 साल काम किया।
2010 से 2018 तक मैरीलैंड हाउस ऑफ डेलीगेट्स को रिप्रेजेंट किया। 2018 में पहली बार संसद पहुंचने के लिए चुनाव लड़ा।

यूएस में भारतीय अमेरिकी मतदाताओं का रोल भी अहम

भारतीय लोग अमेरिकी स्विंग वाले राज्यों में एक महत्वपूर्ण वोट के रूप में उभरे हैं, यहां हार-जीत एक हजार या कुछ हजार वोटों से तय होती है। यूएस थिंक टैंक कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस की 2020 की रिपोर्ट के मुताबिक चुनिंदा स्विंग राज्यों में, भारतीय अमेरिकी आबादी जीत के अंतर से बड़ी है, जिसने 2016 में हिलेरी क्लिंटन और 2020 में ट्रम्प को नजदीकी लड़ाई में बाहर कर दिया।

वॉशिंगटन, 11 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में मिड टर्म इलेक्शन हो रहे हैं। इससे संसद के दोनों सदनों हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव (लोअर हाउस), सीनेट (अपर हाउस) के मेंबर्स और राज्यों में गवर्नर को चुना जाता है। अब इलेक्शन के रिजल्ट सामने आने लगे। अमेरिकी इतिहास में पहली बार 23 साल की सैयद सबसे कम उम्र की संसद (कांग्रेस) मेंबर चुनी गई हैं। हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव के चुनाव में नबीला को 52.3% वोट मिले हैं। उन्होंने इलिनोइस सीट पर जीत हालिस करते हुए रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी क्रिस बोस को हरा दिया। उन्होंने कहा- जब मैंने चुनाव लड़ने की घोषणा की, तो मेरा एक ही मिशन था लोगों से बातचीत करना। असल और जमीनी मुद्दे जानना। मैं चाहती थी कि लोग भी लोकतंत्र में शामिल हो। इसमें उनका बराबरी का हिस्सा हो।

बाइडन और पीएम मोदी की दोस्ती बहुत व्यवहारिक

भारत को लेकर अमेरिका का बड़ा बयान

अमेरिकी एनएसए जैक सुलिवेन ने कहा, भारत-अमेरिका साझेदारी को मजबूत करने के लिए दोनों नेता कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर समान हितों को साझा करते हैं और मिलकर काम करने के लिए प्रयासरत हैं।

वाशिंगटन, 11 नवंबर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया के बाली में होने वाले जी-20 सम्मेलन से पहले अमेरिका ने भारत को लेकर बड़ी बात कही है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ता से पहले अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा है कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच बेहद उपयोगी और व्यवहारिक संबंध हैं। व्हाइट हाउस में गुरुवार को संवाददाताओं को संबोधित करते हुए अमेरिकी एनएसए जैक सुलिवेन ने कहा, राष्ट्रपति जो बाइडन के पदभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी पहले ही व्हाइट हाउस आ चुके हैं। इसके अलावा दोनों कई मौकों पर भी व्यक्तिगत रूप से मिल चुके हैं। वहीं फोन और वीडियो के माध्यम से भी दोनों के बीच कई बार बात हुई है। उन्होंने कहा, भारत-अमेरिका साझेदारी को मजबूत करने के लिए दोनों नेता कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर समान हितों को साझा करते हैं और मिलकर काम करने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा, इन सभी बातों को देखते हुए कहा जा सकता है कि दोनों नेताओं के बीच बहुत ही प्रोडक्टिव और व्यवहारिक रिश्ते हैं।

अगले साल जी-20 की अध्यक्षता करेगा भारत

जैक सुलिवेन ने कहा, राष्ट्रपति जो बाइडन इस बार होने वाले जी-20 सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी का रुख देखने के लिए उत्सुक हैं। क्योंकि अगले साल भारत जी20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करेगा। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति की भारत यात्रा की संभावना है।

पुतिन नहीं जाएंगे बाली

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले हफ्ते इंडोनेशिया के बाली में होने वाले जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। पुतिन की जगह अब विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव जी- 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने इंडोनेशिया जाएंगे। समाचार एजेंसी एएफपी ने रूसी दूतावास के हवाले से इसकी जानकारी दी है।

इंडोनेशिया के बाली में 15 और 16 नवंबर को होगा जी-20 शिखर सम्मेलन

जी-20 का शिखर सम्मेलन पर्यटन स्थल बाली में 15 और 16 नवंबर को होगा। वहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इंडोनेशिया सरकार ने 18 हजार सुरक्षाकर्मियों को वहां तैनात किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग यहां आने की पुष्टि कर चुके हैं।

खेरसॉन से रूस की वापसी, जंग के बीच मिली जीत से खुश नहीं यूक्रेन; पुतिन की नई चाल का डर

खेरसॉन (यूक्रेन), 11 नवंबर (एजेंसियां)। पिछले 9 महीने से यूक्रेन के कई खूबसूरत शहर रूसी सैनिकों की बर्बरता में जल रहे हैं। लाखों की संख्या में लोग पलायन कर चुके हैं। इस बीच यूक्रेन के दूसरे बड़े शहर खेरसॉन को रूसी सैनिकों ने छोड़ना शुरू कर दिया है। इस कदम के साथ हालांकि यूक्रेन और रूस के बीच जंग खत्म होने के आसार नजर रहे हैं लेकिन, यूक्रेन को अभी भी डर सता रहा है। यूक्रेन का मानना है कि इसके पीछे रूस की चाल हो सकती है। यूक्रेन को डर है कि रूस उसके सबसे बड़े दुश्मन बेलारूस के साथ बड़ी प्लानिंग में है। रूस के रक्षा विभाग ने यूक्रेनी शहर खेरसॉन को लेकर बयान दिया कि उसने यूक्रेन के दक्षिणी शहर खेरसॉन से अपने सैनिकों को निकालना शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने रूस के इस दावे पर संदेह जताया कि यह रूस की चाल हो सकती है।

पाक सरकार के खिलाफ इमरान का आजादी मार्च फिर से शुरू

लोगों से बोले- रास्तों से हटा दें अवरोध

इस्लामाबाद, 11 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान घायल होने के बाद फिर से उसी रंग नजर आ रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को एक बार फिर सत्तारूढ़ पीएमएल-एन गठबंधन सरकार के खिलाफ अपना आजादी मार्च फिर शुरू कर दिया है। वहीं इमरान ने अपने कार्यकर्ताओं से कहा कि वह सड़कों से अवरोधों को हटा दें। ट्वीट करते हुए इमरान खान ने कहा कि हकीकी आजादी के लिए हमारा लंबा मार्च एक बार फिर से शुरू हो गया है, मैं अपने सभी कार्यकर्ताओं से तत्काल प्रभाव से सड़क अवरोधों को समाप्त करने का आह्वान कर रहा हूं। बता दें कि पिछले हफ्ते उनको जान से मारने के इरादे से एक आरोपी ने गोली चला दी थी, जो उनके पैर पर लगी थी। जिसके बाद उनके प्रशंसकों ने रास्ते जाम कर दिए थे।

हमारे हौसले बुलंद

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी ने ट्वीट किया कि असली आजादी मार्च की यात्रा फिर से वजीराबाद से शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि हमारे हौसले बुलंद हैं। हमारे लोगों की मेहनत और हमारे शहीदों के बलिदान का निश्चित रूप से भुगतान होगा। चलो, दोस्तों! इंशाअल्लाह। साथ ही कहा कि अध्यक्ष इमरान खान खुद रावलपिंडी से इस काफिले का नेतृत्व करेंगे। पीटीआई के सोशल मीडिया अकाउंट से जारी एक प्रेस रिलीज में इमरान खान ने जानकारी दी थी कि मैं लाहौर से मार्च को संबोधित करूंगा और अगले 10 से 14 दिनों के भीतर यह रावलपिंडी पहुंच जाएगा। वहीं हमले को लेकर इमरान खान ने गठबंधन सरकार और मेजर जनरल नसीर फैसल को हमले के लिए जिम्मेदार ठहराया है। इससे पहले इमरान खान ने कहा था कि उन्हें दो महीने पहले उनकी हत्या की साजिश के बारे में जानकारी लग गई थी। साथ ही कहा था कि वह लंबे मार्च में भाग लेने वाले समर्थकों को अपने संबोधन के जरिये कथित रूप से साजिश में शामिल एक दूसरे सैन्य अधिकारी के नाम का खुलासा करेंगे।

ब्रसेल्स में संदिग्ध आतंकी हमला, 'अल्लाह हू अकबर' बोलकर पुलिसवाले को घोंपा चाकू, संदिग्ध ढेर

ब्रसेल्स, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स में गुरुवार को चाकू से किए हमले में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गयी और एक अन्य अफसर घायल हो गया। बेल्जियम के एक न्यायिक अधिकारी ने बताया कि इसके आतंकवादी हमला होने का संदेह है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हमला शाम करीब सवा सात बजे हुआ था। पुलिस ने संदिग्ध हमलावर को गोली मार दी और अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया।
मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि हमलावर ने पुलिस अफसर को चाकू घोंपने से पहले 'अल्लाह हू अकबर' का नारा लगाया था। फेडरल प्रॉसिक्यूटर ऑफिस के एक अधिकारी एरिक वान डर शिफ्ट ने कहा, 'एक शख्स ने चाकू लेकर हमारे एक गश्ती दल पर हमला कर दिया। इसके बाद 2 पुलिस अधिकारियों ने एक्स्ट्रा फोर्स बुलाई।

चीन में एक बार फिर कोरोना की दहशत

कई शहर पूरी तरह लॉकडाउन, हजारों लोग घरों में कैद

बीजिंग, 11 नवंबर (एजेंसियां)। चीन ने गुरुवार को अप्रैल के बाद से सबसे अधिक कोरोना के मामले देखे. देश में पिछले 24 घंटों में 10,200 से अधिक कोविड पॉजिटिव मामलों की पुष्टि हुई है. राजधानी बीजिंग के मामले भी एक साल से अधिक समय में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं, जिसके बाद अब टॉप लीडरशिप ने कोरोना वायरस को नियंत्रित करने के लिए रणनीति बनाई है. देश में कई जगह लॉकडाउन की स्थिति है और कई जगह लोगों को घरों से बाहर ना आने के लिए कहा जा रहा है. परिवहन भी इससे प्रभावित हुआ है. ब्लूमबर्ग ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि राजधानी में गुरुवार को 114 नए कोरोना पॉजिटिव मामले दर्ज किए, जबकि गुआंगझोउ ने 2,358 मामले दर्ज किए. यही कारण है कि अब चीन अपनी कोविड नीतियों में किए जाने वाले हर समायोजन में बहुत सतर्क है. हालांकि, इसकी शून्य-कोविड नीति पर अब सवाल उठाए जा रहे हैं - जिसने जनता को निराश किया है और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है.

'चीन कोविड प्रतिबंधों में ढील नहीं दे सकता'

रोग विशेषज्ञों ने समाचार एजेंसियों को बताया कि चीन निकट भविष्य में अपने कोविड प्रतिबंधों में ढील नहीं दे सकता है. हालांकि, यह बदलती महामारी की स्थिति और वायरस के उत्परिवर्तन के अनुसार उनमें सुधार करता रहेगा और उनके कार्यान्वयन में वैज्ञानिक रूप से अधिक सटीक होगा. विशेषज्ञों का मानना है कि चीन को कोरोना महामारी से निकलने में अभी और समय लग सकता है. अनुमान लगाया जा रहा है कि अगले साल के अंत तक इस पर लगाम लगाई जा सकती है. ब्लूमबर्ग ने अर्थशास्त्रियों के एक सर्वेक्षण के हवाले से बताया, देश में सामान्य स्थिति में धीमी वापसी होगी, संभावित रूप से त्वरित आर्थिक सुधार के लिए निवेशकों की उम्मीदों पर भार पड़ेगा.

बीजिंग में प्रतिबंधों को किया गया कड़ा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अधिकारियों ने कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए 10 नवंबर से बीजिंग के कुछ हिस्सों में कोविड -19 प्रतिबंधों को कड़ा कर दिया है. सरकार ने एहतियात के तौर पर कई पर्यटन स्थलों को बंद कर दिया है. अधिकारियों ने चाओयांग जिले के कई क्षेत्रों को उच्च या मध्यम जोखिम वाले क्षेत्रों के रूप में नामित किया है, हालांकि राजधानी के अन्य हिस्सों में भी संक्रमण की सूचना है.
लोगों को घरों में रहने का निर्देश रिपोर्ट्स बता रही हैं कि उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के निवासियों को अपने घरों में रहने के लिए कहा गया और केवल डिलीवरी सेवाओं की अनुमति दी गई है. अधिकारियों को मध्यम जोखिम वाले क्षेत्रों में लोगों को अपने समुदायों में रहने और व्यस्त समय में खरीदारी से बचने की आवश्यकता होती है. उन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर परीक्षण की संभावना है, जहां कोविड -19 मामले सामने आए हैं.

सुरक्षाकर्मियों ने संभाला मोर्चा

रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षा कर्मी आवाजाही प्रतिबंधों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए जोखिम वाले क्षेत्रों के पास चौकियों को लागू करेंगे. उच्च और मध्यम जोखिम वाले स्थानों में सार्वजनिक परिवहन व्यवधान की संभावना है. मांग कम होने के कारण शहर के हवाई अड्डों पर उड़ान भी बाधित हो रही है. उच्च और मध्यम जोखिम वाले क्षेत्रों में व्यावसायिक व्यवधान की भी संभावना है.

चोंगकिंग में भी कोविड प्रतिबंध लागू

चाइना डेली ने चोंगकिंग स्वास्थ्य आयोग के उप निदेशक ली पैन के हवाले से बताया कि चीन के चोंगकिंग के निवासियों को अपने मूवमेंट को सीमित करने के लिए कहा जा रहा है. इसी के साथ चोंगकिंग में 11 केंद्रीय शहरी जिलों के निवासियों से अपने क्षेत्रों को नहीं छोड़ने का आग्रह भी किया गया है. इसके अलावा, बाहर से आने वालों को तब तक नहीं आने के लिए कहा जा रहा है जब तक कि वास्तव में आवश्यक न हो. गौरतलब है कि चीन दुनिया में कोविड -19 के प्रकोप का केंद्र था. पिछले 2 वर्षों में पूरे देश में लाखों मौतें हुई हैं. इस बीच, देश भर में स्थानीय अधिकारियों पर जनता की बढ़ती निराशा के बावजूद कोविड नियंत्रण उपायों को बढ़ाने का दबाव है. इस हफ्ते, चीन से वीडियो वायरल हुए जहां कोविड एक्टिविस्ट और निवासियों के बीच मारपीट देखी गई.

गुआनाग्वाटो में बड़ी वारदात, बार में हुई गोलीबारी में नौ की मौत, दो घायल

मैक्सिको, 11 नवंबर (एजेंसियां)। मैक्सिको के गुआनाग्वाटो में गोलीबारी की बड़ी वारदात हुई है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, यहां के एक बार में हुई गोलीबारी में नौ लोगों की मौत हो गई तो दो लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों का कहना है कि गुआनाग्वाटो इन दिनों कार्टेल हिंसा से पीड़ित है। यहां ड्रग माफियाओं के बीच आपसी विवाद के मामले बढ़ गए हैं।

विधानसभा के 5 उपचुनावों में भाजपा सिर्फ एक हारी

पार्टी का दावा-बिना नीतीश कुमार हमारी ताकत बढ़ रही, अब ज्यादा वोट ला रहे

पटना, 11 नवंबर (एजेंसियां)। मोकामा और गोपालगंज में विधान सभा उपचुनाव के बाद कुढ़नी उपचुनाव पर सभी की नजरें हैं। साल 2020 के बिहार विधान सभा चुनाव के बाद तारापुर, कुशेश्वर स्थान, बोचाहां, मोकामा और गोपालगंज में अब तक उपचुनाव हुए हैं। इस बीच नीतीश सरकार का स्वरुप भी बदला।

तारापुर, कुशेश्वर स्थान और बोचहां उपचुनाव के समय नीतीश कुमार और भाजपा का साथ था। वहीं मोकामा और गोपालगंज उपचुनाव में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव साथ रहे, भाजपा अलग-थलग रही। पांचों उपचुनावों में भाजपा को सिर्फ एक सीटिंग सीट का नुकसान झेलना पड़ा है। इसके बावजूद भाजपा का दावा है कि बिना नीतीश कुमार के हम तेजी से बढ़ रहे हैं।

कुढ़नी पर सभी की नजर

अब कुढ़नी विधान सभा उपचुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू है। कुढ़नी से राजद के विधायक अनिल सहनी की विधायकी चली गई। उनपर तब जाली ई-टिकट और बोर्डिंग पास के जरिए 23 लाख 71 हजार रुपए की धोखाधड़ी का आरोप लगा था। कुढ़नी में नामांकन की प्रक्रिया 17 नवंबर तक चलेगी। 18 नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। 21 नवंबर तक नामांकन वापस लिए जा सकते हैं। 5 दिसंबर को वोटिंग होगी और 8 दिसंबर को वोटों की गिनती की जाएगी।

तारापुर और कुशेश्वर स्थान उपचुनाव

इन दोनों सीटों पर हुए उपचुनाव में जदयू की जीत हुई।

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद से लोगों को काफी उम्मीदें थीं। दिनों बाद लालू प्रसाद दोनों जगहों पर चुनाव प्रचार में गए, मंच से भाषण भी किया लेकिन दोनों जगह लालू का जादू नहीं चला। उल्टे सवर्णों का वोट बैंक रातों-रात बिगड़ गया।

तारापुर में जदयू के उम्मीदवार राजीव कुमार सिंह ने आरजेडी के उम्मीदवार अरुण कुमार साह को 3821 मतों से हराया। यहां लालू प्रसाद का वैश्य कार्ड फेल हो गया। कुशेश्वर स्थान में हजारी परिवार की ताकत बरकरार रही। कुशेश्वर स्थान में जेडीयू के अमन हजारी ने 12 हजार 698 वोटों से जीत दर्ज की और गणेश भारती को हराया। कांग्रेस के अतिरेक तीसरे स्थान पर रहे।

बोचहां उपचुनाव

बोचहां में आरजेडी के अमर पासवान ने जीत हासिल की थी। भाजपा की बेबी कुमारी को 36,653 मतों से उन्होंने शिकस्त दी थी। यहां वीआईपी पार्टी के मुकेश सहनी ने रमई राम की बेटी गीता कुमारी को टिकट दिया था। वह तीसरे स्थान पर रही थीं। कांग्रेस ने बोचहां में भी अकेले चलना तय किया और अपना उम्मीदवार दिया।

मोकामा और गोपालगंज उपचुनाव

इन दोनों उपचुनावों की खासियत यह थी कि ये पहला विधान सभा उपचुनाव है, जो 2020 के विधान सभा चुनाव के बाद ऐसी परिस्थिति में हुआ, जब नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव फिर से साथ हुए। दोनों जगह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पेट में दर्द की वजह से प्रचार में नहीं गए। पटना से ही संदेश जारी किया।

विधान सभा चुनाव के बाद मोकामा-गोपालगंज में यह पहला विधान सभा उपचुनाव था, जिसमें कांग्रेस भी राजद के साथ रही। मोकामा में बाहुबली अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी ने भाजपा की सोनम देवी को 16,707 वोटों से हराया और गोपालगंज में भाजपा की कुसुम देवी ने राजद के मोहन गुप्ता को 2183 वोटों से हराया।

मोकामा में भूमिहार और यादव वोटरों ने अनंत सिंह की पत्नी राजद उम्मीदवार नीलम देवी को भरपूर वोट किया तो गोपालगंज में साधु यादव की पत्नी इंदिरा यादव ने यादवों का वोट काट लिया। बाकी कमी एआईएमआईएम ने पूरी कर दी। अपने गढ़ में तेजस्वी राजद को हार से नहीं बचा पाए। लालू परिवार के अंतर्कलह की वजह से यहां राजद को बड़ा नुकसान हुआ। गोपालगंज में राजद का वैश्य कार्ड तारापुर उपचुनाव की तरह ही फेल हो गया। कांग्रेस की स्थिति तो ऐसी रही कि गोपालगंज से कांग्रेस लड़ती थी, लेकिन कांग्रेस ने यह सीट नहीं मांगी।

पांच उपचुनावों में राजद की एक सीटिंग सीट थी मोकामा में। जदयू की दो सीटिंग सीटें थीं, तारापुर और कुशेश्वर स्थान में। भाजपा की दो सीटिंग सीट थी बोचहां और गोपालगंज में। यानी पांच उपचुनावों में भाजपा को एक सीट का नुकसान झेलना पड़ा है। इस हार पर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रेम रंजन पटेल कहते हैं कि नीतीश कुमार से अलग होने के बाद बिहार की राजनीतिक परिस्थितियां अलग हो गई हैं। लेकिन भाजपा ने अपने वोट बैंक को ज्यादा मजबूत किया है। बगैर नीतीश कुमार के हमारी ताकत बढ़ी है। हम नीतीश कुमार के साथ जब थे, तब जितना वोट ला रहे थे, अब उससे ज्यादा वोट ला रहे हैं। यह हमारी उपलब्धि है। पटेल के अनुसार नीतीश कुमार की प्रासंगिकता नहीं रह गई है। बिना नीतीश कुमार के हमारे वोटों में क्षरण नहीं है। चुनाव की हार-जीत कई कारणों से होती है। आनेवाले समय में भाजपा की ताकत और बढ़ेगी। पार्टी अपने बलबूते बढ़ने और लड़ने की ताकत रखती है।

शराबबंदी पर घिरी बिहार सरकार

मांझी, कुशवाहा के बाद अब पीके ने कहा - सिर्फ गरीबों की गिरफ्तारी, पीनेवाले अंग्रेजी पीते

पटना, 11 नवंबर (एजेंसियां)। शराबबंदी पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार घिरते नजर आ रहे हैं। विपक्ष तो दूर इनके नेता, उनके सहयोगी दल और उनके पूर्व सहयोगी लगातार शराबबंदी पर सवाल खड़े कर रहे हैं। पहले पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने शराबबंदी को गलत बताया कहा कि जो 250एमएल या थोड़ा बहुत शराब पी लेता है, उसे नहीं पकड़ना चाहिए। वहीं दूसरे दिन जदयू के वरिष्ठ नेता उपेंद्र कुशवाहा ने शराबबंदी को असफल बताया तो, लगे हाथों बिहार में जन सुराज पदयात्रा कर रहे नीतीश कुमार के पूर्व सहयोगी प्रशांत किशोर ने शराबबंदी पर हमला कर दिया। कहा कि यहां घर-घर शराब मिल रही है। होम डिलीवरी हो रही है और पीने वाले अंग्रेजी पीते हैं।

पश्चिमी चंपारण में जनसुराज पदयात्रा में प्रशांत किशोर ने लोगों से शराबबंदी पर बात करते हुए कहा कि नीतीश कुमार कहते हैं कि बिहार की सभी महिलाएं शराबबंदी के नाम पर उनको वोट करती हैं। लेकिन हममें से कोई भी इस बात से अनभिज्ञ नहीं है कि घरों में शराब की होम डिलीवरी हो रही है। अफसरशाही का आलम ऐसा है कि गरीब व्यक्ति को अफसर पकड़कर डंडे मार के पैसे कमाती है और अमीर व्यक्ति अंग्रेजी शराब पीता रहता है।

आजम खान की अपील खारिज होने के बाद एक्शन में ईसी

जारी किया उपचुनाव का शेड्यूल

रामपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। हेट स्पीच मामले में मिली सजा के खिलाफ आजम खान की अपील खारिज होते ही चुनाव आयोग हरकत में आ गया है। रामपुर सदर विधानसभा उपचुनाव का संशोधित कार्यक्रम उप चुनाव का रिवाइज्ड शेड्यूल आयोग ने जारी किया है। इसके मुताबिक रामपुर में 5 दिसंबर को वोटिंग होगी। लेकिन अधिसूचना कल यानि शुक्रवार को जारी होगी। इस बीच कोर्ट ने अभियोजन पक्ष को शुक्रवार को आजम खां की अपील पर आपत्ति दाखिल करने के आदेश दिए हैं। आजम खां की अपील पर अगली सुनवाई शुक्रवार को होगी।

मतदान की तिथि नहीं बदली गई है। इस सीट के लिए गुजरात चुनाव के दूसरे चरण और मैनपुरी लोकसभा सीट सहित अन्य उपचुनावों के साथ ही पांच दिसंबर को मतदान होगा। मतगणना भी पहले की तरह 8 दिसंबर को ही होगी। उम्मीदवारों के नामांकन की तिथि बदल दी गई है। अब नामांकन 18 नवंबर को होगा। पहले यह 17 नवंबर को होना था। मैनपुरी सीट सपा नेता मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद रिक्त हुई थी।

आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम

समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान कथित रूप से रामपुर की मिलक विधानसभा में एक चुनावी भाषण के दौरान आपत्तिजनक और भड़काऊ कमेंट किए थे। इसको लेकर भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने उनकी शिकायत कर दी थी। मामले में रामपुर कोर्ट ने आजम खान को दोषी ठहराया और उन्हें तीन साल की जेल की सजा दी गई।

शीर्ष अदालत ने बुधवार को मामले की सुनवाई की और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, रामपुर, जिनके समक्ष अपील दायर की गई है, को दोषसिद्धि पर रोक लगाने के लिए आवेदन की सुनवाई को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया था। न्यायाधीश को उसी दिन मामले को निपटाने के लिए कहा गया था। उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि चुनाव कार्यक्रम घोषित करने के लिए राजपत्र अधिसूचना 11 नवंबर को या उसके बाद जारी की जा सकती है, जो खान की दोषसिद्धि पर रोक के आवेदन के परिणाम पर निर्भर करता है।

हेट स्पीच मामले में रामपुर की एक विशेष अदालत ने खान को 27 अक्टूबर को दोषी ठहराया था और तीन साल जेल की सजा सुनाई थी। उत्तर प्रदेश विधानसभा सचिवालय ने 28 अक्टूबर को खान को सदन से अयोग्य घोषित करने की घोषणा की थी।

केरल का रोबोट चंद मिनटों में साफ करेगा मैनहोल

जहरीली गैस से बचेंगे सफाई कर्मी

कानपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। कानपुर शहर के चोक मैनहोल मिनटों में साफ होंगे। साथ ही मैनहोल में जहरीली गैस से होने वाली मौतें भी नहीं होंगी। इसकी प्रमुख वजह यह है कि मैनहोल की सफाई अब रोबोट करेगा। दस मिनट में रोबोट सफाई कर देगा। स्मार्ट सिटी के तहत 30 लाख रुपये के खर्च से केरल से रोबोट शहर लाया गया है। 16 नवंबर को कंपनी के लोग इसका डेमो भी करके दिखाएंगे। इस आधुनिक सेंसर मशीन में सफाई के दौरान केवल कर्मचारी मैनहोल का ढक्कन हटाएंगे, बाकी काम रोबोट करेगा। रोबोट में लगी मशीन जहरीली गैस को बाहर कर देगा।

सफाई के दौरान कई मौतें

मैनहोल सफाई में मानकों की अनदेखी और संसाधनों के अभाव में होने वाली सफाई के दौरान जहरीली गैस से 50 से अधिक मौतें हो चुकी हैं। पिछले दिनों किशोर सहित तीन की मौत बिठूर में सीवर चैंबर में नीचे उतरने से हुई थी। जुलाई से सवा चार घंटे में कानपुर से दिल्ली पहुंचाएंगी रेलगाड़ियां, इन कारणों से कम होगा समय। बता दें कि कई बार देखा गया है कि मैनहोल की सफाई करने के लिए सफाई कर्मचारियों को मैनहोल के अंदर उतरना पड़ता है। वहीं अंदर की गंदगी के कारण मैनहोल में जहरीली गैस बनती है और वहीं जमा हो जाती है। इस गैस के अंदर सफाई के लिए उतरने से सफाई कर्मी बेहोश हो जाते हैं या उनकी मौत हो जाती है। इसी को रोकने के लिए अब रोबोट से सफाई करवाई जाएगी।

रोबोट की खास बातें

- एक घंटे में छह मैनहोल साफ करेगा
- एक फ्रीक्वेंसी में 16 से 20 लीटर सीवरेज बाहर निकलेगा
- रोबोट में लगे चार कैमरों से पता चलेगा कि कहां छिपी है गंदगी
- छोटे जनरेटर से भी चालू हो सकेगा

जहरीली गैस की चपेट में आने से 3 लोगों की मौत

सेप्टिक टैंक में सफाई करने के दौरान हुआ हादसा

लखनऊ, 11 नवंबर (एजेंसियां)। कानपुर में जहरीली गैस से 3 लोगों की मौत का मामला सामने आ रहा है। सेप्टिक टैंक में सफाई के दौरान यह घटना घटी है। हादसा जाजमऊ स्थित शालीमार टेनरी का है। खबरों के मुताबिक सफाई के दौरान तीनों बेहोश हो गए और टेनरी के कर्मचारी उन्हें हैलेट अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कर्मचारी उन्हें अस्पताल में छोड़कर भाग गए जिसके बाद पुलिस को बुलाया गया।

टीचर ने बच्चों को पीट-पीटकर छिपकली वाला खाना खिलाया

200 स्टूडेंट्स बीमार, कहा- बैगन है, चुपचाप खाओ

भागलपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में भागलपुर के एक स्कूल में मिड-डे मील खाने के बाद 200 बच्चे बीमार हो गए। बच्चों ने खाने में छिपकली होने की शिकायत की तो टीचर ने पहले उन्हें डांटकर कहा- छिपकली नहीं बैंगन है। जब बच्चों ने खाने से मना किया तो टीचर ने पीट-पीटकर उन्हें खाना खिलाया।

मामला नवगछिया प्रखंड में मदत्तपुर गांव के मध्य विद्यालय का है। क्लास 6 की छात्रा शिवानी कुमारी ने बताया कि गुरुवार को मिड-डे-मील परोसा गया। आयुष नाम के एक छात्र की थाली से छिपकली मिली। वह जोर से चिल्लाया तो सभी बच्चे खाना छोड़ खड़े हो गए। इसकी जानकारी टीचर चितरंजन को मिली तो वह पहुंचे और थाली देखकर कहने लगे कि छिपकली नहीं बैंगन है। टीचर ने थाली से छिपकली निकाल दी और बोले- चुपचाप खाना है तो खाओ नहीं

तो घर जाकर खाओ।

इसके बाद भी जब बच्चे नहीं खा रहे थे तो उन्होंने पीट-पीटकर खाना खिलाया। इसके बाद सभी को उल्टियां होने लगीं। करीब 200 बच्चे बीमार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद धीरे-धीरे परिजन स्कूल पहुंचने लगे। सभी बच्चों को नवगछिया अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं।

जैसी ही बच्चों को उल्टियां होनीं शुरू हुईं तो स्कूल में मौजूद स्टाफ के हाथ-पैर फूल गए। बच्चों को इलाज के लिए ले जाने की जगह स्टाफ ने आनन-फानन में खाना फेंक दिया। खाना स्कूल के पास ही फेंका गया। ग्रामीण संजय कुमार के साथ बीडीओ गोपाल कृष्ण जांच के लिए पहुंचे। उन्होंने खाना फेंके जाने वाली जगह का मुआयना किया तो वहां मरी हुई छिपकली भी मिली।

बीजेपी बोली- फौरन शिक्षक बहाली करे नीतीश सरकार नहीं तो आंदोलन होगा

पटना, 11 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार बीजेपी अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल ने शिक्षक बहाली मामले पर राज्य सरकार पर जमकर हमला बोला है। फेसबुक पोस्ट के जरिए संजय जायसवाल ने आरोप लगाया कि पहले राजस्व विभाग, फिर स्वास्थ्य विभाग और अब पंचायती राज विभाग में बीजेपी के पूर्व मंत्रियों द्वारा सृजित नौकरियों को गठबंधन सरकार की उपलब्धि बताकर राज्य सरकार ने वाहवाही लूटी। सरकार सीना ठोंककर बीजेपी के कामों को अपना बता रही है। संजय जायसवाल ने कहा कि बीजेपी के सत्ता में रहते हुए 1 लाख 15 हजार शिक्षकों की नियुक्ति तय हुई थी। बीती जुलाई में इसकी अधिसूचना भी जारी हुई थी। अब तक इनकी बहाली हो जानी चाहिए थी। अपने हक के लिए अभ्यर्थियों ने लाठियां खायीं, जख्मी हुए जेल भी भेजे गए। इन युवाओं का जत्था गर्दनीबाग में सिर मुंडाकर अर्धनग्न प्रदर्शन कर रहा।

'तेरे जैसे मूर्खों को भाजपा लालीपॉप थमाती है'

सपा मीडिया सेल ने बीजेपी प्रवक्ता पर कसा तंज, कहा- वीडियो देखकर अपनी औकात समझ ले

लखनऊ, 11 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी की एक लोकसभा और दो विधानसभा सीटों पर चुनाव होने हैं। राजनीतिक पार्टियों में अब ट्वीट वार भी शुरू हो गया है। इस बीच जब मैनपुरी लोकसभा सीट पर सपा का उम्मीदवार घोषित होने पर बीजेपी प्रवक्ता ने सपा पर तंज कसते हुए तंज कसा। भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी के जवाब से तिलमिलाई सपा ने भाषा की मर्यादा भूल उन पर हमला बोला तो बीजेपी प्रवक्ता ने सपा को आजम खान के हश्र की याद दिलाई।

सपा के आधिकारिक मीडिया

सेल ने बीजेपी पिता एंड संस इन यूपी से जुड़ा एक वीडियो ट्वीट किया। राकेश त्रिपाठी को टैग करते हुए लिखा है कि आंख के अंधरे, कान के बहरे और अकल से पैदल फ्लावर पार्टी के फूल नेता राकेश त्रिपाठी सुन, तेरे जैसे गर्दभों और मूर्खों को प्रवक्ता पद का लॉलीपॉप थमाकर भाजपा खुद परिवारवाद में संलिप्त है, संलग्न वीडियो देखकर अपनी औकात समझ ले, तेरे जैसों को सिर्फ दलाली करने का मौका मिल रहा है, टिकट नहीं।

सपा ने इससे जुड़े कई ट्वीट किए हैं। अपने दूसरे ट्वीट में उन्होंने लिखा योगी जी के मंत्रिमंडल से लेकर मोदी जी के मंत्रिमंडल और दलदल कमलदल में बहुत बाप बेटा वाद चल रहा है। तेरे जैसे दलालों को चंद पैसों की सत्ता की दलाली के सिवा वहां घंटा कुछ नहीं मिलेगा, तुम जैसे लोग गली मुहल्ले के क्रिकेट में नाली की गेंद उठाने वाले प्लेयर टाइप हो बस।

बीजेपी प्रवक्ता ने सपा को आजम का हश्र याद दिलाया

सपा के एक के बाद एक हमलेदार ट्वीट का जवाब देते हुए बीजेपी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने लिखा कि समाजवादी पार्टी से ऐसी ही भाषा की उम्मीद थी। ऐसी ही भाषा के मामले में समाजवादी पार्टी के सबसे बड़े भाषण वीर आजम खान के हश्र से सबक लेना चाहिए था। खैर, अपने अपने संस्कार।

पूर्व मंत्री याकूब पर शिकंजा

पत्नी समेत कई पर गैंगस्टर का मुकदमा, छह लग्जरी गाड़ियां चिह्नित

मेरठ, 11 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री हाजी याकूब कुरैशी, उनकी पत्नी संजीदा बेगम, बेटे इमरान, फिरोज समेत सात लोगों पर गुरुवार देर रात गैंगस्टर का मुकदमा खरखौदा थाने में दर्ज हो गया है। पुलिस याकूब की अवैध संपत्ति चिह्नित करने में जुटी है। इसे जब्त किया जाएगा।

पुलिस, प्रशासन समेत कई विभागों की संयुक्त टीम ने 31 मार्च 2022 को हाजी याकूब कुरैशी की हापुड़ रोड स्थित मीट फैक्टरी में छापा मारा था। फैक्टरी में अवैध तरीके से मीट की पैकिंग हो रही थी। दस कर्मचारी मौके से गिरफ्तार हुए थे। इस मामले में याकूब, उनके बेटे, इमरान व फिरोज समेत 17 लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ था। याकूब के गिरफ्तारी वारंट जारी हो चुके हैं। उन पर 50-50 हजार का इनाम भी घोषित है।

एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने बताया कि गुरुवार को डीएम की संस्तुति के बाद गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमे में याकूब के फैक्टरी

मैनेजर मोहित त्यागी, मुजीब व फैजान भी आरोपी हैं।

पूर्व मंत्री हाजी याकूब की हापुड़ रोड स्थित मीट फैक्टरी पर 31 मार्च की आधी रात के बाद पुलिस-प्रशासन समेत कई विभागों के छापे के बाद से ही शिकंजा कसता जा रहा है। गुरुवार को डीएम की अनुमति के बाद याकूब, उनकी पत्नी संजीदा और दोनों बेटों पर गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज हुआ तो जब्तीकरण के लिए संपत्ति तलाशनी शुरू कर दी गई। पुलिस का दावा है कि याकूब के दो मकान, एक मीट फैक्टरी चिह्नित कर ली गई है। दो लग्जरी कारों का पता लगाया जा रहा है।

पुलिस के शिकंजे के बाद याकूब की सियासत और कारोबार दोनों ही खतरे में है। याकूब ने लोकसभा चुनाव में अपनी चल-अचल संपत्ति का ब्योरा हलफनामे में दिया था। पुलिस ने इसका पूरा ब्योरा जिला निर्वाचन कार्यालय से मांगा है। पुलिस के मुताबिक, याकूब कुरैशी का विदेश तक कारोबार फैला हुआ है। अवैध तरीके से मीट फैक्टरी चलाने के मामले में याकूब और उनके दोनों बेटे आठ महीने फरार हैं। याकूब की पत्नी संजीदा बेगम को कोर्ट से अग्रिम जमानत मिल गई थी।

एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने बताया कि गैंगस्टर एक्ट के प्रावधान के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वहीं सीओ किठौर अमित कुमार राय का कहना है कि याकूब और उनके परिवार की चल-अचल संपत्ति का कुछ रिकॉर्ड पुलिस के पास पहले से मौजूद है। पुलिस फोर्स को लेकर जब्तीकरण की कार्रवाई जल्द शुरू होगी। याकूब और उनके बेटे इमरान, फिरोज पर आईजी मेरठ रेंज ने 50-50 हजार का इनाम किया हुआ है। गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज करने के बाद उन पर एक-एक लाख का इनाम एडीजी मेरठ जोन कर सकते है। बताया गया है कि एडीजी कार्यालय से याकूब की इनाम बढ़ाने की फाइल मांगी गई है।

पीएफआई संदिग्धों के नाम और खाते की जानकारी गृह मंत्रालय ने बिहार के मुख्य सचिव को भेजी, होगी कार्रवाई

पटना, 11 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पीएफआई के खिलाफ यूएपीए अधिनियम के तहत कार्रवाई करने के निर्देश जारी कर दिया है। इसको लेकर मंत्रालय के अंडर सेक्रेटरी ने बिहार के मुख्य सचिव को सात लोगों के नाम, बैंक खाता और अन्य डिटेल्स की जानकारी भेजी है। विभाग से भेजी गई सूची में एक अररिया, चार दरभंगा और एक-एक मुंबई-सीतामढ़ी के रहने वाले हैं। विभाग की ओर से भेजी गयी सूची में अररिया, दरभंगा और सीतामढ़ी के रहने वाले लोगों के नामों की सूची भेजी है। मंत्रालय के आधार पर मिली सूची और निर्देश के आधार पर अब गृह विभाग की विशेष सचिव केएस अनुपम ने राज्य के सभी जिला अधिकारी को इन संदिग्धों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

क्या है यूएपीए अधिनियम ?

यूएपीए का फुल फॉर्म अनलॉ एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट यानी गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम है। इस कानून का मुख्य उद्देश्य आतंकी गतिविधियों पर रोकथाम लगाना है। इस कानून के तहत पुलिस ऐसे आतंकियों, अपराधियों या अन्य लोगों को चिह्नित करती है, जो आतंकी गतिविधियों में शामिल होते हैं, इसके लिए लोगों को तैयार करते हैं या फिर ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं। अगस्त 2019 में ही इसका संशोधन बिल संसद में पास हुआ था, जिसके बाद इस कानून को ताकत मिल गई कि किसी व्यक्ति को भी जांच के आधार पर आतंकवादी घोषित किया जा सकता है।

कवाल कांड में मारे गए गौरव की मां लड़ेगी चुनाव

भाजपा पर लगाया ये बड़ा आरोप

मुजफ्फरनगर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर में नौ साल पहले कवाल कांड में मारे गए गौरव की मां सुरेश देवी खतौली उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर भाग्य आजमाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने नामांकन पत्र खरीद लिया है। शहर के दक्षिणी सिविल लाइन में रह रहे गौरव के पिता रविंद्र सिंह का आरोप है कि भाजपा ने उनके परिवार के नाम पर खूब राजनीति की है। लेकिन अब तक परिवार को कोई राहत नहीं दिला सके।

आयुष कॉलेजों में फर्जीवाड़ा कर प्रवेश लेने वाले 891 विद्यार्थी होंगे बर्खास्त

गोरखपुर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के आयुष कॉलेजों में फर्जीवाड़ा कर प्रवेश लेने वाले 891 निलंबित विद्यार्थियों को महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय ने बर्खास्त करने का फैसला लिया है। साथ ही इन छात्रों को इनरोलमेंट नंबर जारी करने पर रोक लगा दी है। जिन छात्रों के इनरोलमेंट नंबर जारी कर दिए गए हैं, उन्हें निरस्त करने का फैसला लिया गया है। अब तक प्रदेश के 12 कॉलेजों ने 200 से अधिक निलंबित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय प्रशासन को उपलब्ध करा दी है। जानकारी के मुताबिक, प्रदेश के 104 सरकारी और निजी कॉलेजों को मिलाकर आयुष, यूनानी और होम्योपैथी की 7338 सीटें हैं। इन सीटों पर इस बार नीट काउंसिलिंग के जरिए प्रवेश हुआ है।

लेकिन, प्रवेश के बाद रजिस्ट्रेशन और फार्म भरने की प्रक्रिया के दौरान 891 छात्र ऐसे मिले, जिन्होंने कागजों में हेर-फेर कर प्रदेश के कॉलेजों में सत्र 2021-22 में दाखिल ले लिया। इनके बारे में आयुर्वेद निदेशालय को सूचना दी गई। जांच में पता चला कि इनमें 22 छात्र ऐसे हैं, जो नीट की प्रवेश परीक्षा में शामिल ही नहीं हुए थे, लेकिन इनका भी दाखिला आयुष कॉलेजों में हो गया है। कई अन्य छात्रों का दाखिला मेरिट में हेर-फेर के जरिए आयुष कॉलेजों में हुआ है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए आयुष निदेशालय ने ऐसे 891 छात्रों को निलंबित कर दिया। वहीं, आयुष विश्वविद्यालय ने अब इन छात्रों के इनरोलमेंट नंबर जारी करने पर रोक लगा दी है। साथ ही बर्खास्त करने का फैसला भी लिया है।

सुविचार

उद्देश्य अच्छा रहने पर दृढता के नाम से और बुरा रहने पर इसे हटधर्मिता के नाम से जाना जाता है।

एससीआर ने 11वीं अखिल भारतीय आरपीएफ बैंड प्रतियोगिता जीती

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे 9 नवंबर से 11 वीं अखिल भारतीय आरपीएफ बैंड प्रतियोगिता की मेजबानी की। आरपीएफ बैंड प्रतियोगिता का समापन समारोह 11 नवंबर को आरपीएफ प्रशिक्षण केंद्र, मौलाअलि में आयोजित किया गया था। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और विजेता टीमों को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर महानिरीक्षक एवं प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, दमरे राजा राम सहित अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे। प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से कुल 13 आरपीएफ बैंड टीमों और आरपीएसएफ बटालियन की एक टीम ने कुल 227 बैंड कर्मचारियों ने भाग लिया। तीन प्रतिस्पर्धी टीम इवेंट-क्विक मार्च, स्लो मार्च और ओवरचर-प्रतियोगिताओं के मानदंड रहे हैं। इसी तरह, व्यक्तिगत श्रेणी में विजेताओं का चयन करने के लिए बगले कॉल्स कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि भारत जैसे विविध देश में संगीत एक बाध्यकारी शक्ति रहा है। उन्होंने कहा कि संगीत लोगों के बीच शांति, सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देता है। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने कहा कि बैंड प्रतियोगिता केवल यह तय करने का एक आयोजन नहीं है कि कौन सबसे अच्छा है बल्कि यह एकजुटता और समन्वय के सुंदर प्रदर्शन और राष्ट्र निर्माण की ओर आत्मीय मार्च का उत्सव है। उन्होंने विजेता टीम को बधाई दी और प्रतियोगिता में सच्ची खेल भावना के साथ उत्साहपूर्वक भाग लेने और प्रतियोगिता के दौरान अनुशासन के उच्चतम स्तर को बनाए रखने के लिए प्रतिस्पर्धी टीमों की सराहना की। 11वीं अखिल भारतीय आरपीएफ बैंड प्रतियोगिता की

विजेता दक्षिण मध्य रेलवे की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) बैंड टीम, उपविजेता रेलवे सुरक्षा विशेष बल (आरएसएसएफ) तथा तीसरे स्थान पर पूर्वी रेलवे की टीम रही। बिगुल कॉल्स में पहले स्थान पर एम.पी. मंडल, हेड कांस्टेबल/पूर्वी रेलवे, दूसरे स्थान पर केबी गुरुंग, हेड कांस्टेबल/उत्तर पूर्व रेलवे और तीसरे स्थान पर जीत राम, हेड कांस्टेबल/उत्तर रेलवे रहे।

ईडी को कई बेनामी बैंक खाते मिले

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राज्य में बीते दो दिनों के दौरान ग्रेनाइट कंपनियों के कार्यालयों और आवासीय परिसरों की तलाशी ली। जांच के दौरान उनके व्यवसाय संचालन में कई अनियमितताएं पाई गईं है। इसने अलग-अलग नामों वाले कई बेनामी बैंक खातों का पता लगाया है और अब यह फेमा उल्लंघनों से संबंधित सबूतों का पता लगाने की कोशिश कर रहा है। ईडी ने करीमनगर और हैदराबाद में श्वेता ग्रेनाइट्स, स्वेता एजेंसियों, श्री वेंकटेश्वर ग्रेनाइट्स प्राइवेट लिमिटेड, पीएसआर ग्रेनाइट्स प्राइवेट लिमिटेड, अरविंद ग्रेनाइट्स, गिरिराज शिपिंग एजेंसियों प्राइवेट लिमिटेड और उनकी संबंधित संस्थाओं पर छापे मारे। तलाशी कार्रवाई के दौरान ईडी की तलाशी टीमों ने बेहिसाबी नकदी बरामद की। कथित तौर पर निर्यात के खिलाफ हवाला में प्राप्त हुए 1.08 रुपये और खदानों से 10 साल के विशाल ग्रेनाइट प्रेषण डेटा को भी जब्त कर लिया। कारोबारी संस्थाएं चीन, हांगकांग, चीन और अन्य देशों को रफ ग्रेनाइट ब्लॉकों का निर्यात कर रही हैं। पूछताछ के दौरान, यह पाया गया कि निर्यात की गई मात्रा उस मात्रा से अधिक थी जिस पर रॉयल्टी का भुगतान किया गया था और निर्यात करते समय मात्रा की कम रिपोर्टिंग थी। कई मामलों में, घोषित बैंक खातों में निर्यात आय की वसूली नहीं की जाती है, जिससे यह संकेत मिलता है कि निर्यात आय बैंकिंग चैनलों के अलावा अन्य के माध्यम से प्राप्त की जाती है। तलाशी कार्रवाई के दौरान, ईडी की खोज टीमों को ग्रेनाइट निर्यातकों के कर्मचारियों के नाम से कई बेनामी बैंक खाते भी मिले, जिनमें अवैध ग्रेनाइट निर्यात के खिलाफ प्राप्त नकद जमा किया जा रहा था। तलाशी कार्रवाई से यह भी पता चला कि चीनी संस्थाओं से भारतीय संस्थाओं को बिना दस्तावेजों के हस्त ऋण के रूप में धन वापस भेजा जा रहा है। इन चीनी संस्थाओं का स्वामित्व ली वेनहुओ के पास है, जिनका नाम पनामा लीक में सामने आया था। राज्य सरकार के सतर्कता और प्रवर्तन विभाग की रिपोर्ट के आधार पर अवैध ग्रेनाइट खनन और फेमा उल्लंघन पर ईडी जांच शुरू की गई है, जहां करीमनगर जिले के खदान पट्टा क्षेत्रों से समुद्र में ले जाने वाले ग्रेनाइट ब्लॉकों पर बड़े पैमाने पर सेग्नोरेज शुल्क की चोरी की गई है। रेलवे द्वारा बंदरगाहों का पता लगाया गया और चोरी की गई रॉयल्टी की मांग उठाई गई लेकिन निर्यातकों द्वारा भुगतान नहीं किया गया। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि आगे की जांच जारी है।

माह के अंत तक बंजर भूमि सर्वेक्षण की प्रक्रिया पूरी करें : सत्यवती राठौर

आसिफाबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के जनजातीय मामलों की मंत्री सत्यवती राठौर ने कहा कि सरकार द्वारा पोडू कृषि करने वाले पात्र आदिवासियों की पहचान के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई बंजर भूमि के सर्वेक्षण की प्रक्रिया को महीने के भीतर पूरी पारदर्शिता के साथ संचालित किया जाना चाहिऐ। जिला कलेक्टर, अपर कलेक्टर, एसपी ने संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर राज्य मंत्री ने कहा कि बंजर भूमि का सर्वेक्षण माह के अंत तक तथा ग्राम सभा, संभाग सभा एवं जिला सभा का कार्य पूर्ण कर लिया जाये। उन्होंने कहा कि बंजर भूमि सर्वेक्षण की प्रक्रिया बिना किसी अनियमितता के की जाए और लोगों की शंकाओं को दूर कर शांतिपूर्ण माहौल में प्रक्रिया पूरी की जाए। दिसंबर के पहले सप्ताह में पात्र लोगों के लिए आर ओ एफ आर उन्होंने कहा कि सरकार ने डिग्री प्रदान करने की दिशा में एक गतिविधि तैयार की है और आदेश दिया है कि सर्वेक्षण प्रक्रिया को तेजी से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी हाल में वन भूमि का अतिक्रमण न होने दें, वन एवं राजस्व विभाग के अधिकारी समन्वय से कार्य करें और गांवों में लोगों में जागरूकता पैदा करें। उन्होंने कहा कि भविष्य में वन भूमि का अतिक्रमण रोकने के लिए ग्राम परिषदों में प्रस्ताव पारित किया जाए। बाद में शासन के मुख्य सचिव ने कहा कि बंजर भूमि सर्वेक्षण की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और धाराणी पोर्टल के माध्यम से 33 मॉड्यूल में प्राप्त आवेदनों का त्वरित निस्तारण किया जाए।जिला कलेक्टर राहुल राज ने बताया कि पोडू भूमि के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों पर संबंधित ग्रामों के सरपंच एवं पंचायत सचिवों को भागीदार बनाकर वन एवं राजस्व विभागों के समन्वय से कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि समिति के सदस्यों के साथ मिलकर इसकी जांच की जाएगी।उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण प्रक्रिया को संचालित करने के लिए जिले में 100 टीमों का गठन किया गया है, ग्राम सभा आयोजित की जाएगी और नियमानुसार प्रस्ताव पारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण शांतिपूर्ण माहौल में हो और सर्वेक्षण के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो इसके लिए पुलिस विभाग के समन्वय से व्यवस्था की जा रही है।इस कार्यक्रम में जिला अपर कलेक्टर चाहत बाज पाई, जिला वन अधिकारी, एसपी, जिला आदिवासी विकास अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

पीएम मोदी के दौरे को लेकर पेद्दापल्ली में विरोध प्रदर्शन जारी

करीमनगर, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शनिवार को होने वाले पेद्दापल्ली जिले के दौरे के विरोध में, सभी वामदलों, राष्ट्रीय ट्रेड यूनियनों और सिंगरेनी कर्मचारियों ने कोयला ब्लॉकों के निजीकरण तथा केंद्र की मजदूर विरोधी नीतियों के विरोध में रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड के पीएम के दौरे को रोकने का फैसला किया है।

वामपंथी छात्र संघ एआईएसएफ ने शिक्षा क्षेत्र में समस्याओं को हल करने में मोदी की लापरवाही और केंद्र द्वारा राज्य में किसी भी केंद्रीय संस्थान को अनुमति नहीं देने के विरोध में शनिवार को तत्कालीन करीमनगर जिले में सभी शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने का आह्वान किया। जिले के अलग-अलग हिस्सों में भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। शुक्रवार को एटक कार्यकर्ताओं ने कमान चौक पर धरना दिया और मोदी का पुतला फूंका। दूसरी ओर, पीएम की जनसभा के लिए लोगों को बड़े पैमाने पर जुटाने की कोशिश कर रहे भाजपा नेता सोशल मीडिया पर संदेश प्रसारित कर किसानों, खेत मजदूरों, युवाओं और महिलाओं के साथ-साथ भाजपा कार्यकर्ताओं को जनसभा में भाग लेने के लिए कह रहे हैं। एनटीपीसी स्टेडियम में होने वाला है।

कोयला खदान के पेंशनभोगी 5 दिसंबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया कोल पेंशनर्स एसोसिएशन ने 5 दिसंबर को जंतर मंतर, नई दिल्ली में धरने के साथ कोयला खदान पेंशन योजना में सुधार की मांग को लेकर अपना आंदोलन तेज कर दिया है। सिंगरेनी सेवानिवृत्त कर्मचारी कल्याण संघ, कापरा के अध्यक्ष डी रामचंदर राव द्वारा दिए गए एक आह्वान के अनुसार, कोयला खदान के कर्मचारी अंशदायी पेंशन योजना सीएमपीएस-1998 के अंतर्गत आते हैं। इस योजना में लगभग 5.56 लाख कोयला कर्मचारी शामिल हैं जो 31 मार्च, 1994 के बाद सेवानिवृत्त हुए। हालांकि, कई पेंशनभोगियों या उनकी विधवाओं को मासिक पेंशन के रूप में 500 रुपये से 1000 रुपये से कम मिल रहा था, जबकि सरकारी योजनाओं के तहत वृद्ध लोगों को दी जाने वाली पेंशन बहुत अधिक था। ऑल इंडिया कोल पेंशनर्स एसोसिएशन के संयोजक पीके सिंह राठौर ने बताया कि 2015 से तेलंगाना सरकार सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के पेंशनरों को 2,016 रुपये की मासिक पेंशन पाने के लिए आसरा पेंशन योजना के तहत कवर करने की अनुमति दे रही थी। दूसरी ओर, सीएमपीएस-1998 कुप्रबंधन के कारण त्रस्त था जिसके परिणामस्वरूप कॉर्पस फंड का क्षरण हुआ और 24 साल पहले स्थापना के बाद से पेंशन में कोई वृद्धि नहीं हुई।

मॉर्निंग वॉक पर गई महिला को वैन ने कुचला

निर्मल, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुबह की सैर पर निकली 36 वर्षीय महिला को शुक्रवार को शहर के बाहरी इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर एक वैन ने कुचल दिया। निर्मल पुलिस ने कहा कि पीड़िता मंजुलापुर के सरकारी शिक्षक नरसैय्या की पत्नी मंचला सुनीता अपने भाई-बहनों के साथ सुबह की सैर पर थी, तभी एक वैन ने उन्हें टक्कर मार दी। अस्पताल ले जाने के दौरान उसकी मौत हो गई। वैन भैंसा से निर्मल की ओर जा रही थी, जबकि सुनीता उसी दिशा में जा रही थी। उनके परिवार में नरसैया और दो बेटियां हैं। मामला दर्ज किया गया था।

मछली मार्केट के आसपास कचरे की समस्याओं को जल्द सुलझाएं : तलसानी

मंत्री ने स्थानीय नेताओं की उपस्थिति में कई विभाग के अधिकारियों के साथ की बैठक

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर के प्रभारी मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने मसाबटैंक स्थित कार्यालय में गोशामहल क्षेत्र के जीएचएमसी, वटर वर्क एवं टाऊन प्लानिंग अधिकारियों एवं स्थानीय स्थानीय नेताओं के साथ एक बैठक आयोजित की। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मछली मार्केट के आसपास जीएचएमसी अधिकारियों द्वारा हटाये गये कचरे के डस्टबिन की समस्याओं को हल करें। उन्होंने कहा कि स्थानीय गरीब लोग डस्टबिन की समस्याओं से भारी परेशान है। साथ ही मंत्री ने उन मछली विक्रेताओं को दुकानें आवंटित करने का भी निर्देश दिया, जो अपनी दुकानों के आवंटन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मंत्री श्रीनिवास यादव ने जीएचएमसी टाउन प्लानिंग अधिकारियों को गंभीर कानूनी कार्रवाई करने का आदेश दिया, जो अनैतिक रुप से घर बनाये हुए हैं। मंत्री ने आदेश दिया कि जामबाग संभाग, नमाज मैदान, छोटा मैदान और तुरुप बाजार में लंबित फाइलों को शीघ्र स्वीकृत कर कार्यों को पूरा किया जाए। उन्होंने अनुरोध किया कि सुबनपुरा में बस्ती दवाखाना के कार्यों को जल्द से जल्द पूरा कर शुरू किया जाए। बेगमबाजार मंडल जगजीवन राम बस्ती में पाइप लाइन का काम लंबित है, कुछ गरीब लोगों के घर गायब हैं और उन्हें बहाल करने के लिए चर्चा की गई है। उन्होंने जल्द काम पूरा करने का आश्वासन दिया। मंत्री ने अधिकारियों को समस्याओं का समाधान करने का निर्देश दिया ताकि किसी को परेशानी न हो। कार्यक्रम में गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी प्रेम सिंह राठौर और टीआरएस नेता नंदू बिलाल, एम. आनंद कुमार गौड़, पार्षद शंकर यादव ने आज में भाग लिया।

व्यक्ति की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या

संगारेड्डी, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुनिपल्ली मंडल के चिन्ना चेल्मेडा गांव में शुक्रवार की सुबह बेगरी आनंद नाम के एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। 28 वर्षीय आनंद पर तलारी अंबैया के बेटे की हत्या का आरोप था, जिसकी एक साल पहले हत्या कर दी गई थी।

अंबैया ने कथित तौर पर अपनी आंखों में मिर्च पाउडर छिड़का और गांव के बीचोंबीच उसका पीछा करने के बाद उस पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। आनंद की मौके पर ही मौत हो गई। मुनिपल्ली पुलिस ने गांव में अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है। मामला दर्ज किया गया था।

पत्नी की मौत के बाद युवक ने फांसी लगा ली

राजन्ना-सिरसिला, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अपनी पत्नी की मृत्यु को स्वीकार करने में असमर्थ, थंगलापल्ली मंडल के नेरेला के 25 वर्षीय कोडिमुंजा प्रशांत की कथित तौर पर आत्महत्या से मृत्यु हो गई। करीब दो महीने पहले प्रशांत की पत्नी की तबीयत खराब होने से मौत हो गई थी। तभी से परेशान प्रशांत शुक्रवार को अपने घर में फांसी पर लटका मिला। उसे देख पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए सिरसिला अस्पताल भेज दिया गया, जबकि मामला दर्ज कर लिया गया है।

स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सरकार ने व्यापक कदम उठाए : हरीश राव

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव तेलंगाना में स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने के लिए व्यापक कदम उठा रहे हैं। शुक्रवार को यहां जन स्वास्थ्य निदेशक के कार्यालय में स्वास्थ्य निगरानी केंद्र का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से बात करते हुए, मंत्री हरीश राव ने कहा कि राज्य भर के 887 सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों पर अब तक सीसी कैमरे लगाए गए हैं और उच्च अधिकारियों द्वारा मुख्यालय से राज्य से सभी कैमरों की निगरानी की जा रही है। हरीश राव ने कहा कि कैमरों की मदद से, हैदराबाद में बैठकर आपातकालीन मामलों की निगरानी की जाती है और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में काम करने वाले डॉक्टरों और नर्सों को सलाह दी जाती है कि मामलों की जटिलता को कम किया जाए और लोगों की जान बचाई जाए। हाल ही में मुनुगोडु उपचुनाव के कारण 969 डॉक्टरों की नियुक्ति प्रक्रिया में देरी होने का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि इसकी प्रक्रिया अगले 10 दिनों में पूरी कर ली जाएगी और चयनित डॉक्टरों को नियुक्ति आदेश सौंप दिए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार जल्द ही पल्ले दवाखानों के लिए अन्य 1,569 पदों पर भर्ती अभियान शुरू करने की योजना बना रही है।

दुब्बका में भाजपा को झटका, मंडल अध्यक्ष टीआरएस में शामिल

सिद्दीपेट, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पार्टी के मंडल अध्यक्ष अरिगे कृष्णा के तेलंगाना राष्ट्र समिति में शामिल होने के बाद, भारतीय जनता पार्टी को दुबक निर्वाचन क्षेत्र में झटका लगा। दुब्बका विधायक एम रघुनंदन राव के करीबी रहे कृष्णा शुक्रवार सुबह हैदराबाद में वित्त मंत्री टी. हरीश राव और मेडक सांसद के प्रभाकर रेड्डी की मौजूदगी में टीआरएस में शामिल हुए। रघुनंदन राव के रहने वाले बोप्पापुर गांव के निवासी कृष्णा ने कहा कि भाजपा विधायक ने वफादार पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए कुछ नहीं किया है, हालांकि उन्होंने उनकी जीत के लिए बहुत मेहनत की है और कहा कि पार्टी कैडर रघुनंदन राव के व्यवहार से नाराज हैं।

मौलाना आजाद की जयंती नहीं मनाने पर कांग्रेस ने केसीआर सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री मोहम्मद अली शब्बीर ने आधिकारिक स्तर पर स्वतंत्रता सेनानी और भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती नहीं मनाने के लिए टीआरएस सरकार की कड़ी निंदा की है। "यह एक बार फिर साबित हो गया है कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के मन में स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रीय नेताओं के लिए कोई सम्मान नहीं है, खासकर यदि वे मुस्लिम समुदाय से हैं। यह बेहद शर्मनाक है कि टीआरएस सरकार ने मौलाना आजाद की 134 वीं जयंती नहीं मनाई। आधिकारिक स्तर पर हालांकि इसे राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। सीएम केसीआर ने मौलाना आजाद को श्रद्धांजलि देने के लिए एक प्रेस विज्ञप्ति भी जारी नहीं की।शब्बीर अली ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकारें मौलाना आज़ाद की विचारधारा और शिक्षाओं को लोगों के बीच फैलाने के लिए इस अवसर को बड़े पैमाने पर मनाती थीं। उन्होंने बताया कि तत्कालीन कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने 11 सितंबर, 2008 को हर साल 11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाकर मौलाना आजाद की जयंती मनाने का फैसला किया था। तब से, केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने शिक्षा क्षेत्र में मौलाना आजाद के योगदान को उजागर करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया है। राज्य स्तर पर कांग्रेस सरकार अल्पसंख्यक कल्याण दिवस आयोजित करती थी जिसमें जिला कलेक्टरों को अपने-अपने जिले में अल्पसंख्यकों की समस्याओं का समाधान करने का निर्देश दिया जाता था।

आंप्र में 3450 करोड़ रुपये की 26 खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना जल्द : जगन

नरसरावपेटा, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने शुक्रवार को घोषणा की कि अगले कुछ महीनों में 1250 करोड़ रुपये की लागत से दस खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के निर्माण की आधारशिला रखी जाएगी। उन्होंने यहां के पास वंकायलपाडु में आईटीसी की वैश्विक मसाला प्रसंस्करण इकाई के एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार सभी 26 जिलों में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना करना चाहती है, जिसकी अनुमानित लागत 3450 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि एक बार सभी 26 इकाइयां पूरी हो जाने के बाद, यह कृषक समुदाय के लिए एक वरदान होगा, साथ ही 33,000 लोगों को रोजगार भी प्रदान करेगा।

दिन में रिकॉर्ड समय में आईटीसी की 200 करोड़ रुपये की वैश्विक मसाला प्रसंस्करण इकाई की पट्टिका का अनावरण करते हुए, उन्होंने कहा कि किसानों को इसके दूसरे चरण में एशिया में सबसे बड़ी मसाला प्रसंस्करण इकाई बनने वाली इकाई से अत्यधिक लाभ होगा। अगले 15 महीनों में पूरा कर लिया गया है। 20,000 मीट्रिक टन की क्षमता वाला यह संयंत्र मिर्च सहित 15 प्रकार के मसालों की सफाई, ग्रेडिंग, ग्राइंडिंग, स्टीम स्टरलाइज़ेशन, डिस्टेमिंग और पैकिंग की सुविधा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह संयंत्र प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 1500 लोगों को रोजगार प्रदान करेगा और 14,000 से अधिक किसानों को लाभान्वित करेगा। यह बताते हुए कि आंध्र प्रदेश पिछले तीन वर्षों में देश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) में शीर्ष पर है, जगन ने कहा कि केवल 24 महीनों में मसाला प्रसंस्करण इकाई की शुरुआत औद्योगिक विकास के लिए वाईएसआरसीपी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मुख्यमंत्री ने राज्य भर में 10,668 रायथु भरोसा केंद्र (आरबीके) स्थापित करने के सरकार के फैसले के बारे में बताया, जिससे कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आए।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा सूचना सं. 01-2022 दिनांक : 09-11-2022

पीयूबी/0991

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत डिप्टी चीफ इंजीनियर/गति शक्ति यूनिट/गुंटकल द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

क्रम सं. : 01. निविदा सं. : जीटीएल - जीएसयू - इंजी - 0001. कार्य का विवरण : डीजल लोको शेड गूटी : होमिंग इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्स के लिए डीजल लोको शेड, गूटी पर इंफ्रास्ट्रक्चर एवं टेस्ट सेट अप. विज्ञापित मूल्य : रु. 3,06,56,691.34 पैसे, पूर्व धरोहर राशि : रु. 3,03,300/-, बंद होने की तिथि एवं समय : 05-12-2022 को 15.00 बजे।

बोली दस्तावेज़ एवं अन्य विवरणों के लिए http://ireps.gov.in को लॉगइन करें।

कोई भी शुद्धिपत्र केवल ऑनलाइन जारी किया जाएगा।

डिप्टी चीफ इंजीनियर, कार्य, गति शक्ति यूनिट, गुंटकल

ई-निविदा सूचना सं. 34-2022,दिनांक : 09-11-2022

पीयूबी/0992

कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत सीनियर डिवीजनल इंजीनियर/को-ऑर्डिनेशन/गुंटकल द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

क्र.सं. 1. निविदा सं. इंजी-जीटीएल-ब्रिजेस-1325. कार्य का विवरण : गुंटकल डिवीजन : रेनिगुंटा - गुडूर सेक्शन : पीएससी स्लैब्स (9X12.20 एम के पोस्ट टेंशन्ड 59 अप) के साथ स्टील गिर्डर का प्रस्तावित प्रतिस्थापन। विज्ञापित मूल्य : रु.2,86,99,829.87 पैसे, पूर्व धरोहर राशि : रु. 2,93,500.00, बंद होने की तिथि एवं समय : 06-12-2022 को 15.00 बजे तक

बोली दस्तावेज एवं अन्य विवरणों के लिए http://ireps.gov.in को लॉगइन करें।

कोई भी शुद्धिपत्र केवल ऑनलाइन जारी किया जाएगा।

डिवीजनल रेलवे मैनेजर/कार्य, गुण्टकल

सार्वजनिक ई-निविदा सूचना सं. सी/ई.221/ईएलएस/एलजीडी/आरसी/352ए/22-23/08 दि.10-11-2022

पीयूबी/0993

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए अनुभवी ठेकेदारों से ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1. निविदा सं. एवं तिथि : सी/ई.221/ईएलएस/एलजीडी/आरसी/352ए दि. 10-11-2022, कार्य का विवरण : टीबीयू/पीबीयू व्यवस्था से कन्वेन्शनल ब्रेक रिगिंग तक डब्ल्यूएजी 9 लोकोमोटिव्स के ब्रेक रिगिंग में परिवर्तन करना, मात्रा - 04 लोको सेट। निविदा मूल्य : रु. 55,35,008.36/-, पू.ध.रा. : रु. 1,10,700.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य : कुछ नहीं, पूरा करने की अवधि : 04 महीने, बंद होने एवं खोलने की तिथि एवं समय : 08-12-2022 को 15.00 बजे एवं 15.15 बजे।

प्रस्ताव की वैधता : निविदा को खोलने की तिथि से 63 दिन।

निविदा दस्तावेज की प्रस्तुति : http://www.ireps.gov.in

निविदा शर्तें/ अन्य विवरण हमारी वेबसाइट आईआरईपीएस वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर निविदा दस्तावेज़ में उपलब्ध है।

सीनि. डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, ईएलएस, लालागुड़ा, सिकन्दराबाद

A1324

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in' या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, SYEDA NAILA, R/o.H.No. 8-1-523/98, Brindavan Cly, Tolichowki, Hyd, T.S. changed my Name as SYEDA NAILA MASOOD D/o.SYED ZAKULLAH MASOOD.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवाल करने से पहले उसकी पूरी तरह से जांच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

साल भर चलने वाली पदयात्रा शुरू करेंगे नारा लोकेश

अमरावती, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु देशम पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मंत्री नारा लोकेश अगले साल 27 जनवरी से एक साल की पदयात्रा करेंगे। टीडीपी सूत्रों के अनुसार, पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के बेटे लोकेश, चित्तूर जिले के कुप्पम से मैराथन पैदल यात्रा शुरू करेंगे और राज्य की सीमा के पास श्रीकाकुलम जिले के इच्छापुरम में इसका समापन करेंगे। कहा जाता है कि लोकेश 2024 के चुनाव से पहले लोगों के साथ रहने की योजना बना रहे थे और इस उद्देश्य के लिए एक रूट मैप तैयार किया।

टीपीसीसी के वरिष्ठ नेता ने चुनाव आयोग को लिखा पत्र

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी. निरंजन ने आज भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त को एक पत्र लिखकर कहा कि मुनुगोड़े उपचुनाव को देश के सबसे महंगे चुनावों में से एक बताया गया है। उन्होंने कहा कि "पैसे और शराब भारी मात्रा में बांटे गए थे। मीडिया ने यह भी बताया कि इस चुनाव में पैसे और शराब के प्रभाव और सत्ताधारी दलों ने मतदाताओं को किस तरह से रियायतें दीं। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पैसे के अलावा, शाम के दौरान मटन, चिकन और शराब की आपूर्ति घरों में की गई है, जबकि कुछ पार्टियों ने रसोई और अन्य घरेलू सामान जैसे प्रेशर कुकर और दीवार घड़ियां भी वितरित की हैं। टीपीसीसी नेता ने चुनाव आयोग से इस खतरे को नियंत्रित करने और स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में अपनी विफलताओं के लिए आत्मनिरीक्षण करने का आग्रह किया। यह और कुछ नहीं बल्कि लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया का मजाक है। यह स्पष्ट रूप से देखा गया है कि चुनाव तंत्र ने केंद्र में सत्ताधारी दल और राज्य में सत्ताधारी दल के निर्देशों के अनुसार काम किया। मतदान की शुरुआत से ही यह फर्जीवाड़ा देखने को मिला है।

समर्थ नेतृत्व मिलने पर ही राष्ट्र का विकास संभव : सुशील पंडित

राष्ट्र के प्रसिद्ध चिंतक के नगरागनम पर अभिनंदन समारोह आयोजित

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र के प्रसिद्ध चिंतक, प्रखर वक्ता एवं इतिहासकार सुशील पंडित ने कहा कि कोई भी राष्ट्र तब चहुंमुखी विकास कर सकता है, जब उसे एक समर्थ नेतृत्व मिले। भारत का इतिहास साक्षी है कि हमारा राष्ट्र का कई जातियों ने शोषण किया, लेकिन भारत ने किसी का शोषण नहीं किया। भारत को कई विषम परिस्थितियों से गुजरना पड़ा है, किंतु वह अपने दैवीय ज्ञान के बलबूते पर आज भी शक्तिशाली है। शुक्रवार को सुशील पंडित के नगरागमन पर उतिष्ठ भारतेय के तत्वावधान में आरोग्य हॉस्पिटल, मोजमजाही मार्केट में आयोजित स्नेहमिलन एवं अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता से लेकर कई वर्षों तक भारत को कोई समर्थ नेतृत्व नहीं मिल रही थी, इसलिए यहां कश्मीर समस्या के अलावा और कई समस्या मुंह बाहें खड़ी थीं, किंतु वर्तमान में देश को मिले समर्थ नेतृत्व ने इन समस्याओं को सुलझाने में जी जान एक कर रही है। स्वतंत्रता के समय हमारे नेताओं की भूल के कारण आज तक कश्मीर पंडितों को दर-दर भटकना पड़ रहा ह। आज वे अपने देश में शरणार्थी बने हुए हैं, जो लज्जा की बात है। सही तो यह है कि हमारे देश के लोग कश्मीर की असली समस्या से परिचित नहीं हैं। इस पर फिल्मी बनने के बाद ही लोग परेशान हैं। उन्होंने देशवासियों से भारत के असली इतिहास की जानकारी रखने का आग्रह किया। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. मोहन गुप्ता ने सर्वप्रथम सुशील पंडित का स्वागत किया तथा उनका परिचय प्रदान किया।

मंच पर पूर्व अपर पुलिस अधीक्षक, तेलंगाना एके वाजपेयी व वरिष्ठ नेता प्रेमसिंह राठोड़ उपस्थित रहे। अंत में वरिष्ठ समाजसेवी गोविद राठी व महेश बैंक के चेयरमैन रमेश बंग ने सुशील पंडित का सम्मान किया। इस अवसर नगरद्वय के गई महानुभव उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज शिवरामपल्ली शाखा का दीपावली मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद कल

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज शिवरामपल्ली शाखा का दीपावली मिलन और अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम का आयोजन शिवरामपल्ली स्थित राघवेंद्र नगर कॉलोनी कम्युनिटी हॉल में शनिवार 12 नवंबर 2022 को रात्रि 7 से 10 तक कल किया जाएगा। सभा में उपस्थित शाखा अध्यक्ष राजेश जैलिया, मंत्री अनिल गोयल, कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, संयुक्त मंत्री पकज गुप्ता, अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति के कोषाध्यक्ष एवं शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य राकेश कुमार जालान, प्रदीप अग्रवाल, अनिल बंसल आदि उपस्थित थे।

शाखा के अध्यक्ष राजेश दहिया जीने शाखा के सभी सदस्यों से सपरिवार उपस्थित होकर अंकुर प्रसाद ग्रहण करने का निवेदन किया है।

संसार में धर्म की स्थापना के लिए अवतार लेते हैं भगवान : संतोषी माता

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केशव डालमिया परिवार द्वारा गोशामहल पुलिस ग्राउंड स्थित वृंदावन धाम में श्रीमद्भागवत कथा महामहोत्सव को संबोधित करते हुए कथा प्रवक्ता श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर मां संतोषी माताजी, हरिद्वार ने वराह अवतार, कपिल उपाख्यान तथा ध्रुव चरित्र पर कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि जब संसार में पाप का भार बढ जाता है, तब भगवान किसी न किसी रूप में अवतार लेकर उस पापी का संहार करते हैं और यहां धर्म की स्थापना करते हैं। वराह अवतार उनमें से एक है। उन्होंने बताया कि पुरातन समय में दैत्य हिरण्याक्ष ने जब पृथ्वी को ले जाकर समुद्र में छिपा दिया तब ब्रह्मा की नाक से भगवान विष्णु वराह रूप में प्रकट हुए। भगवान विष्णु के इस रूप को देखकर सभी देवताओं व ऋषि-मुनियों ने उनकी स्तुति की। सबके आग्रह पर भगवान वराह ने पृथ्वी को ढूंढना प्रारंभ किया। अपनी थूथनी की सहायता से उन्होंने पृथ्वी का पता लगा लिया और समुद्र के अंदर जाकर अपने दांतों पर रखकर वे पृथ्वी को बाहर ले आए। जब हिरण्याक्ष दैत्य ने यह देखा तो उसने भगवान विष्णु के वराह रूप को युद्ध के लिए ललकारा। दोनों में भीषण युद्ध हुआ। अंत में भगवान वराह ने हिरण्याक्ष का वध कर दिया। इसके बाद भगवान वराह ने अपने खुरों से जल को स्तंभित कर उस पर पृथ्वी को स्थापित कर दिया। इसके पश्चात भगवान वराह अंतर्धान हो गए। कथा वाचिक ने बताया कि कपिल भगवान ने अपनी माता देवहूति को सांख्य योग का ज्ञान दिया। दक्ष यज्ञ कथा में कहा कि अंहकार युक्त किया यज्ञ जप तप का फल इस प्रकार नष्ट हो जाता है। जैसे अग्नि में भुना हुआ बीज निष्क्रिय हो जाता है। दक्ष ने ऐसा ही किया। जिससे सती ने यज्ञ में शरीर त्याग किया तथा शिव कोष से दक्ष यज्ञ का विनाश हुआ। उन्होंने कथा का वाचन करते हुए कहा कि माता सुनिती द्वारा अपने बालक ध्रुव में बचपन से ही ऐसे संस्कार डाले गए कि पांच वर्ष की उम्र में ही ध्रुव ने प्रभु को प्राप्त कर लिया। रिषभ देव ने अपने पुत्रों को ज्ञान देते हुए कहा कि अपना हितैषी मित्र संबंधी गुरू माता-पिता हैं, जो ज्ञान देकर मृत्यु के बंधन से मुक्त करा सकें। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिवकुमार डालमिया, पवन कुमार डालमिया, प्रमोद कुमार डालमिया, मनोजकुमार डालमिया, आशीष डालमिया, हरीश डागा के अलावा विशेष सहयोगी दिनेश कुमार बडेगांववाले, बजरंगलाल अग्रवाल, दिलीप व डॉ. अनंत काबरा का महत्वपूर्ण यागदान रहा।

कथा में उपस्थित भक्तगण संतोष कुमार अग्रवाल (नागपुर), महेशकुमार अग्रवाल, अनंतकुमार बंसल (उदयपुर), सुभाष केडियाद्व अरुण कुमार लुहारका, हरिकिशन बजाज, डॉ. श्यामसुंदर, हनुमान प्रसाद अग्रवाल (अमरावती), कैलाश गोयल (जयपुर), प्रवीण गुप्ता, संजय गुप्ता, हरिकिशन गुप्ता, नरेश गोयल, मुकेश गोयल आदि उपस्थित रहे।

हिंदी का बढ़ावा देना भारत की एकता के लिए जरूरी : प्रो. सर्राजू

दक्षिण भारत में हिंदी की दशा और दिशा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गीतम विश्वविद्यालय में दक्षिण भारत में हिंदी की दशा और दिशा विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन गीतम स्कूल आफ ह्युमानिटी एंड सोशल सैन्सेस विभाग द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. आरएस सर्राजू ने कहा कि हिंदी का बढ़ावा भारत की एकता के लिए जरूरी है। हिंदी भाषा भारतीयों को जोड़ती है। डिजिटलीकरण करण की इस दुनिया में हिंदी भाषा को चाहे किसी भी भाषा में लिखें, वह हिंदी के प्रचार व प्रसार का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि गांधीजी ने दो लड़ाइयां एक साथ लड़ी एक आजादी की लड़ाई और दूसरी भारतीयों की एकता के लिए। राष्ट्रभाषा हिंदी के लिए लड़ी गई हिंदी के माध्यम से आज भी युवा पीढ़ी कोई समाचार एजेंसी, फिल्म, मल्टीमीडिया या विदेशों में अपनी जीविका को सफलतापूर्वक पा रहे हैं। हिंदी राष्ट्र भाषा के रूप में स्वतंत्रता पूर्व से ही सफलता पूर्वक कार्य कर रही है। राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी का राजनीतिकरण किया जा रहा है, यह चिंता का विषय है। इस अवसर पर प्रो. करण सिंह उटवाल, प्रो. संजय एल मदार और प्रो. चंद्रा मुखर्जी की महत्ती उपस्थिति रही। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. सुरेश कुमार डॉ, ताजुद्दीन, डॉ. रमेश बाबू, डॉ. शंकर और डॉ. वीएस स्वामी नायक इन्होंने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

प्रोफेसर मैनेजर पाण्डेय की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा प्रख्यात हिंदी आलोचक प्रोफेसर मैनेजर पाण्डेय की स्मृति में मानविकी संकाय के सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. आर.एस. सर्राजु, मानविकी संकाय के अध्यक्ष प्रो. वी. कृष्ण, विभाग के अध्यक्ष प्रो. गजेन्द्र पाठक, विभाग की सेवानिवृत्त प्रो. शशि मुदीराज, विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर रवि रंजन, प्रो. विष्णु सरवदे, प्रो. श्यामराव, प्रो. आंजनेयुलु, डॉ. भीमसिंह, डॉ. प्रकाश कोपार्डे, और डॉ. आत्माराम सहित बड़ी संख्या में विभाग शोधार्थियों, विद्यार्थियों ने भाग लिया और प्रो. पाण्डेय चित्र पर पुष्प समर्पित कर प्रो. पाण्डेय के प्रति भावभीनी श्रद्धांजलि दी। विदित हो, नवंबर, 6 को दिल्ली में प्रो. मैनेजन पाण्डेय का निधन हुआ था। प्रो.पाण्डेय के प्रति श्रद्धांति समर्पित करते हुए प्रो. सर्राजु ने कहा कि प्रो. पाण्डेय हिंदी के साथ-साथ हिंदीतर भाषाओं को भी प्रोत्साहित करते थे, और गैर-हिंदी भाषाओं में क्या कुछ नया लिखा जा रहा है इसके प्रति सदैव जागरुक रहते थे। प्रो. शशिमुदीराज प्रो. पाण्डेय को हिंदी में समाजशास्त्रीय आलोचना को स्थापित करने वाले चिंतक रूप में अभिवर्णित किया। प्रो. कृष्ण उन्हें महान प्रगतिशील आलोचक के रूप में याद किया। प्रो. रविरंजन ने कहा कि प्रो. मैनेजर पाण्डेय को करुणा, विडम्बना और क्रोध की मिली-जुली तीखी और तीव्र वाग्मिता के आलोचक थे। विभाग सभी शिक्षकों ने अपने स्मरणों के माध्यम से प्रो. पांडेय को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का समापन हिंदी विभाग के प्रो. गजेन्द्र पाठक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ संपन्न हुआ।

जेल से रिहाई के बाद विधायक टी. राजासिंह का सम्मान करते हुए भाजपा नेता रवि मेहरा, साहित्यकार डॉ. विजेंद्र जैन व संजय कोचेटा।

कामारेड्डी के जिला अधिकारी जीतेश पाटील ने ड्रोन मशीन द्वारा कीटकनाशक छिड़काव का निरक्षण किया। जिला स्थानीय निकाय के अतिरिक्त कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे, डीआरडीओ सयाना, अतिरिक्त पीडी मुरलीकृष्णा सहित अधिकारियों ने भाग लिया।

बोंदिली राजपूत संगम ने विधायक को ज्ञापन सौंपा

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पटनचेरु बोंदिली राजपूत संगम के सदस्यों ने पटनचेरु के विधायक गुडेम महीपाल रेड्डी से मुलाकात की और बोंदिली समुदाय की अपनी समस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया जिस पर विधायक ने तेरास सरकार व उनकी ओर से आश्वासन दिया और बोंदिली समाज की हर समस्याओं के समधान के लिए वे हमेशा तैयार है। उनकी समस्याओं में पटनचेरु में महाराणा प्रताप की प्रतिमा की स्थापना, बीरंगुडा में फंक्शन हॉल के लिए जगह का आवंटन, पोचारम में श्मशान वाटिका के लिए भूमि आवंटन, विकलांग व्यक्तियों के लिए वाहनों का आवंटन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि समाज के सदस्य नरेंदर सिंह (पटनचेरू निवासी) को सड़क हादसे में घायल हो गए तो विधायक जी ने तत्काल निम्स अस्पताल को बेहतर चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने हेतु लेटर एवम् सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में बोंदिली समाज के पदाधिकारियों में राजेंदर सिंह (राजन सिंह, पटानचेरू व राष्ट्रीय क्षत्रिय महापरिषद, जिला अध्यक्ष, संगा रेड्डी), राजेंद्र सिंह, (मादरम), मनोहर सिंह, (पोचारम), गोविंद सिंह, (बांडलागुडा), जयवीर सिंह, (इंद्रेसम), बी. नरेश सिंह (पटानचेरू) तथा भारी संख्या में सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

न्यू बोइनपल्ली पेद्दातोकट्टा चिंतला बस्ती में आयोजित 86वें उर्स शरीफ उत्सव में भाग लेते हुए हज़रत सैयद मोहिउद्दीन अली शाह कादरी, विशिष्ट अतिथि बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जंपन्ना प्रताप, हजरत सैयद रहीम अली शाह कादरी व अन्य।

हिंदी प्रचार सभा में मना 'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस'

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद में महान स्वतंत्रता सेनानी, देश के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती मनायी गयी। उनका जन्मदिन देश भर में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के तौर पर मनाया जाता है। सभा के प्रधानमंत्री जे प्रेमकुमार ने उनके चित्र को पुष्प समर्पित किये। उन्होंने कहा कि 11 सितंबर, 2008 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने हर साल 11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया। इस अवसर पर श्रुतिकांत भारती ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद न केवल एक विद्वान थे, बल्कि शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्ध थे। मौलाना आजाद एक कवि, विद्वान, लेखक, पत्रकार एवं स्वतंत्रता सेनानी थे। इस अवसर पर आंध्र प्रदेश हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के मंत्री एस. गैबुबली एवं सभा के सभी कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

ग्रेटर चेन्नई कार्पोरेशन के ज्वाइंट कमिश्नर (हेल्थ) बनने पर उनसे मुलाकात कर सम्मान करते हुए कुमावत समाज हैदराबाद-सिकंदराबा के पूर्व अध्यक्ष धर्मींचंद कुमावत। साथ में हैं कुमावत समाल साहुकारपेट (चेन्नई) के अध्यक्ष ओंकारराम मेडतिया।

एनईपी 2020 का मुख्य उद्देश्य लैंगिक समानता : राज्यपाल हरिचंदन

विजयवाड़ा, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश की राज्यपाल और पद्मावती महिला विश्वविद्यालम की कुलाधिपति ने शुक्रवार को तिरुपति के इंदिरा प्रियदर्शिनी सभागार में आयोजित विश्वविद्यालय के 19वें और 20वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल हरिचंदन ने कहा है कि पद्मावती महिला विश्वविद्यालम ने पिछले चार दशकों में ज्ञान और कौशल के हस्तांतरण के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थान के रूप में लगातार जबरदस्त प्रगति की है और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार है। राज्यपाल ने कहा है कि भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी है और राष्ट्र के विकास के लिए अत्याधुनिक, जानकार, अत्यधिक कुशल जनशक्ति प्रदान करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता केवल निरंतर प्रयासों के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। यह एक सकारात्मक संकेत है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप उच्च शिक्षा में महिला नामांकन में वृद्धि हुई है, जो नीति का प्राथमिक उद्देश्य प्रत्येक बालिका को ज्ञान की दुनिया में सबसे आगे लाना है। हरिचंदन ने कहा है कि एनईपी 2020 34 वर्षों में एक बदलाव को सक्षम कर रहा है, जो शिक्षा के परिवर्तन, लड़कियों के लिए समान शिक्षा के अवसरों की सुविधा और ट्रांसजेंडर जैसे विशेष चिंता समूहों के लिए प्रतिज्ञा करता है और नीति ने लड़कियों के लिए समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए राष्ट्र की क्षमता का निर्माण करने के लिए एक "जेंडर समावेश कोष" स्थापित करने की सिफारिश की है। राज्यपाल ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि विश्वविद्यालय को विश्व स्तर पर उच्च रैंकिंग पर रखा गया है और विश्वविद्यालय श्रेणी के तहत राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में 151-200 के अपने रैंक को बरकरार रखा है और वर्ष 2021 के लिए फार्मेसी श्रेणी में 42 वां रैंक प्राप्त किया है।

विधायक टी. राजा सिंह से मुलाकात कर उनका सम्मान करते हुए भाजपा नेता संजीव अग्रवाल, नीलेश पारीक, नित्या पारीक व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

अयोध्या मस्जिद निर्माण ...

उन्होंने बताया, 15 दिन पहले पता चला कि हमें मिली जमीन एग्रीकल्चर यूज वाली है, उसमें कंस्ट्रक्शन नहीं कर सकते। हमने लैंड यूज चेंज करने और उस पर 7 मंजिला बिल्डिंग बनाने के लिए अयोध्या डेवलपमेंट अथॉरिटी को आवेदन दे दिया है। मस्जिद ट्रस्ट के सचिव अतहर हुसैन ने बताया, अगस्त, 2020 में हमने मस्जिद निर्माण में सहयोग के लिए बैंक डिटेल जारी किए थे।

अब तक हमारे पास 40 लाख रुपये का डोनेशन आ चुका है। इनकम टैक्स एक्ट की धारा-80जी के तहत दान देने वालों को टैक्स में छूट दी गई है। डोनेशन का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा कॉर्पोरेट से आया है, 30 प्रतिशत मुस्लिम समुदाय से आया है बाकी 40 प्रतिशत हिस्सा हिंदू समुदाय की तरफ से आया है।

मस्जिद बनाने के लिए पहला दान लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के सदस्य रोहित श्रीवास्तव ने दिया था। दान की राशि 21 हजार रुपये थी। इसके साथ ही अवध यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर आरके सिंह समेत तमाम हिंदू ने दान दिया है।

आगे हम अलग-अलग जगहों पर जाकर लोगों को पूरा प्लान समझाने का काम करने वाले हैं। 2 महीने पहले फर्रूखाबाद गए थे। सिविल सोसाइटी के लोगों से बात की। एक विजिट में हमें 10 लाख रुपये डोनेशन मिल गया। बस नक्शा पास होने की देरी है। फिर हमारा 20-25 जगहों पर जाने का प्लान है।

पतंजलि की 5 ...

अब उन दवाओं के नाम, जिन पर लगाया बैन

अथॉरिटी ने ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, गॉइटर (घेंघा), ग्लूकोमा और हाई कोलेस्ट्रॉल के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं पर बैन लगाया है। इनके नाम हैं बीपी ग्रिट, मधुग्रिट, थाइरोग्रिट, लिपिडोम और आईग्रिट गोल्ड।

आदेश में क्या लिखा है :

अथॉरिटी ने इस आदेश में पतंजलि को फॉर्मुलेशन शीट और लेबल में बदलाव करने के बाद बैन दवाओं पर दोबारा मंजूरी लेने कहा है। यानी कंपनी बदलावों की मंजूरी के बाद ही दोबारा प्रोडक्शन कर सकेगी। अथॉरिटी ने कंपनी को भ्रामक विज्ञापनों को तुरंत हटाने के लिए कहा है। साथ ही भविष्य में परमिशन मिलने के बाद ही कोई विज्ञापन चलाने की सलाह दी है।

डॉ. राजाराम त्रिपाठी बने एमएसपी गारंटी मोर्चा के राष्ट्रीय प्रवक्ता

नई दिल्ली, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 'न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) गारंटी कानून' अधिवेशन में न्यूनतम समर्थन मूल्य गारंटी राष्ट्रीय कोर ग्रुप की महत्वपूर्ण बैठक दिल्ली में आयोजित की गई। कोर कमेटी की बैठक में देश के सभी राज्यों से आए विभिन्न किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से वरिष्ठ किसान नेता वीएम सिंह को 'न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) गारंटी कानून' हेतु गठित राष्ट्रीय मोर्चे का राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा डॉ राजाराम त्रिपाठी को राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता चुना गया। इसके साथ अध्यक्ष वीएम सिंह को समस्त राज्यों के सदस्यों तथा अन्य पदाधिकारियों के चयन हेतु सर्वाधिकार सर्वसम्मति से प्रदान किए। इसके साथ ही नवचयनित राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ राजाराम त्रिपाठी को आवश्यकता अनुसार विभिन्न राज्यों में प्रचार प्रसार हेतु सहयोगी सभी प्रदेशों के प्रवक्ताओं के चयन करने हेतु भी सर्वसम्मति से अधिकृत किया गया। उल्लेखनीय है कि मूलतः छत्तीसगढ़ के डॉ राजाराम त्रिपाठी ने भूमि अधिग्रहण विधेयक की वापसी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी तथा तीनों कृषि कानूनों की खामियों का अध्ययन करके इसके दुष्प्रभावों के बारे मे भी देश के किसान नेताओं को विस्तार से बताया था। डॉ त्रिपाठी देश के चालीस बड़े किसान संगठनों के साझा मंच 'अखिल भारतीय किसान महासंघ' आईफा के राष्ट्रीय संयोजक हैं तथा किसान संगठनों के थिंकटैंक माने जाते हैं। बैठक में प्रमुखता से राजू शेट्टी, वीएम सिंह, रामपाल जाट, बलराज भाटी, कोड़ीहाली चंद्रशेखर, जसकरण सिंह, अलफोंड बर्थ, दीपक पांडे, जीएन शर्मा , कुलदीप पांडे, इब्राहिम खान, रेखा सिवाल, दीपक पांडे मुदगल,सुखदेव विर्क, सोमदत्त शर्मा एडवोकेट संजय सिंह ,संजय कुमार ठाकुर, पारसनाथ साहू, तेजराम विद्रोही, जितेंद्र कुमार राष्ट्रीय प्रधान व सरपंच संगठन, जितेंद्र चौधरी, अशोक सिंह, गुरु स्वामी, सुखबीर सिंह शामिल थे।

टी-20 वर्ल्ड कप के बाद दो देशों का दौरा करेगा भारत

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम का इस साल भी टी20 वर्ल्ड कप जीतने का ख्वाब अधूरा रह गया, रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया 15 साल से चले आ रहे ट्रॉफी के सूखे को खत्म करने ऑस्ट्रेलिया पहुंची थी।

यहां सुपर-12 तक तो टीम इंडिया का प्रदर्शन लाजवाब रहा, मगर सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट से मिली करारी हार ने भारत के खिताब जीतने के सपने को चकनाचूर कर दिया। टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद भारतीय टीम को अब दो देशों का दौरा करना है जिसका शेड्यूल सामने आ चुका है।

भारत का न्यूजीलैंड दौरा

टी20 वर्ल्ड कप टीम में शामिल भारतीय टीम के 7 खिलाड़ी ही स्वदेश लौटेंगे, वहीं अन्य खिलाड़ी न्यूजीलैंड का दौरा करेंगे। भारत को टी वर्ल्ड कप के बाद पहला दौरा न्यूजीलैंड का करना है जहां उन्हें तीन मैच की टी20 सीरीज के साथ इतने मैच की ही वनडे सीरीज खेलनी है। इस दौरे के लिए बीसीसीआई पहले ही टीम का ऐलान कर चुका है। ऑस्ट्रेलिया से भारत लौटने वाले 7 खिलाड़ियों की सूची में कप्तान रोहित शर्मा के साथ

विराट कोहली, केएल राहुल, दिनेश कार्तिक, आर अश्विन, अक्षर पटेल और मोहम्मद शमी का नाम शामिल है। रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में न्यूजीलैंड दौरे पर टी20 टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या होंगे, वहीं वनडे टीम की अगुवाई शिखर धवन करेंगे। भारत में न्यूजीलैंड दौरे के सभी मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग एमाजन प्राइम पर होगी।

भारत का बांग्लादेश दौरा

न्यूजीलैंड दौरे पर इन 6 मुकाबलों को खेलने के बाद भारतीय टीम को बांग्लादेश का दौरा करना है। इस टूर की शुरुआत 4 दिसंबर को ढाका में खेले जाने वाले पहले वनडे मैच से होगी। टीम इंडिया बांग्लादेश के इस दौरे पर तीन वनडे के साथ दो टेस्ट मैच खेलेगी। बांग्लादेश दौरे पर कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली समेत सीनियर खिलाड़ियों की वापसी होगी। बांग्लादेश दौरे की लाइव स्ट्रीमिंग डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर होगी, वहीं टीवी पर इन मैचों का लुत्फ आप स्टार स्पोर्ट्स के विभिन्न नेटवर्क पर उठा सकते हैं।

न्यूजीलैंड दौरे का शेड्यूल इस प्रकार है

पहला टी20- 18 नवंबर, दोपहर 12 बजे से
दूसरा टी20- 20 नवंबर, दोपहर 12 बजे से
तीसरा टी20- 22 नवंबर, दोपहर 12 बजे से
पहला वनडे- 25 नवंबर, सुबह 7 बजे से
दूसरा वनडे- 27 नवंबर, सुबह 7 बजे से
तीसरा वनडे- 30 नवंबर, सुबह 7 बजे से

न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम

भारतीय टी20 टीम- हार्दिक पंड्या (कप्तान), ऋषभ पंत (उप कप्तान और विकेटकीपर), शुभमन गिल, ईशान किशन, दीपक हुड्डा, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन (विकेटकीपर), सुंदर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, हर्षल पटेल , मो. सिराज, भुवनेश्वर कुमार, उमरान मलिक।

भारतीय वनडे टीम- शिखर धवन (कप्तान), ऋषभ पंत (उप कप्तान और विकेटकीपर), शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, सूर्य कुमार यादव, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन (विकेटकीपर), सुंदर, शार्दुल ठाकुर, शाहबाज अहमद, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह , दीपक चाहर, कुलदीप सेन, उमरान मलिक।

बांग्लादेश दौरे का शेड्यूल इस प्रकार है

पहला वनडे- 4 दिसंबर, दोपहर साढ़े 12 बजे से
दूसरा वनडे- 7 दिसंबर, दोपहर साढ़े 12 बजे से
तीसरा वनडे- 10 दिसंबर, दोपहर साढ़े 12 बजे से
पहला टेस्ट- 14 से 18 दिसंबर, सुबह साढ़े 9 बजे से
दूसरा टेस्ट- 22 से 26 दिसंबर सुबह साढ़े 9 बजे से

बांग्लादेश दौरे के लिए भारतीय टीम

भारतीय वनडे टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप कप्तान), शिखर धवन, विराट कोहली, रजत पाटीदार, श्रेयस अय्यर, राहुल त्रिपाठी, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, सुंदर, शार्दुल ठाकुर , मो. शमी, मो. सिराज, दीपक चाहर, यश दयाल

भारतीय टेस्ट टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव

न्यूजीलैंड दौरे पर राहुल द्रविड़ नहीं होंगे कोच

वीवीएस लक्ष्मण संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के न्यूजीलैंड दौरे पर राहुल द्रविड़ की अगुआई वाले कोचिंग स्टाफ को टी20 विश्व कप के बाद ब्रेक दिया गया है। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण इस दौरान कार्यवाहक मुख्य कोच होंगे। भारतीय टीम टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में गुरूवार को इंग्लैंड से हारकर बाहर हो गई। अब भारत को न्यूजीलैंड में तीन मैचों की टी20 और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलना है। टी20 सीरीज 18 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होगी। नियमित कप्तान रोहित शर्मा, स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, केएल राहुल और स्पिनर रविचंद्रन अश्विन समेत सीनियर खिलाड़ियों को दौरे पर आराम दिया गया है।

युवा भारतीय खिलाड़ियों को अनुभव के लिए विदेशी लीग खेलने की अनुमति दें: कुंबले

भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले चाहते हैं कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) युवा खिलाड़ियों को वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले 2024 टी20 विश्व कप से पहले अनुभव हासिल करने के लिए दुनिया भर में विभिन्न टी20 लीग में भाग लेने की अनुमति दे। कुंबले ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा, "मुझे लगता है कि एक्सपोजर (वहां के हालात में खेलने का अनुभव) निश्चित रूप से मदद करता है।

हमने इसे भारतीय क्रिकेट के विकास में मदद करते हुए देखा है। आईपीएल में विदेशी खिलाड़ियों के आने से भारतीय क्रिकेट को निश्चित रूप से मदद मिली है।" उन्होंने कहा, "अगर किसी युवा खिलाड़ी को विदेश भेजने से उसके खेल में सुधार होता है तो फिर हमें ऐसा करना चाहिए।"

पेले की भविष्यवाणी..ब्राजील बनेगा फीफा विश्व कप विजेता

रियो डी जेनेरो, 11 नवंबर (एजेंसियां)। फुटबॉल लीजेंड पेले ने भविष्यवाणी की है कि ब्राजील अगले महीने कतर में होने वाले विश्व कप में छठी बार चैंपियन बनेगा। ब्राजील ने 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी ग्रुप में अपराजित रहते हुए शीर्ष पर रहकर विश्व कप में जगह बनायी थी। ब्राजील ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे अर्जेंटीना से छह अंक आगे रहा था। 82 वर्षीय पेले ने सोशल मीडिया पर कहा, यदि आप सोचते हैं कि मैं अति आत्मविश्वासी हूं लेकिन मेरा मानना है कि ब्राजील एक बार फिर ट्रॉफी जीतेगा। ब्राजील ने आखिरी बार विश्व कप 2002 में जीता था। वह अपने अभियान की शुरूआत 24 नवम्बर को सर्बिया के खिलाफ करेगा। इस ग्रुप में स्विट्जरलैंड और कैमरून भी शामिल हैं। शिन्हुआ ने यह खबर दी है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलरों में से एक माने जाने वाले पेले तीन बार विश्व कप को जीतने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने 1958, 1962 और 1970 में यह ट्रॉफी जीती थी। उन्हें हाल में स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानियों से जूझना पड़ा था।

भारत ने ऋषभ पंत का सही इस्तेमाल नहीं किया : वान

लंदन, 11 नवंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने प्रतिभाशाली विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का टी20 विश्व कप में सही ढंग से न इस्तेमाल करने पर भारतीय थिंक टैंक की कड़ी आलोचना की है। बाएं हाथ के बल्लेबाज पंत को दिनेश कार्तिक के मुकाबले प्राथमिकता देकर इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल के लिए चुना गया था ताकि वह मध्य ओवरों में इंग्लैंड के स्पिनरों पर प्रहार कर सकें लेकिन पंत के 19वें ओवर में क्रीज पर आने से पहले ही कप्तान जोस बटलर ने स्पिनरों आदिल राशिद और लियाम लिविंगस्टोन के ओवर पूरे करा लिए थे।

वान ने द टेलीग्राफ में अपने कालम में लिखा, उन्होंने ऋषभ पंत जैसे प्रतिभाशाली और विसफोटक बल्लेबाज का भी सदुपयोग नहीं किया। इस युग में ऐसे बल्लेबाज को आपको शीर्ष क्रम में डालकर मारने की पूरी छूट देनी चाहिए। उनकी प्रतिभा को देखते हुए उनकी शैली से मैं स्तब्ध हूं। उनके खिलाड़ी सही हैं लेकिन प्रक्रिया गलत है। वॉन ने भारतीय एकादश में ऑलराउंडर की कमी का उल्लेख करते हुए लिखा, उनके पास गेंदबाजी के पांच ही विकल्प हैं और ऐसा कैसे संभव है जब 10-15 साल पहले उनके बल्लेबाजी क्रम में सभी गेंदबाजी कर लेते थे। सचिन तेंदुलकर, सुरेश रैना, युवराज सिंह और सौरव गांगुली भी उपयोगी गेंदबाज थे। अब कोई बल्लेबाज गेंदबाजी नहीं करता और ऐसे में कप्तान के विकल्प बहुत सीमित होते हैं।

वॉन ने भारत के चयन और कप्तान रोहित शर्मा की कप्तानी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने लिखा, टी20 क्रिकेट के आंकड़े बताते हैं कि ऐसे स्पिनर जो गेंद को दोनों तरफ स्पिन करा सकते हैं वह कितने अहम हैं। भारत लेग स्पिनर से लैस है लेकिन वह कहां हैं? उनके पास एक बाएं हाथ का तेज गेंदबाज है, अर्शदीप सिंह, जो गेंद को दाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए अंदर ला सकता है। 168 के स्कोर के बचाव में वह क्या करते हैं? पहला ओवर भुवनेश्वर कुमार को थमा देते हैं जो गेंद को बाहर निकालते हैं और ऐसे में जॉस बटलर और एलेक्स हेल्स को रूम मिलता है।

टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में टीम इंडिया की हार पर कपिल देव ने की लोगों से अपील

आप चोकर्स कह सकते हैं, लेकिन इतना भी...

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2022 में भारत की सेमीफाइनल हार ने सभी भारतीय क्रिकेट फैन्स को दुखी कर दिया है। टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ 10 नवंबर को 10 विकेट से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। हर किसी के जहन में यही सवाल आ रहा है कि टीम इंडिया इस तरह से बिना लड़े कैसे हार गई। भारत को सबसे पहली बार अपनी कप्तानी में वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले कपिल देव ने इस बीच फैन्स के खास अपील की है।

कपिल देव ने एबीपी पर कहा, 'हां, हम उन्हें चोकर्स कह सकते हैं, यह ठीक है। वह खिताब के करीब पहुंचते हैं और फिर चोक कर जाते हैं। लेकिन आप उन पर इतना कठोर मत होइए। मैं मानता हूं कि भारत ने यहां खराब क्रिकेट खेला, लेकिन हम उनकी जरूरत से ज्यादा आलोचना एक मैच के आधार पर नहीं कर सकते हैं।' कपिल देव ने इसके अलावा इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों की जमकर तारीफ की। कप्तान जोस बटलर और एलेक्स हेल्स ने मिलकर जिस तरह से 16 ओवर ही में मैच खत्म कर दिया, उसे देखकर हर कोई हैरान रह गया।

कपिल देव का मानना है कि इंग्लैंड टीम ने पिच को बेहतर तरीके से पढ़ा और समझा। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड ने पिच को बेहतर तरीके से पढ़ा और बेहतर क्रिकेट खेला। हमें अपने खिलाड़ियों पर ज्यादा कठोर नहीं होना चाहिए। ये वही खिलाड़ी हैं, जिन्होंने देश के गरिमा बढ़ाई है। 168-170 अच्छा स्कोर होता है। लेकिन अगर आप पिच के हिसाब से गेंदबाजी नहीं करोगे तो ऐसा ही होगा। यह इंग्लैंड के लिए आसान जीत थी, लेकिन आप देखिए उन्होंने कितनी शॉर्ट गेंद फेंकी थी।'

अब बदलेगी इंडिया की टी-20 टीम

हार्दिक कप्तान बन सकते हैं, अश्विन-कार्तिक जैसे सीनियर नहीं दिखेंगे

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड से सेमीफाइनल में शर्मनाक हार के बाद इंडिया की टी-20 स्क्वॉड में बदलाव होगा। सीनियर खिलाड़ी टी-20 टीम से बाहर हो सकते हैं। बीसीसीआई के सोर्स ने कहा, 'अगले एक साल में टी-20 टीम में काफी बदलाव देखने को मिलेंगे। रोहित शर्मा, विराट कोहली, दिनेश कार्तिक और आर अश्विन जैसे खिलाड़ी धीरे-धीरे बाहर हो जाएंगे।' बीसीसीआई सूत्र ने कहा- 'वर्ल्ड कप को देखकर लग रहा है कि टी-20 फॉर्मेट में कार्तिक और अश्विन का आखिरी मैच सेमीफाइनल ही था। उधर, रोहित और कोहली के फ्यूचर का फैसला बोर्ड ने उन पर ही छोड़ दिया है।' इस बीच, बीसीसीआई ने न्यूजीलैंड दौरे पर हेड कोच राहुल द्रविड़ समेत पूरे कोचिंग स्टाफ को रेस्ट पर भेज दिया है। नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के चीफ वीवीएस लक्ष्मण इस दौरे पर हेड कोच होंगे।

रमीज राजा बोले-अरबों डॉलर के आईपीएल का क्या फायदा

शोएब ने कहा-बहुत गंदा हारे आप

लाहौर, 11 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर्स तंज कस रहे हैं। शुक्रवार को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी चीफ रमीज राजा, शोएब अख्तर और वसीम अकरम जैसे दिग्गजों ने भारतीय टीम के प्रदर्शन के बारे राय जाहिर की। रमीज राजा ने कहा-अरबों डॉलर की लीग के क्रिकेटर्स वाली टीम पीछे रह गई और पाकिस्तान आगे निकल गया है। वहीं, दुनिया के सबसे तेज गेंदबाज रहे शोएब अख्तर ने इंडियन पेस बैटरी पर कहा- भारत में कोई एक्सप्रेस फास्ट बॉलर नहीं है। पूर्व कप्तान वसीम अकरम भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने कहा-आईपीएल बिल्कुल बेअसर लीग है।

रमीज राजा : हमारे खिलाड़ी भारतीयों से बेहतर

भारत-पाकिस्तान फाइनल नहीं होने के सवाल पर रमीज ने कहा- कई लोगों ने खुद टीम पर शक किया है। इस विश्व कप ने दिखाया कि वर्ल्ड क्रिकेट कितने पीछे रह गई है और पाकिस्तान कितना आगे निकल गया है। इस वर्ल्ड कप में कि बिलियन-डॉलर की इंडस्ट्री वाले टीमें पीछे रह गई हैं और हम आगे निकल गए हैं। हमने खुद को बेहतर किया। लिहाजा, हमारी कामयाबी का जश्न मनाएं और हमें इज्जत दें।

शोएब अख्तर बोले-भारत के पास कंडीशनल फास्ट बॉलर हैं

शोएब अख्तर ने कहा- इंडिया की शर्मनाक हार...ये टीम बहुत गंदा खेली और वो इसी लायक

थी। हैरानी है आप एक विकेट भी नहीं ले सके। आपकी बॉलिंग पूरी तरह एक्सोज हो गई। भारत के पास कंडीशनल फास्ट बॉलर हैं। कंडीशन अच्छी हो तो बॉलिंग करते हैं...नहीं तो नहीं।

टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद भी भारत को मिलेगा करोड़ों का इनाम

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के हाथों गुरुवार को टीम इंडिया को टी20 20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल में 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस शर्मनाक हार के साथ ही भारत का खिताब जीतने का सपना एक और बार अधूरा रह गया। हालांकि टूर्नामेंट से बाहर होने के बावजूद भारतीय टीम पर करोड़ों रुपए की धनवर्षा होगी। आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले टूर्नामेंट के प्राइज पूल का खुलासा किया था। इस टूर्नामेंट में कुल 5.6 मिलियन डॉलर की इनामी राशि बांटी जाएगी। भारतीय करेंसी के हिसाब से यह राशि लगभग 45.67 करोड़ रुपए की है। आइए जानते हैं भारत को कितने करोड़ रुपए का इनाम मिलेगा।

भारत और न्यूजीलैंड को मिलेगा कितने करोड़ का इनाम?

भारत के अलावा टी20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल से केन विलियमस की अगुवाई वाली न्यूजीलैंड की टीम भी बाहर हुई है। न्यूजीलैंड को पाकिस्तान ने हराकर फाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल से बाहर होने वाली प्रत्येक टीम को 0.4 मिलियन डॉलर (लगभग 3.26 करोड़ रुपए) की इनामी राशि दी जाएगी। वहीं विजेता और उप-विजेता पर और अधिक पैसों की बरसात होगी।

टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम को कितना इनाम मिलेगा?

पाकिस्तान और इंग्लैंड ने इस साल टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में प्रवेश किया है। 13 नवंबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में यह दोनों टीमें खिताबी जंग लड़ेगी। टूर्नामेंट जीतने वाली टीम को 1.6 मिलियन डॉलर (लगभग 13 करोड़ रुपए) का इनाम मिलेगा, वहीं फाइनल में हारने वाली टीम अपने साथ 0.8 मिलियन डॉलर (लगभग 6.5 करोड़ रुपए) ले जाएगी।

अन्य टीमों पर भी होगी धनवर्षा

टी20 वर्ल्ड कप में इस साल कुल 16 टीमों ने भाग लिया था और आईसीसी ने हर टीम को प्राइज मनी देने का फैसला किया था। इस प्राइज पूल में सुपर-12 में पहुंचने वाली सभी टीमों के साथ पहले राउंड से बाहर होने वाली टीमों को भी रखा गया है। वहीं टूर्नामेंट में प्रत्येक मैच जीतने वाली टीम को भी अगल से पैसा मिलेगा।

टी20 वर्ल्ड कप 2022 की प्राइज मनी लिस्ट

विजेता - 1.6 मिलियन डॉलर (लगभग 13 करोड़ रुपए)
उप-विजेता - 0.8 मिलियन डॉलर (लगभग 6.5 करोड़ रुपए)
सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को - 0.4 मिलियन डॉलर (लगभग 3.26 करोड़ रुपए)
सुपर 12 में प्रत्येक मैच जीतने वाली टीम को - 40 हजार डॉलर (लगभग 33.62 लाख रुपए)
सुपर 12 से बाहर होने वाली प्रत्येक टीम को - 70 हजार डॉलर (लगभग 57,09 लाख रुपए)
पहले राउंड में प्रत्येक मैच जीतने वाली टीम को - 40 हजार डॉलर (लगभग 33.62 लाख रुपए)
पहले राउंड से बाहर होने वाली प्रत्येक टीम को - 40 हजार डॉलर (लगभग 33.62 लाख रुपए)

एमएमए फाइटर रितु फोगाट ने सचिन छिकारा से की शादी, सात की जगह लिए आठ फेरे

नई दिल्ली, 11 नवंबर (एजेंसियां)। भारत की मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) फाइटर रितु फोगाट ने हरियाणा के युवक सचिन छिकारा से शादी कर ली। दोनों गुरुवार (10 नवंबर) को शादी के बंधन में बंध गए। रितु ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी शादी की तस्वीरें शेयर की हैं।

वह मशहूर पहलवान गीता और बबीता फोगाट की बहन हैं। रितु फोगाट लाल रंग के लहंगे में नजर आईं। वहीं, सचिन छिकारा ने शेरवारी पहन रख रखी है। रितु एमएमए में भारत की सबसे बड़ी स्टार हैं। उन्होंने देश में इस खेल को नई पहचान दिलाई है। रितु ने शुरुआत तो पहलवानी से की थी, लेकिन बाद में वह एमएमए फाइटर बन गईं।

पीएम आज राष्ट्र को समर्पित करेंगे तेलंगाना की भद्राचलम रोड-सत्तुपल्ली नई रेल लाइन

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 12 नवंबर, को रामगुंडम में आयोजित एक समारोह में वीडियो लिंक के माध्यम से भद्राचलम रोड-सत्तुपल्ली नई रेलवे लाइन राष्ट्र को समर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री कई अन्य प्रमुख अवसंरचनात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह नई लाइन परियोजना तेलंगाना राज्य में रेल अवसंरचना को ऊर्जित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और औद्योगिक क्षेत्र के विकास को काफी बढ़ावा देगी। दमरे के अनुसार कार्यक्रम में तेलंगाना की राज्यपाल डॉ तमिलिसाई सौंदरराजन, सीएम तेलंगाना के. चंद्रशेखर राव, केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री,

जी.किशन रेड्डी, सांसद संजय कुमार बंडी, सांसद वेंकटेश नेता बोरलाकुंटा, विधायक रामगुडं कोरकंटि चंदर भाग लेंगे। इसके साथ ही, भद्राचलम रोड रेलवे स्टेशन पर स्थानीय समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में माननीय परिवहन मंत्री, तेलंगाना पुव्वाडा अजय कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष कनकय्या कोरम, सांसद लिंगाला कमल राजू, सांसद बी. पार्थसारथी रेड्डी, सांसद वड्डिराजू रविचंद्र, सांसद नामा नागेश्वर राव, विधायक विधान सभा सदस्य वनमा वेंकटेश्वर राव, मेच्चा नागेश्वर राव, संड्रा वेंकट वीरय्या भाग लेंगे। गौरतलब है कि 54.10 किलोमीटर तक फैली यह भद्राचलम रोड-सत्तुपल्ली नई रेलवे लाइन का निर्माण 990 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर 4 वर्षों से भी कम रिकार्ड समय में पूरा किया गया है। केंद्र ने देश की 14 सबसे महत्वपूर्ण कोयला खनन परियोजनाओं में शामिल करते हुए इस परियोजना पर अधिक बल दिया है। फलस्वरूप इस पर निरंतर निगरानी रखी जा सकी और इसे समय पर पूरा किया गया। यह परियोजना तेलंगाना में नए और अब तक रेल से नहीं जुड़े क्षेत्रों को पहली बार रेल मानचित्र पर लाएगी और क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में मदद करेगी।

यह न केवल तेलंगाना में, बल्कि देश भर में फैली विभिन्न यूनिटों के आस-पास स्थित ओपन कॉस्ट कोयला खदानों से कोयले के परिवहन में भी सुविधा प्रदान करेगी। नई रेलवे लाइन लोगों और उद्योग के लिए परिवहन का सुरक्षित, तेज और किफायती साधन प्रदान करेगी, साथ ही इस क्षेत्र से कोयले के संचलन के पर्यावरण-हितैषी साधनों को भी बढ़ावा देगी। भद्राचलम रोड-सत्तुपल्ली नई रेल लाइन परियोजना मैसर्स सिंगरेनी कोलिरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) और रेल मंत्रालय की लागत साझेदारी वाली परियोजना है। सड़क नेटवर्क की तुलना में, यह नई रेलवे लाइन सिंगरेनी कोयला क्षेत्रों से विभिन्न गंतव्य स्थानों तक कोयले के तेज, सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त परिवहन की सुविधा प्रदान करेगी।

पीएम की यात्रा को लेकर पुलिस ने नागरिकों को किया सतर्क

हैदराबाद, 11 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 12 नवंबर की हैदराबाद यात्रा के मद्देनजर, बेगमपेट हवाई अड्डे, हैदराबाद की ओर जाने वाली और उसके आसपास की सड़कों पर मध्यम यातायात भीड़भाड़ की संभावना है। संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात ने नागरिकों से कहा है कि वे पंजागुट्टा-ग्रीन लैंड्स-प्रकाश नगर टी जंक्शन, रसूलपुरा टी जंक्शन, सीटीओ जंक्शन जाने वाली सड़कों से यात्रा करने से बचने की अपील की है। उन्होंने इसी तरह सोमाजीगुडा-मोनप्पा द्वीप, राजभवन रोड-खैरताबाद जंक्शन जाने वाली सड़क पर शनिवार दोपहर 12 बजे से शाम 7 बजे के बीच नागरिकों/यात्रियों से अनुरोध है कि यातायात करने से बचें। हैदराबाद पुलिस ने लोगों से पुलिस के साथ सहयोग करने और यातायात की परेशानी मुक्त आवाजाही सुनिश्चित करने की अपील की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.